{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 28 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 334
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,933.59
निफ्टी	-	24,090.85
सोना	-	1,49,400
चांदी	-	2,60,000
डॉलर	-	95.48

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

दलाई लामा ने भीषण बाढ़ पर जताया दुख, जलवायु परिवर्तन को बताया कारण

धर्मशाला। तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने नेपाल और तिब्बत में आई भीषण बाढ़ से हुई जनहानि और बड़े पैमाने पर हुए नुकसान पर गहरा दुख जाहिर किया है। अपने बयान में, उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पहले भी प्राकृतिक आपदाएं आती रही हैं, और यह निश्चित रूप से जलवायु परिवर्तन या किसी अन्य गहरे अंतर्निहित कारण का संकेत है। उन्होंने नेपाल के रसुवा क्षेत्र और तिब्बत के क्यिरोंग में आई विनाशकारी बाढ़ के बारे में जानकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। दलाई लामा ने आपदा में जान गंवाने वालों के लिए प्रार्थना और शोक संतप्त परिवारों तथा प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश, दोनों पायलट की मौत

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुरुवार को एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। इस हादसे में ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट में सवार पायलट और को-पायलट की मौत हो गई है। रेस्क्यू टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। प्लेन क्रैश की यह दुर्घटना कानपुर के गंगा बैराज के पास हुई है। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार हुआ ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट गर्ग एविएशन का था। गुरुवार को गंगा बैराज के पास यह विमान हादसे का शिकार हो गया। कानपुर के नत्था खेड़ा इलाके में गंगा बैराज के पास ट्रेनिंग विमान क्रैश होने की सूचना इलाके के लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। हादसे की सूचना पाकर कानपुर के चीफ फायर अफसर भी मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड की टीम के साथ ही इमरजेंसी सर्विस कानपुर नगर की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं और तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। क्रैश एयरक्राफ्ट के मलबे से दो लोगों को गंभीर हालत में रेस्क्यू किया गया। दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उनको मृत घोषित कर दिया।

आज साल का दूसरा व आखिरी चंद्र ग्रहण

नई दिल्ली। साल का दूसरा व आखिरी चंद्र ग्रहण शुक्रवार को लगने जा रहा है। यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। ज्योतिष के अनुसार, यह चंद्र ग्रहण कुंभ राशि और शतभिषा नक्षत्र में लगेगा। चंद्रमा को मन का कारक ग्रह माना जाता है, इसलिए ग्रहण का सीधा असर व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर पड़ सकता है। ऐसे में इस ग्रहण से जुड़ी जरूरी जानकारी जैसे समय, सूतक काल के बारे में जानना बेहद जरूरी हो जाता है। तो आइए जानते हैं कि साल का दूसरा चंद्र ग्रहण कल कितने बजे से शुरू होगा, कहां कहां दिखाई देगा। द्रिक पंचांग के अनुसार, साल का आखिरी व दूसरा चंद्र ग्रहण 28 अगस्त को सुबह 6 बजकर 55 मिनट से शुरू होगा और इसका समापन दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर होगा। इस ग्रहण की पीक टाइमिंग सुबह 9 बजकर 43 मिनट रहेगी। तो आइए जानते हैं कि चंद्र ग्रहण के दौरान किन वास्तु नियमों का पालन करना चाहिए।

कुछ ना कहना

300 भारतीय सहित 1500 लोग लापता

गुरुवार सुबह कुछ इलाकों में पानी का स्तर 3 से 4 फीट तक कम हुआ। इसके बाद जो तस्वीर सामने आई, वह और भी डरावनी थी। जहां पहले सड़कें, बस स्टॉप, दुकानें और हरे-भरे खेत दिखाई देते थे, वहां अब 5 से 8 फीट तक गहरी गाद, मलबा और नुकीले पत्थर जमा थे। इस मलबे में चीन से आयात किए गए सैकड़ों इलेक्ट्रिक वाहन और सामान से लदे कंटेनर ट्रक भी पलटे या दबे दिखाई दिए। नेपाल पुलिस और सेना की टीमें मलबा हटाकर लोगों और शवों की तलाश कर रही हैं।

मौत के मलबे में जिंदगी की तलाश...

सैकड़ों जवान, 30 हेलीकॉप्टर प्रभावित क्षेत्र में उतरे

काठमांडू/नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ में अब तक 178 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें नेपाल में 175 और तिब्बत में 3 लोगों की जान गई, जबकि 1500 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। बाढ़ में 19 पुल, करीब 40 किलोमीटर सड़कें और 13 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट तबाह हो गए। बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को बचाने और राहत पहुंचाने के लिए नेपाल सरकार ने 30 हेलिकॉप्टर तैनात किए हैं। वहीं मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम भी शुरू हो चुका है। राहत एवं बचाव कार्य के लिए त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर ने सुबह 6:30 बजे से तैयारी शुरू कर दी थी। अतिरिक्त बचाव के लिए 20 हेलिकॉप्टर स्टैंडबाय पर रखे गए हैं, जबकि 10 हेलीकॉप्टर पहले ही प्रभावित और आसपास के इलाकों में भेजे जा चुके हैं। खराब मौसम और मुश्किल रास्तों के कारण जहां सड़क से पहुंचना संभव नहीं है, वहां हेलीकॉप्टर से बचाव किया जाएगा। चितवन में तिब्बत से आए बाढ़ के पानी के बाद त्रिशूली और नारायणी नदियों से 64 शव मिले हैं। इनमें पूरे शव के साथ-साथ शरीर के कुछ अंग भी शामिल हैं। जिला पुलिस के मुताबिक, सभी शवों को भरतपुर अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। इस बीच भारत ने नेपाल में रसुवा बाढ़ के बाद राहत और बचाव कार्यों में मदद के लिए 10 टन मानवीय सहायता और जरूरी दवाइयां भेजी हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फेसबुक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह सहायता बाढ़ प्रभावित इलाकों में नेपाल के राहत कार्यों में मदद के लिए भेजी गई है। भारत ने इस आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना भी जताई और प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की। जयशंकर ने कहा कि इस मुश्किल समय में भारत नेपाल और नेपाली लोगों के साथ खड़ा है।

चौतरफा मलबा-कचरा

नेपाल में तबाही का मंजर है। चौतरफा मायूसी और दर्द का सैलाब है। लोग रोते-बिलखते अपनों की तलाश में भटक रहे हैं। क्षेत्र में चारों ओर मलबा और कचरा भरा दिख रहा है। लोग अपनों की तलाश में इस कचरे में उतरे हैं। वहीं जरूरी सामान की भी खुद ही तलाशी कर रहे हैं।

बिहार में अलर्ट: गंडक नदी में बढ़ा पानी, मवेशी और सामान बहकर आए

नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार को बाढ़ से तबाही के बाद बिहार की गंडक नदी में पानी बढ़ने लगा है। रात 12 बजे तक नेपाल की ओर से करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बगहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। रात 12 बजे बैराज से 1 लाख 52 हजार क्यूसेक, सुबह 6 बजे 88 हजार और 7 बजे 92,900 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। गंडक बैराज पर नेपाल में हुई तबाही का मलबा भी दिखाई दे रहा है। पानी के साथ भैंस, फ्रिज और घरों का सामान भी बहकर आ रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, इस बाढ़ के बाद गंडक में 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, फ्लैश फ्लड आने की भी आशंका है। बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट जारी है। ये जिले पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर हैं।

MP सरकार ने बनाया कंट्रोल रूम, हेल्पलाइन नंबर भी जारी

मध्यप्रदेश सरकार ने नई दिल्ली में एक कंट्रोल रुम स्थापित किया है। साथ ही हेल्पलाईन नंबर, व्हाट्सएप नंबर और ईमेल आईडी भी जारी किए है। जो हेल्पलाईन नंबर शुरु किया गया है वह 011-26772005 है। सहायता के लिए जारी व्हाट्सएप नंबर 9818963273 है। ईमेल आरईसीपीवन एमपी भवन एट द रेट ऑफ एमपी डॉट जीओवी डॉट इन जारी किया गया है।

मप्र को कोई नागरिक नहीं!

हालांकि अब तक नेपाल में किसी मध्यप्रदेशवासी के फंसे होने या प्रभावित होने की खबर नहीं है। एडीजी इंटेलीजेंस ए सांइमनोहर ने कहा है कि प्रशासन लगातार नेपाल प्रशासन के संपर्क में है।

इन भारतीय राज्यों के पर्यटक लापता

नेपाल में आई बाढ़ के बाद 300 भारतीयों के लापता होने की जानकारी है। भारत सरकार इनकी जानकारी ले रही है। अब तक प्राप्त जानकारी के मुताबिक तमिलनाडु के 37 लोग एक मंदिर की ओर जा रहे थे। तभी बाढ़ की चपेट में आए वहीं कोयंबटूर की ईशा फाउंडेशन ने बताया इमिग्रेशन सेंटर में मौजूद 77 लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। कोलकाता के 32 लोगों लापता है।

मलबे में दबी कारों-बसों में भी लोग

नेपाल में कई सड़कें और राजमार्ग बंद हो गए हैं। इससे करीब 800 से 1,000 गाड़ियां फंस गई या डूब गई हैं। इनमें करीब 300 यात्री बसें शामिल हैं। नेपाली मीडिया के मुताबिक, काठमांडू से गोसाईकुंड गई 18 से 20 बसों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इनमें सवार यात्रियों की स्थिति अभी साफ नहीं है।

भूकंप नहीं पहाड़ टूटने से लगे थे 5.2 तीव्रता के झटके!

बाढ़ का पानी करीब 30 फीट तक ऊपर आ गया था। तेज बहाव में घर, गाड़ियां और सरकारी ढांचे बह गए। शुरूआत में माना जा रहा था कि बाढ़ से पहले भूकंप आया था, लेकिन अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक चीन की तरफ ल्हेंदे नदी में पहाड़ का बड़ा हिस्सा खिसककर गिरा था। इसी लैंडस्लाइड से 5.2 तीव्रता के भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ। इसके बाद ल्हेंदे नदी से पानी और मलबे का सैलाब भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में पहुंचा, जिससे बाढ़ आई।

चेतावनी... 47 झीलें चिन्हित, कभी भी ला सकती हैं तबाही!

इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) और नेपाल सरकार के वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार, 47 ग्लेशियल झीलों को संभावित रूप से खतरनाक ग्लेशियर झीलें के रूप में चिन्हित किया गया है। चेतावनी दी गई है कि इन झीलों से कभी भी ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (ग्लोफ) आ सकता है, जो नेपाल की नदी प्रणालियों में विनाशकारी बाढ़ का कारण बन सकता है। इन 47 झीलों में से 21 नेपाल में स्थित हैं, जबकि 25 झीलें तिब्बत में हैं और सीमा पार की श्रेणी में आती हैं। ये झीलें उन नदियों के ऊपरी हिस्से में स्थित हैं जो दक्षिण की ओर बहते हुए नेपाल में प्रवेश करती हैं।

अब समुद्र मंथन से निकलेगा तेल!

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब समुद्र की गहराइयों में छिपे तेल और गैस के भंडार को बाहर निकालने के लिए साल-दर-साल का पूरा रोडमैप तैयार कर रही है। इस स्कीम का नाम 'समुद्र मंथन' यानी नेशनल ऑफशोर एक्सप्लोरेशन स्कीम है। इसे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में मंजूरी दी गई है। योजना का मकसद समुद्र तल के नीचे छिपे करीब 600 मिलियन मीट्रिक टन ऑयल इक्विवेलेंट यानी लगभग 60 करोड़ टन कच्चे तेल के बराबर ऊर्जा भंडार का पता लगाना है, ताकि भारत की इम्पोर्ट पर निर्भरता घटे और एनर्जी सिक्योरिटी मजबूत हो। योजना के पहले फेज के तहत वित्त वर्ष 2030-31 तक कुल 84,084 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 31 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने इस योजना को मंजूरी दी थी। आइए इसके बारे में विस्तार से समझते हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का कंज्यूमर है और उसका सालाना इम्पोर्ट बिल करीब 144 अरब डॉलर यानी लगभग 13 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। बीते एक दशक में कच्चे तेल पर इम्पोर्ट निर्भरता 77 प्रतिशत से बढ ?र 88 प्रतिशत हो चुकी है। वहीं, प्राकृतिक गैस की करीब आधी जरूरत भी इम्पोर्ट से पूरी होती है। भारत के पूर्वी और पश्चिमी ऑफशोर बेसिन, जो 3,000 मीटर तक की गहराई तक फैले हैं, में 5,600 मिलियन मीट्रिक टन ऑयल इक्विवेलेंट से ज्यादा हाइड्रोकार्बन क्षमता होने का अनुमान है, लेकिन डीपवाटर ड्रिलिंग बहुत महंगी और रिस्की प्रक्रिया है। एक कुएं की ड्रिलिंग पर ही 125-150 मिलियन डॉलर तक खर्च आता है और एक्सप्लोरेशन ब्लॉक मिलने से लेकर कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होने तक 5 से 10 साल लग सकते हैं। यही रिस्क अब तक प्राइवेट और सरकारी दोनों कंपनियों को गहरे समुद्र में उतरने से रोकता रहा है। इसी रिस्क को सरकार के साथ शेयर करने के मकसद से समुद्र मंथन योजना लाई गई है।

पीएम मोदी करेंगे उज्बेकिस्तान-किर्गिस्तान का दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर तक विदेश दौरे पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को पीएम मोदी की विदेश यात्रा संबंधी जानकारी साझा करते हुए बताया, कि 29 से 30 अगस्त के पीएम मोदी उज्बेकिस्तान में रहेंगे। इसके बाद 31 अगस्त से 1 सितंबर तक वे किर्गिस्तान के दौरे पर रहेंगे। एमईए सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बताया, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 से 30 अगस्त तक उज्बेकिस्तान की यात्रा करेंगे। इसके बाद वे 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रहेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार पीएम मोदी उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर उज्बेकिस्तान जा रहे हैं। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच विगत अनेक वर्षों से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्तर पर व्यापक और सार्थक संवाद रहा है। खासतौर पर साल 2011 में भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया। इसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते अनेक क्षेत्रों में लगातार मजबूत हुए हैं। एमईए सचिव के मुताबिक पीएम मोदी की यह यात्रा भारत और उज्बेकिस्तान के बीच करीबी, बहुआयामी और लगातार बढ़ती रणनीतिक साझेदारी का सबूत पेश करेगी।

इस यात्रा के दौरान दोनों ही पक्ष आपसी हित से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। साथ ही द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने नए रास्ते तलाशे जाएंगे। पीएम मोदी की यात्रा से सांस्कृतिक संबंधों को भी प्रमुखता मिलने की उम्मीद है।

पीएम मोदी 31 अगस्त को पहुंचेंगे बिश्केक

उज्बेकिस्तान का दौरा पूर्ण कर प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रहेंगे। यहां 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी हिस्सा लेंगे। बिश्केक में होने जा रहा शिखर सम्मेलन क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा का अहम मंच साबित होगा। इसलिए भी पीएम मोदी यह विदेश दौरा मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक सक्रियता और क्षेत्रीय सहयोग के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव से पहले इलेक्शन कमीशन का बड़ा एक्शन

चार नेताओं पर तीन साल के लिए बैन

देहरादून। अगले वर्ष होने वाले विधान चुनाव से पहले भारत निर्वाचन आयोन ने बड़ी कार्रवाई की है। भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तराखंड विधानसभा चुनाव-2022 में चुनाव लडने् वाले चार अभ्यर्थियों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क के तहत तीन वर्ष की अवधि के लिए चुनाव लडने् के लिए निरर्हित घोषित किया है। आयोग के आदेश के अनुसार अब ये चारों व्यक्ति संसद के किसी भी सदन अथवा राज्य या संघ राज्य क्षेत्र की विधानसभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने या होने के लिए पात्र नहीं होंगे। आयोग की ओर से जारी आदेश में 15-चकराता (अजजा) विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लडने् वाले रामानन्द सिंह को तीन वर्ष के लिए निरर्हित किया गया है। उनका पता ग्राम ऐठान, पोस्ट डागुठा, तहसील त्यूनी, देहरादून है। इसी क्रम में 18-धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी बलबीर कुमार तलवार को भी तीन वर्ष के लिए चुनाव लडने् से अयोग्य घोषित किया गया है। उनका पता प्रीत विहार, माजरा, निरंजनपुर, देहरादून है। 20-राजपुर रोड (अजा) विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लडने् वाले कमलेश माथुर, निवासी लाडपुर, रायपुर रोड, देहरादून को भी आयोग ने तीन वर्ष के लिए निरर्हित किया है। वहीं 24-ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी जगजीत सिंह, निवासी चंद्रेश्वर मार्ग, मायाकुंड, ऋषिकेश को भी इसी अवधि के लिए अयोग्य घोषित किया गया है। आयोग ने इन सभी मामलों में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 10क का अनुपालन करते हुए आदेश जारी किया है। निरर्हता आदेश की तारीख से तीन वर्ष तक प्रभावी रहेगी।

खड़गे ने परिसीमन को लेकर पीएम को चिट्ठी लिखी, चर्चा के पर्याप्त समय मांगा, कहा लोकसभा सदस्यों की संख्या अगले 25 साल तक 543 ही रखें

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। खड़गे ने मोदी से आग्रह किया कि वे परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों को सभी राजनीतिक दलों के साथ शेयर करें। उन्होंने सभी दलों और राज्य सरकारों को इन प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय देने को कहा। चिट्ठी में खड़गे ने पीएम से कहा कि लोकसभा में राज्यवार मौजूदा संख्या बल को अगले 25 साल तक 543 बनाए बनाए रखने की मांग की है। 2029 के लोकसभा चुनावों से महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण लागू करें। खड़गे ने कहा कि उन्होंने इससे पहले 16 जुलाई को पीएम को पत्र लिखकर परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री के संकेत दिए जाने के अनुसार आगे बढने् से पहले मैं कहना चाहता हूं कि कृपया फिर से जबरदस्ती करने की कोशिश न करें जैसा कि आपने 16 और 17 अप्रैल, 2026 को करने का प्रयास किया था। आपसे आपके मन में जो भी परिसीमन प्रस्ताव हैं, उन पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाएं; सभी राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को ऐसे प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय दें। उन्होंने कहा कि शायद यही कारण है कि मानसून सत्र के सत्रावसान में लगातार देरी हो रही है।

17 अप्रैल को प्रस्ताव लोकसभा में गिर गया था

17 अप्रैल को बजट सत्र के दौरान लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने के लिए परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिर गया। मतदान करने वाले 528 सांसदों में से 298 ने समर्थन में मतदान किया, जबकि 230 ने विरोध किया। विधेयक को दो-तिहाई बहुमत के लिए 352 मतों की जरूरत थी।

बिना पर्याप्त चर्चा के ही विधेयक पारित, संसद मज़ाक बनी

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने मोदी सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस के आला नेता और सांसद पी. चिदंबरम ने संसद के मॉनसून सत्र के कामकाज पर तीखी आलोचना की। चिदंबरम ने आरोप लगाया कि सत्र में कोई सार्थक कामकाज नहीं हुआ और केंद्र सरकार ने बिना पर्याप्त चर्चा के ही विधेयक पारित कर दिए, जिससे संसद मज़ाक का पात्र बनकर रह गई है। उन्होंने तमिलनाडु विधानसभा का उदाहरण देकर कहा कि राज्य विधानसभाओं में बहस संसद की तुलना में ज़्यादा असरदार होती है, जिससे उन्हें कभी-कभी लगता है कि उन्हें सांसद के बजाय विधायक होना चाहिए था। चिदंबरम ने सवाल उठाया कि पिछले 12 सालों में अहम राष्ट्रीय मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव क्यों नहीं लाए गए। उन्होंने मॉनसून सत्र के दौरान दिल्ली में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर भी चर्चा न होने का आरोप लगाया, जिसमें पुलिस कार्रवाई के बाद एक छात्र ने अपनी एक आँख की रोशनी खो दी थी। चिदंबरम ने बिना उचित चर्चा के 12 बिलों को पारित किए जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट (एफसीआरए) बिल में प्रस्तावित संशोधनों पर गंभीर चिंता जाहिर की है। उनका आरोप है कि ये संशोधन सामाजिक कार्यों के लिए विदेशी चंदा लेने वाले संगठनों पर बुरा असर डालने और इसका मकसद ईसाई व मुस्लिम संगठनों को निशाना बनाना है। उन्होंने कहा कि यह कानून हजारों ईसाई बिशपों, पादरियों और अन्य लोगों द्वारा भारतीय समाज के लिए की गई बड़ी सेवाओं को खत्म करने तथा इन संगठनों के फंड और संपत्ति को ज़ब्त करने के लिए लाया जा रहा है। चिदंबरम ने इस सबसे बुरे कानूनों में से एक बताया।

भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन आज

पर्व को लेकर बाजार रहा गुलजार, सुबह से लेकर देर रात तक खरीदी करते रहे लोग, बसों में ठूस ठूस कर भरी गई सवारियां,जगह जगह ट्रैफिक जाम

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को धार्मिक मान्यता के अनुसार मनाया जाएगा। इस पर्व को लेकर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में खासा उत्साह देखा जा रहा हैं।भाई-बहन के रिश्ते के इस पवित्र पर्व को देखते हुए बुधवार की तरह गुरुवार को भी बाजार गुलजार नजर आया।वहीं इस पर्व पर अपनों से मिलने के लिए स्थानीय बस स्टैंड और रेल्वे स्टेशनो मे यात्रियों की भारी भीड़ दिखाई दी. इसके अलावा पर्व विशेष पर लगने वाली सामग्री,बनने वाले पकवान, गिफ्ट आइटम सहित अन्य वस्तुओं की खरीदारी सुबह से लेकर देर रात तक चलती रही।

शुक्रवार की सुबह का हर किसी को बेसब्री से इंतेजार

आपको बताए की राखी का त्योहार एक ऐसा पर्व है जिसका हर भाई-बहन को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार होता है। रक्षाबंधन में बहने अपने भाइयों को राखी बांध कर अपने रिश्तों को और भी ज्यादा मजबूत और गहरा करती हैं वही भाई भी बहन की आजीवन रक्षा करने का वचन देता है। वर्षो से चली आ रही इस परंपरा को निभाने के लिए शुक्रवार के दिन बहने भाइयों की कलाई पर राखी या रक्षा सूत्र बांधकर उनसे आशीर्वाद लेंगी।

जगह जगह लगा रहा जाम, रेंगते नजर आए वाहन

उधर रक्षाबंधन की खरीदी को लेकर नगर में अचानक लोगों की भीड़ बढ़ जाने से शहर भर में जगह-जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई।जहां कई घंटों तक वाहन, सड़कों पर जाम मे फसे रहे।जिसको लेकर यातायात पुलिस ने तीन पहिया और चार पहिया वाहनों के मुख्य बाजार मे प्रवेश पर रोक लगाई हैं। रक्षाबंधन पर्व को लेकर गुरुवार को नगर के विभिन्न बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ नजर आई।जहां ना केवल नगरी क्षेत्र बल्कि ग्रामीण अंचलों से आए लोगों ने भी रक्षाबंधन पर्व की जमकर खरीदारी की। नगर में अचानक लोगों की भीड़ बढ़ जाने से शहर भर में जगह-जगह चक्का जाम की स्थिति देखी गई। कई घंटों तक वाहन, सड़कों पर जाम मे फसे रहे तों कई वाहन घंटो सड़को पर रेंगते हुए नजर आए.जिससे यातायात व्यवस्था को संभालने और उसे पूर्व की तरह सुचारू बनाने के लिए यातायात पुलिसकर्मियों को भारी मशक्कत का सामना करना पड़ा।बावजूद इसके भी यातायात व्यवस्था बिगड़ी हुई दिखाई दी।जिसके चलते पुलिस द्वारा नगर की मेन रोड़, गुजरी बाजार सहित अन्य भीड़ भाड़ वाले इलाकों में तीन पहिया और चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर पूर्णता प्रतिबंधित करना पड़ा।

मंहगाई का भी नही दिखा असर

वर्ष में एक बार आने वाले इस त्योहार में भले ही मंहगाई बढ़ गई हो लेकिन खाद्य सामग्रियों से लेकर अन्य वस्तुओं में बढ़ी इस मंहगाई का भी खरीदारी में कोई असर नही पड़ा।लोग पूरे उत्साह व उमंग के साथ देर रात तक बाजार में खरीदारी करते नजर आए।आपको बताए कि इस वर्ष रक्षाबंधन के त्यौहार पर महंगाई की मार भी स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है राखियों के दामों में इस बार 15 से 20 फ़ीसदी इज़ाफा हुआ है,वही गिफ्ट आयटम,खाद्य सामग्री, सहित अन्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे है। बावजूद इसके भी लोगो मे खरीदारी को लेकर उत्साह बना हुआ है। रक्षाबंधन त्योहार को लेकर 1 सप्ताह पूर्व ही बाजारों में रौनक देखी जा रही हैं.वही गुरुवार को स्थानीय लोगो के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग बड़ी संख्या में राखिया खरीदने पहुंचे, जिसके चलते जगह जगह भारी भीड़ नजर आई, तों वही रात तक खरीदारी के चलतें जगह जगह ट्रैफिक जाम होता रहा।

बाजार हुआ गुलजार

पर्व की तैयारियों को लेकर बाजारों में रौनक छा गई है। गांव से लेकर शहर के हर चौराहे पर सजी राखी की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है।ग्राहकों को लुभाने के लिए दुकानदार भी फैंसी राखियां बाजार में सजाए हुए हैं।शुक्रवार को रक्षाबंधन के लिए बहनों ने राखी, मिठाई व अन्य चीजों की जमकर खरीदारी की।वही शहर के प्रमुख बाजार गुजरी में खासी भीड़ रही।जहाँ सुबह से लेकर देर रात तक बाजार गुलजार रहे। बहनों ने जहां भाइयों के लिए राखियां खरीदीं, वहीं भाई भी बहनों के लिए गिफ्ट खरीदते देखे गए।महिलाएं, युवतियां व किशोरियां राखियों की खरीदारी में जुटी रहीं। राखियां खरीदने के लिए दुकानों पर महिलाओं की भीड़ दिखी, तो कपड़ों की दुकानों पर भी ग्राहकों का तांता लगा रहा। श्रृंगार सामग्री खरीदने के दौरान भी महिलाएं खासी उत्साहित दिखी ग्राहकों की भीड़ से बाजार गुलजार रहा।वहीं दूर दराज जाने वाली बहने भाईयों के घरों के लिए कूच करती नजर आई।

गिफ्ट आइटम की दिखी भारी डिमांड

रक्षा बंधन पर्व को लेकर गिफ्ट आयटम की भारी डिमांड देखी गई जहा पुरुषों और युवाओं ने भी बहनों को तोहफा देने के लिए बाजार से गिफ्ट आदि खरीदे। रेडीमेड गारमेंट्स मोबाइल की दुकानों,और ज्वेलर्स दुकानों पर सबसे ज्यादा भीड़ रही। शहर की तंग गलियों में भी राखी की दुकानें सजी थीं। यहां भी भीड़ रही।

रेलवे स्टेशन में भारी भीड़, तो बसो मे ठूस ठूस कर भरी गई सवारिया

रक्षाबंधन के इस खास मौके पर जहां एक ओर अपनों से मिलने और इस खास त्यौहार में शामिल होने के लिए रेलवे स्टेशनों में यात्रियों की भारी भीड़ नजर आई, तो वहीं दूसरी ओर जिन जगहों पर ट्रेन की सुविधा नहीं है ऐसे स्थानों में पहुंचने के लिए बस स्टैंड में भी सुबह से लेकर देर रात तक यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई।जहां दूरदराज रहने वाले भाई, अपनी बहन से मिलने के लिए बेताब दिखे,तो वही बहन भी अपने भाई के घर जाने के लिए उत्साहित नजर आई। पर्व विशेष को देखते हुए सूना नजर आने वाला नगर का बस स्टैंड गुलजार नजर आया।जहां सुबह से देर रात तक यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई.जहां यात्रियों की संख्या अधिक होने और रूट पर चलने वाली बसों की संख्या कम होने के चलते 45 सीटर बस में भी 60 से 70 सवारियां दिखाई दी, तो वहीं ज्यादातर यात्रियों ने सीट ना मिलने पर खड़े खड़े ही यात्रा की। वहीं बस चालक परिचालक भी मौके का फायदा उठाकर बसों में ठूंस ठूंस कर सवारी भरते नजर आए।

पहले चुराई रेंजर साईकिल,फिर उसी साईकिल से करता था चोरी

चोरी की साइकिल से मंदिरों में चोरी करने वाला आदतन अपराधी गिरफ्तार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। पहले साइकिल चुराई और चोरी की उसी साइकिल से मंदिरों में चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया।एक ही रात 2 अलग अलग मंदिरों में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी

को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी का नाम नगर के वार्ड नंबर 10 रजा नगर निवासी राहुल सहारे बताया गया है।उधर आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने करीब 6 हजार रुपये नकद, चांदी की चेन, चांदी का सिक्का एवं चांदी का मुकुट सहित करीब 40 हजार रुपये का मशरूका वही घटना में प्रयुक्त करीब 15 हजार रुपये कीमत की रेंजर साइकिल जब्त की है। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पूर्व से चोरी, मारपीट सहित करीब 10 आपराधिक मामले दर्ज होना बताए गए हैं। पुलिस ने भरवेली थाना क्षेत्र के एक ही रात में हुई 2 मंदिर में चोरी का खुलासा महज 24 घंटे के भीतर करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पहले की हनुमान मंदिर में चोरी

पहला मामला पुरानी बस्ती भरवेली स्थित पुराने हनुमान मंदिर का है।बताया गया कि 25 अगस्त को मंदिर में शाम को भजन-कीर्तन, आरती एवं पूजा-पाठ करने के बाद सभी लोग मंदिर में ताला लगाकर घर चले गए थे। 26 अगस्त की सुबह मंदिर पहुंचने पर उन्हें सामान बिखरा मिला और गर्भगृह का दरवाजा टूटा हुआ था।जहा अज्ञात चोर ने मंदिर की तीनों दानपेटियों से करीब 10 हजार रुपये की दान-दक्षिणा और हनुमानजी की प्रतिमा पर लगा करीब 20 हजार रुपये कीमत का चांदी का मुकुट चोरी कर ले गया था।

हनुमान मंदिर के बाद,बघोली के साईं मंदिर को बनाया निशाना

दूसरी घटना ग्राम बघोली के भवानी नगर स्थित साईं मंदिर की है। यहां फरियादी विवेक पांडे ने भरवेली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25 अगस्त की रात वे मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद ताला लगाकर घर चले गए थे। 26 अगस्त की सुबह मंदिर पहुंचने पर मंदिर की खिड़की में लगी जाली टूटी मिली और दानपेटी का ताला भी टूटा हुआ था। अज्ञात चोर मंदिर से करीब 1500 रुपये नकद, एक छोटी चांदी की चेन एवं एक चांदी का सिक्का, कुल करीब 6500 रुपये का सामान चोरी कर ले गया था।

मुखबिर की सूचना पर पकड़ा आरोपी

पुलिस ने दोनों मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विशेष टीम ने घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने राहुल सहारे को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने दोनों मंदिरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।पुलिस के अनुसार आरोपी की निशानदेही पर चोरी गया करीब 6 हजार रुपये नकद, चांदी की चेन, चांदी का सिक्का और चांदी का मुकुट सहित करीब 40 हजार रुपये का मशरूका बरामद किया गया है। साथ ही चोरी की वारदात में प्रयुक्त करीब 15 हजार रुपये कीमत की रेंजर साइकिल भी जब्त की गई है।

आदतन अपराधी है राहुल सहारे,पहले से दर्ज है 10 मामले

आरोपी राहुल सहारे, निवासी वार्ड क्रमांक-10, राजा नगर, बालाघाट के विरुद्ध पूर्व से चोरी और मारपीट सहित करीब 10 अपराध दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।पुलिस ने दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(डी), 331(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। बताया गया कि न्यायालय में पेश कर आरोपी की पुलिस रिमांड ली जाएगी।पुलिस को उम्मीद है कि नगर सहित आस पास थाना क्षेत्रो में हुई अन्य चोरी के मामले के खुलासे हो सकते है।

गर्रा से चुराई थी सायकल, फिर उसी सायकिल से चोरी की घटना को दिया था अंजाम- टीआई

गुरुवार शाम कोतवाली थाना में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान मामले का खुलासा करते हुए भरवेली थाना प्रभारी श्री पन्द्रों ने बताया की बालाघाट जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं चोरी की घटनाओं के त्वरित निराकरण के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना भरवेली पुलिस द्वारा विशेष टीम गठित की गई थी। इसी दौरान थाना क्षेत्र में मंदिरों में हुई दो चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। उन्होंने बताया कि मंदिरों में चोरी करने वाला आरोपी आदतन अपराधी है जिसके ऊपर पहले से 10 प्रकरण दर्ज है उन्होंने बताया कि आरोपी ने पहले गर्रा से एक रेंजर साइकिल चुराई थी और इस चोरी की साइकिल से वह भरवेली थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात तो अंजाम देने गया था और एक ही रात में दो मंदिरों को निशाना बनाते हुए भरवेली के हनुमान मंदिर व बघोली के साईं मंदिर में चोरी की थी।जहा से आरोपी,चांदी मुकुट, चांदी की चैन, चांदी का सिक्का व दोनों मंदिरों की दान पेटी में रखी रकम चुरा कर भाग गया था।

रक्षाबंधन पर स्कूल में सजी रचनात्मकता की रंगोली, विद्यार्थियों ने दिखाई कलात्मक प्रतिभा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले मिडिल स्कूल, सरेखा में मेहंदी एवं राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा दूसरी से आठवीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी एवं आकर्षक राखियां तैयार कीं, वहीं छात्राओं ने हाथों पर सुंदर मेहंदी की कलाकृतियां बनाकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता को दो समूहों में आयोजित किया गया। ग्रुप ए में कक्षा दूसरी से पांचवीं तक तथा ग्रुप बी में कक्षा छठवीं से आठवीं तक के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया था।

प्रतियोगिता में इन विद्यार्थियों ने मारी बाजी

राखी मेकिंग प्रतियोगिता के ग्रुप ए में प्रशांत पांचे ने प्रथम, अनन्या लिल्हारे ने द्वितीय तथा राम हरदे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं ग्रुप बी में जान्हवी कावरे प्रथम, खिलेश यादव द्वितीय और अमन हरदे तृतीय स्थान पर रहे।मेहंदी प्रतियोगिता के ग्रुप ए में याचना कावरे ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि टीना यादव द्वितीय एवं ध्रुवी ठाकरे तृतीय स्थान पर रहीं।

शिक्षिकाओं के सहयोग से सफल हुआ आयोजन

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं ने सहयोग करते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उनके अथक परिश्रम और सुव्यवस्थित संचालन से प्रतियोगिता को रचनात्मक स्वरूप मिला।प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका पूर्व वरिष्ठ शिक्षिका मनीषा लिल्हारे, कोमल चौहान, आंचल बोपचे एवं शीतल ठाकरे ने निभाई। वहीं प्रतियोगिता का सफल संचालन वरिष्ठ शिक्षिका वैशाली ग्वालवंशी एवं आसी दमाहे द्वारा किया गया।

संस्कृति से जोड़ने के साथ प्रतिभा को मंच देने का उद्देश्य

संस्था के प्रधानपाठक राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं पारंपरिक त्योहारों के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना को बढ़ावा देना है। साथ ही बच्चों की रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना भी आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है।संस्था के संचालक सनतराम पांचे ने प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों के उत्साह और उमंग की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

महंगाई पर कांग्रेस का हल्लाबोल, नारेबाजी के बीच फूंका सरकार का पुतला

शक्कर बांटकर सरकार से मांगा जवाब,काली पुतली से बस स्टैंड तक किया जनसंवाद

कहा-बढ़ती कीमतों से परेशान आम आदमी की थाली आखिर कब होगी सस्ती ?

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बढ़ती महंगाई और शक्कर की कीमतों में इजाफे को लेकर गुरुवार को जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने सड़क पर उतरकर सरकार के खिलाफ हल्लाबोल किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में शक्कर लेकर काली पुतली चौक से बस स्टैंड तक आम नागरिकों से सीधा संवाद किया, उन्हें शक्कर वितरित की और बढ़ती कीमतों को लेकर उनकी प्रतिक्रियाएं जानीं। इसके बाद सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया।कांग्रेस ने प्रदर्शन के माध्यम से सरकार पर आम जनता को महंगाई से राहत नहीं देने का आरोप लगाते हुए सवाल उठाया कि रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के लगातार बढ़ते दामों के बीच आम आदमी की थाली आखिर कब सस्ती होगी। नेताओं ने कहा कि महंगाई का सबसे अधिक बोझ गरीब, मजदूर और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है।

हाथों में शक्कर लेकर बाजार पहुंचे कांग्रेसी

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन इस बार कुछ अलग अंदाज में नजर आया। कार्यकर्ता हाथों में शक्कर लेकर बाजार और सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचे तथा लोगों से सीधे बातचीत की। आम नागरिकों से पूछा गया कि बढ़ती महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों का उनके घरेलू बजट पर कितना असर पड़ रहा है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शक्कर हर घर की जरूरत की वस्तु है और इसकी बढ़ती कीमत आम परिवारों की रसोई पर सीधा असर डाल रही है। शक्कर वितरण के माध्यम से लोगों की प्रतिक्रिया जानकर कांग्रेस ने इसे जनसंवाद और महंगाई के खिलाफ विरोध का माध्यम बनाया।

नारेबाजी कर फूंका पुतला, काली पुतली से बस स्टैंड तक गूंजे विरोध के स्वर

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता काली पुतली चौक से बस स्टैंड क्षेत्र तक पहुंचे। रास्ते में आम नागरिकों से बातचीत की गई और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के समापन पर पुतला दहन कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई को लेकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।कार्यकर्ताओं का कहना था कि रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी वस्तुओं के दाम बढ़ने से आम आदमी का घरेलू बजट बिगड़ गया है। कांग्रेस ने सरकार से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण कर जनता को तत्काल राहत देने की मांग की।

महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी-संजय उइके

जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उइके ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और इसका सबसे ज्यादा असर गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। रसोई से जुड़ी रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ने से परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ रहा है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल मंच से भाषण देने तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के बीच पहुंचकर उनकी वास्तविक समस्याओं को जानने और उनकी आवाज को शासन तक पहुंचाने का काम कर रही है। शक्कर वितरण भी इसी जनसंवाद का हिस्सा है। उन्होंने सरकार से तत्काल महंगाई पर नियंत्रण कर आम जनता को राहत देने की मांग की।

जनता परेशान, सरकार दे जवाब-श्याम पंजवानी

शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि यह केवल प्रतीकात्मक प्रदर्शन नहीं, बल्कि महंगाई से परेशान आम जनता के साथ सीधा संवाद है। कांग्रेस कार्यकर्ता शक्कर बांटकर लोगों से यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि बढ़ती कीमतों का उनकी रसोई और घरेलू बजट पर कितना असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनता लगातार बढ़ती महंगाई से परेशान है और कांग्रेस उसकी आवाज बनकर सड़क से लेकर शासन तक संघर्ष जारी रखेगी। शक्कर सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर तत्काल नियंत्रण किया जाना चाहिए, ताकि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत मिल सके। बड़ी संख्या में कांग्रेसजन रहे मौजूद प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उइके, अनूप सिंह बैस, श्याम पंजवानी, शफकत खान, अनिल बनोटे, अल्लाह रखा, दयाल वासनिक, जीतू बर्वे, शिवम शर्मा, राम सिंह भाटिया, शमीम सिद्दीकी, श्रीनिवास राव, कारो लीलहारे, श्रीकृष्णा डींगरू, अनिल सोनी, राजू यादव, मकसूद खान, डॉ. मुकेश वर्कड़े, केवल सिंह झरिया, अफरोज कुरैशी, संतोष भाई, सर आशीष शुक्ला, शानू राय, जुबैद अंसारी, विनोद बांधकर, दुर्गा बरकड़े, पंकज बौद्ध और प्रकाश पप्पू मदनकर सहित जिला एवं शहर कांग्रेस के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मदर टेरेसा की जन्म जयंती पर किया गया रक्तदान

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मदर टेरेसा सेवा समिति द्वारा मदर टेरेसा की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 27 अगस्त को जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मदर टेरेसा के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं सहित करीब 15 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद का संकल्प लिया।शिविर के दौरान समिति के कार्यकर्ताओं ने रक्तदान को लेकर लोगों को जागरूक किया और भविष्य में भी इसी तरह रक्तदान एवं जनसेवा के कार्यों को जारी रखने का संकल्प दोहराया।

मानव सेवा की प्रेरणा हैं मदर टेरेसा

पदाधिकारियो द्वारा बताया गया कि मदर टेरेसा का जन्म 26 अगस्त 1910 को हुआ था। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीब, असहाय, बीमार और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। भारत में विशेष रूप से कोलकाता में उन्होंने मानव सेवा का व्यापक कार्य किया। उनके सेवा कार्यों के लिए वर्ष 1979 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी करुणा, सेवा और मानवता का संदेश आज भी लोगों को समाजसेवा के लिए प्रेरित करता है।

मदर टेरिसा से प्रेरित होकर 22 साल पहले की थी रक्तदान की शुरुवात-राजेश मरार

समिति के अध्यक्ष राजेश मरार ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा समय-समय पर गरीब, असहाय और पीडित लोगों की सेवा के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं।उन्होंने बताया कि मदर टेरेसा के सेवा और मानवता के कार्यों से प्रेरित होकर समिति द्वारा करीब 22 वर्ष पहले रक्तदान कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। यह सेवा कार्य लगातार जारी है और आने वाले समय में भी रक्तदान सहित जनसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

25 बच्चो की मौत पर चुप क्यो है सरकार, उनके मंत्री कर रहे औपचारिक दौरा

आदिवासी बच्चो की मौत पर सरकार की उदासीनता पर भड़के कांग्रेस अध्यक्ष

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा आदिवासी क्षेत्र में बच्चों की मौत को लेकर सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे है। लांजी में 25 मासूमों की मौत के विरोध में कैंडल मार्च निकालकर राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच किए जाने और 50 लाख रूपए मुआवजा देने की मांग की गई। दूसरी ओर 29 अगस्त को बालाघाट आ रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दौरा कार्यक्रम में बीमारी से बच्चो की मौत और प्रभावित ग्रामो में दौरा कार्यक्रम नहीं होने पर कांग्रेस ने खेद जताया है। कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक संजय उईके ने सवाल पूछा है कि प्रभावित ग्रामो में 25 बैगा और गोंड जाति के बच्चो की मौत के बाद भी सरकार मौन क्यों है? मुख्यमंत्री संज्ञान क्यों नहीं ले रहे है। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में दो मंत्री तो पहुंचे लेकिन उनका दौरा केवल औपचारिक रहा। मुख्यमंत्री, बालाघाट जनविश्वास के सरकारी कार्यक्रम में आ रहे है लेकिन उनके दौरे में बच्चो की मौत और बीमारी से प्रभावित ग्रामो को लेकर कोई कार्यक्रम नहं होने से उनकी संवेदनशीलता का पता चलता है, जबकि यह मामला अति संवेदनशील और संरक्षित आदिवासी समाज से जुड़ा है। आखिर मुख्यमंत्री क्यों जाना नहीं चाहते है और अब तक उन्होंने इसको लेकर संवेदना तक क्यों व्यक्त नहीं की, यह कांग्रेस जानना चाहती है। कांग्रेस निवेदन करती है कि मुख्यमंत्री प्रभावित ग्राम जाएं, वहां के हालत समझे और जवाबदारो पर कार्रवाई करें। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि 183 बैगा भूमिहिन परिवारों को पट्टा देने की अपील को मान्यता दे, मलेरिया और कुपोषण को दूर करने में सरकार और प्रशासन सार्थक भूमिका निभाए। पोषण आहार अनुदान की राशि 15 से बढ़ाकर 3 हजार रूपए किया जाए, प्रभावित क्षेत्र की दूरियों को देखते हुए दुल्हापुर, बोंदारी, अडोरी, नेवरगांव, चिखली और केंडाटोला में उपस्वास्थ्य केन्द्र तथा सोनगुड्डा पीएससी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन किया जाए, ताकि आदिवासी परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। सरकार मृतक बच्चो के परिवार को 50 लाख रूपए की सहायता प्रदान करें और टेक होम राशन के बंद होने पर उन्होंने भारतीय खाद्य सुरक्षा प्रावधानों के तहत भत्ता प्रदान किया जाए। अन्यथा कांग्रेस भविष्य में इसको लेकर एक बढ़ा आंदोलन करेगी।

प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाए छात्रसंघ चुनाव, एबीवीपी ने की मांग

रैली निकालकर उच्च शिक्षा मंत्री के नाम प्रशासन को सौंपा ज्ञापन, संयोजक बोले–विकसित भारत की बात हो रही, लेकिन मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे विद्यार्थी

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद प्रदेश सरकार द्वारा महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराए जाने की बात सामने आने के बाद छात्र राजनीति एक बार फिर सक्रिय हो गई है।हालांकि छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होंगे या अप्रत्यक्ष प्रणाली से, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसी बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाने की मांग को लेकर गुरुवार को जोरदार प्रदर्शन किया।एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल के नेतृत्व में रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर उच्च शिक्षा मंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।एबीवीपी ने छात्रसंघ चुनाव के साथ-साथ जिले के महाविद्यालयों में व्याप्त मूलभूत समस्याओं के निराकरण और वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की भी मांग उठाई। परिषद ने कहा कि वर्षों बाद छात्रसंघ चुनाव की संभावनाओं से विद्यार्थी उत्साहित हैं, लेकिन चुनाव की प्रणाली को लेकर सरकार को शीघ्र स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।एबीवीपी का मानना है कि छात्रसंघ चुनाव केवल प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और भावी नेतृत्व तैयार करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

वर्षों बाद छात्रसंघ चुनाव को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह

पदाधिकारियो ने बताया कि लंबे समय के बाद महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराए जाने की चर्चा और प्रक्रिया शुरू होने से विद्यार्थियों में उत्साह है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी की स्पष्ट मांग है कि छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाएं, ताकि विद्यार्थी अपने प्रतिनिधियों का सीधे चयन कर सकें।उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली से विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक अधिकार मजबूत होंगे और युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। छात्र प्रतिनिधि सीधे विद्यार्थियों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझेंगे और उनके समाधान के लिए जवाबदेह भी होंगे।

विकसित भारत की बात, लेकिन मूलभूत सुविधाओं का अभाव

ज्ञापन के दौरान एबीवीपी ने महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को हो रही परेशानियों को भी प्रमुखता से उठाया।पदाधिकारियो ने बताया कि आज देश विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने की बात कर रहा है, लेकिन आजादी के 80 वर्ष बाद भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त और बेहतर बैठक व्यवस्था तक उपलब्ध नहीं है। आधुनिक एवं अपग्रेडेड शैक्षणिक वातावरण का अभाव है, पुस्तकालयों को समय के अनुसार अपडेट नहीं किया जा रहा है और छात्राओं के लिए पर्याप्त एवं बेहतर शौचालय सुविधाएं भी नहीं हैं।उन्होंने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कई महाविद्यालयों में आवश्यक रैंप जैसी सुविधाओं का अभाव है। इसके अलावा कई विषयों की नियमित कक्षाएं संचालित नहीं होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इन समस्याओं का सीधा असर विद्यार्थियों के भविष्य और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

इन मांगो को लेकर सौपा ज्ञापन

एबीवीपी ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि महाविद्यालयों में व्याप्त सभी मूलभूत समस्याओं का सर्वे कराकर उनका शीघ्र निराकरण किया जाए। विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था, आधुनिक पुस्तकालय, स्वच्छ एवं सुविधायुक्त शौचालय, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए रैंप और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।परिषद ने यह भी मांग की कि जिन विषयों की नियमित कक्षाएं संचालित नहीं हो रही हैं, वहां आवश्यक शिक्षकों की व्यवस्था कर अध्ययन-अध्यापन को सुचारू बनाया जाए। एबीवीपी का कहना है कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए केवल नई योजनाओं की घोषणा पर्याप्त नहीं है, बल्कि धरातल पर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना भी जरूरी है।

वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की मांग

ज्ञापन में जिले के वनांचल एवं दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति का मुद्दा भी उठाया गया।पदाधिकारियो ने बताया कि आज भी वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का पर्याप्त विकास नहीं हो पाया है। इसके कारण वहां निवासरत लोगों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और वे विकास की मुख्यधारा से पीछे नजर आते हैं। एबीवीपी ने मांग की कि वनांचल क्षेत्रों में स्कूलों, महाविद्यालयों और स्वास्थ्य संस्थानों की सुविधाओं का विस्तार किया जाए। आवश्यक शिक्षकों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

समस्याओं पर नही दिया ध्यान तो होंगा आंदोलन–आदित्य

एबीवीपी जिला अध्यक्ष आदित्य अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा प्रदेशभर के मुख्यालयों में छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपे गए। इसके साथ ही विभिन्न महाविद्यालयों में व्याप्त समस्याओं के समाधान तथा वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की मांग भी सरकार के समक्ष रखी गई।उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष करती रही है और यदि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो संगठन आगामी समय में आंदोलन की रणनीति भी तैयार करेगा।

नगर में कचरा संग्रहण का काम ठेके पर देने की तैयारी

परिषद बैठक में विपक्ष से ज्यादा सत्तापक्ष के पार्षदों ने अध्यक्ष को घेरा, वार्डों में काम और पार्षदों की उपेक्षा पर उठे तीखे सवाल, अध्यक्ष बोलीं–सभी 14 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

पदमेश न्यूज। बालाघाट। नगरपालिका परिषद की गुरूवार को आयोजित बैठक उस समय खासा चर्चाओं में रही, जब विपक्षी कांग्रेस से अधिक सत्तापक्ष के पार्षद ही अपनी परिषद और अध्यक्ष को विभिन्न मुद्दों पर घेरते नजर आए। वार्डों में विकास कार्य नहीं होने, पार्षदों की अवहेलना, बैठकों में सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं मिलने और अधिकारियों-कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर पार्षदों ने तीखे सवाल उठाए।बैठक का प्रमुख मुद्दा नगर में घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को ठेकेदारी के माध्यम से संचालित करने का रहा। इस प्रस्ताव को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के पार्षदों ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराते हुए हंगामा किया। चर्चा के बाद सहमति बनी कि पहले दो माह तक संबंधित एजेंसी के कार्य का परीक्षण किया जाएगा, जिसके बाद आगे की व्यवस्था पर निर्णय लिया जाएगा।

सत्तापक्ष के पार्षदों ने ही उठाए सवाल

परिषद की बैठक में सत्ताधारी दल के पार्षद सुधीर चिले, श्वेता जैन और राज हरिनखेड़े ने वार्डों की समस्याओं और परिषद में रखे जाने वाले प्रस्तावों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। पार्षदों ने वार्ड स्तर पर जनप्रतिनिधियों की अनदेखी और विकास कार्यों में अपेक्षित गति नहीं होने पर नाराजगी जताई। विपक्षी पार्षदों की अपेक्षा सत्तापक्ष के पार्षदों के आक्रामक तेवर बैठक में विशेष रूप से चर्चा का विषय रहे।

विशाल मंगलानी ने उठाई गुजरी व्यापारियों के पट्टे की मांग

मनोनित पार्षद विशाल मंगलानी ने झूलेलाल मार्केट, गुजरी चौक में लंबे समय से व्यापार कर रहे व्यापारियों को पट्टे देने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि व्यापारी लंबे समय से इस मांग को लेकर प्रयासरत हैं, लेकिन मामला अब तक लंबित है। उन्होंने परिषद से व्यापारियों के हित में जल्द निर्णय लेकर पट्टे प्रदान करने की मांग की।

टूटे पुलिया और बिजली व्यवस्था पर भी उठे सवाल

कांग्रेस पार्षद आशुतोष डहरवाल ने वार्ड की जर्जर पुलिया का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विधायक और नगरपालिका अध्यक्ष के निर्देश के बावजूद इंजीनियर एवं सुपरवाईजर द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि काफी समय से पुलिया की मरम्मत की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।उन्होंने वार्ड में बिजली सुपरवाईजर की कमी का मुद्दा भी उठाया। पार्षद ने कहा कि रात के समय उन्हें स्वयं वार्ड में घूमकर यह देखना पड़ता है कि किस खंभे की बिजली बंद है। उन्होंने व्यवस्था में सुधार की मांग की।

दुकानों की एकल निविदा पर जताई नाराजगी

नगरपालिका स्कूल के सामने बनाई जा रही 10 दुकानों में से कुछ दुकानों के लिए एकल निविदा आने पर भी पार्षदों ने नाराजगी व्यक्त की। पार्षदों ने अधिक प्रतिस्पर्धा और बेहतर प्रक्रिया के लिए पुन: निविदा आमंत्रित करने की मांग रखी।

जो दुकानदार नही दे रहा किराया,उससे खाली कराए दुकान

बैठक में चौपाटी और हनुमान मंदिर के पीछे नगरपालिका की कुछ दुकानों का बकाया किराया एवं राशि जमा नहीं होने का मामला भी सामने आया। परिषद ने ऐसे दुकानदारों को 10 दिन के भीतर राशि जमा करने का अवसर देने का निर्णय लिया। तय समयावधि में राशि जमा नहीं होने पर संबंधित दुकानों का आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई किए जाने की बात कही।

सभी प्रस्ताव सर्व सहमति से पारित- भारती ठाकुर

बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर ने बताया कि परिषद की बैठक में रखे गए सभी 14 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिए गए हैं। इनमें प्रमुख रूप से घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को ठेकेदारी में देने तथा नगरपालिका स्कूल के सामने बन रही दुकानों से संबंधित निविदाओं को स्वीकृति देने के प्रस्ताव शामिल हैं।उन्होंने कहा कि बैठक में पार्षदों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और सभी प्रस्तावों पर परिषद की सहमति से निर्णय लिया गया। नगर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने और अन्य लंबित कार्यों को गति देने के लिए परिषद द्वारा आवश्यक निर्णय लिए गए हैं। नगर पालिका नगर के विकास के लिए बेहतर काम करते रहेगी उन्होंने लोगों से भी नगर विकास के कार्यों में सहयोग करने की अपील की है।

तीन साल से फरार स्थायी वारंटी उकवा मार्केट से गिरफ्तार

चोरी के मामले में अदालत में पेश नहीं हो रहा था आरोपी, रुपझर पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना रुपझर पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने स्थाई वारंटी धानेश उर्फ कालू पिता रंगलाल उइके 37 वर्ष ग्राम उकवा थाना रूपझर निवासी को उकवा बाजार से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। आरोपी पिछले करीब तीन वर्षों से फरार चल रहा था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। रूपझर पुलिस के मुताबिक आरोपी धानेश उइके के विरुद्ध वर्ष 2023 में चोरी के मामले में धारा 379 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया था। प्रकरण में गिरफ्तारी के बाद आरोपी जमानत पर बाहर था और मामला न्यायालय में विचाराधीन था। इसके बाद वह न्यायालय में निर्धारित पेशियों पर उपस्थित नहीं हुआ और लगातार फरार रहने लगा। लगातार न्यायालय में अनुपस्थित रहने के कारण उसके विरुद्ध न्यायालय द्वारा स्थायी वारंट जारी किया गया था। स्थायी वारंट जारी होने के बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी।लेकिन आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर था।पुलिस को हाल ही में सूचना मिली थी कि स्थायी वारंटी धानेश उइके अपने गांव उकवा आया हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने उसकी तलाश तेज कर दी। हालांकि पुलिस की गतिविधियों की भनक लगते ही आरोपी धानेश घर से निकल जाता था और लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था।इसी बीच 27 अगस्त को पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि धानेश उइके को उकवा बाजार में देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल सक्रिय हुई और उसकी तलाश शुरू की। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को उकवा बाजार से पकड़ लिया।पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की और उसे माननीय विशेष न्यायालय बालाघाट के समक्ष पेश किया। न्यायालय के आदेश के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। स्थायी वारंटी की गिरफ्तारी में थाना रुपझर के थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धूमकेती, सहायक उपनिरीक्षक जयदयाल पटले, प्रधान आरक्षक द्वारिका नारायण दुबे, आरक्षक उमेश मालवीय, आरक्षक अभिषेक कोष्टी, आरक्षक राजेश तेकाम तथा विशेष सहयोगी दस्ता के अर्जुन मेरावी एवं आशीष बिसेन का सराहनीय योगदान रहा।पुलिस द्वारा लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत हुई इस कार्रवाई को रुपझर पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी करेंगा राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाडियों व संस्थाओं का सम्मान

दीक्षा कटरे बालाघाट एकलव्य व मनोज उपवंशी द्रोणाचार्य पुरस्कार से होंगे सम्मानित

पदमेश न्यूज। बालाघाट। हर वर्ष 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद का जन्मदिवस राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। हर साल की तरह इस साल भी डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी द्वारा शहर मुख्यालय स्थित निजी लॉन में खेल दिवस व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। इसमें पहली बार बालाघाट एकलव्य पुरस्कार व बालाघाट द्रोणाचार्य पुरस्कार एक-एक खिलाड़ी को प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में एकेडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर हम उन खिलाडियों का सम्मान करते है जिन्होंने जिले का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है व उन कोचों का जिन्होंने उन खिलाडि ?ों को तैयार किया है। इसके अलावा ऐसी संस्थाओं का जो साल भर खेलों का आयोजन कर खिलाडियों को आगे बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि हम सभी खेल संगठन मांग करते है कि मेजर ध्यानचंद जो हॉकी के जादूगर थे उन्हें खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए।इसमें स्कूल व कॉलेजों एवं संस्थाओं के बच्चों को भी इस सम्मान समारोह में शामिल किया गया है। जिन्होंने राज्य व राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शनकर जिले का नाम रोशन किया है। इस वर्ष इस सम्मान समारोह में एक अनुकरणीय पहल की गई है। इसमें जिस खिलाड़ी ने सबसे अधिक नेशनल खेला है उसे एकलव्य एवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है एवं जिस संस्था के सबसे अधिक खिलाड़ी नेशनल में चयनित हुए है उन्हें द्रोणाचार्य एवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

इस वर्ष बालाघाट एकलव्य पुरस्कार से दीक्षा कटरे को सम्मानित किया जा रहा है। जिसने भाला फेंक, तवा फेंक में काफी पुरस्कार राष्ट्रीय व स्टेट स्तर पर जीता है। इसके अलावा साइकिलिंग प्रतियोगिता में 14 से 22 खिलाड़ी तक मप्र की टीम में शामिल हुए है। लगातार तीन साल से मनोज उपवंशी के प्रयास से राष्ट्रीय स्तर के बच्चे तैयार किए है। इसके लिए मनोज उपवंशी को बालाघाट द्रोणाचार्य एवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है। इससे खिलाड़ी व कोच में भी आगे बढने् की इच्छा जाग्रत होगी।इस दौरान डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एकेडमी के पदाधिकरी आशीष मिश्रा, श्रेयांश वैद्य, विपिन अग्रवाल उपस्थित रहे।

किसान सेवा साख समिति के एजेंट पर 30 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

चार गांवों के गरीब-मध्यम परिवारों की गाढ़ी कमाई हड़पने का आरोप, ग्रामीणों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

किसान सेवा साख सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट की शाखा लालबर्रा-पांढरवानी के एक एजेंट पर क्षेत्र के सैकड़ों गरीब एवं मध्यमवर्गीय ग्रामीणों ने धोखाधड़ी कर लाखों रुपये हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है। गुरुवार को टेकाड़ी (ला.), सिंघनपुर, सोनेरी (ला.) तथा बघोली गांव के पीड़ित खाताधारकों ने लालबर्रा थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौंपा और अपनी जमा राशि वापस दिलवाने सहित दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

दैनिक मजदूरी की बचत से जमा की थी राशि

थाना प्रभारी को सौंपे गये ज्ञापन में खाताधारकों ने बताया कि किसान सेवा साख सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट के लालबर्रा बैंक के एजेंट टेकाड़ी ला. निवासी जीवनलाल गाढ़ेश्वर द्वारा ग्रामीणों को गुमराह कर किसान सेवा साख सहकारी मर्यादित समिति के नाम से उनसे रोजाना 30 रुपये से लेकर 500 रुपये तक की बचत राशि वसूल की जाती थी। एजेंट ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि यह राशि 15 महीने की अवधि पूरी में जमा की जा रही है और समयावधि पूर्ण होने के एक सप्ताह के भीतर ब्याज सहित पूरी राशि वापस कर दी जायेगी। इस झांसे में आकर मजदूरी करने वाले गरीब परिवारों ने अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई एजेंट के पास जमा करा दी। लेकिन 15 महीने की समयावधि पूरी हुए 7 से 8 महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन एजेंट जीवनलाल गाढ़ेश्वर द्वारा राशि लौटाने में मर्यादित बालाघाट, लालबर्रा-पांढरवानी के खाताधारक बड़ी संख्या में गुरुवार को लालबर्रा थाना पहुंचकर किसान सेवा सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट, पांढरवानी के प्रबंधक एवं एजेंट जीवनलाल गाढ़ेश्वर से दूरभाष पर ग्रामीणजनों ने जमा किये गये राशि वापस दिलवाने एवं करीब 30 लाख रुपये की राशि की धोखाधड़ी कर गबन करने के जो आरोप लग रहे है उनके संबंध में चर्चा करने का अमीना खान, रफीक खान, शहबाज खान, हीना, अतुल दाने, राहुल दाने, रजीत सोनी, श्यामलाल अडमाचे, नीतन बिसेन, सुरजलाल राजा, श्यामलाल कुंभरे सहित अन्य खाताधारक शामिल है।

लगातार टालमटोल की जा रही है। वहीं चारों गांवों के खाताधारकों की कुल जमा राशि लगभग 30 लाख रुपये बताई जा रही है। वहीं किसान सेवा साख सहकारी समिति मर्यादित में सैकड़ों खाताधारकों को लाखों रुपये की राशि जमा राशि नहीं मिलने से खाताधारक भारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे है। कई परिवारों को अपने घर का पालन-पोषण करने के लिए दूसरे से ब्याज पर राशि लेना पड़ रहा है।" किसान सेवा साख सहकारी गाढ़ेश्वर के खिलाफ धोखाधड़ी व गबन की कार्यवाही करने, खाताधारकों की डूबी गई लगभग 30 लाख रुपये की पूरी राशि शीघ्र वापस दिलवाने की पुलिस प्रशासन से मांग की है। वहीं उनकी मांगें पूरी नहीं की जाती हैं, तो वे कठोर कदम उठाने बाध्य होंगे। वहीं पुलिस ने ग्रामीणों की शिकायत पर मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही करने आश्वासन दिया है। वहीं किसान सेवा साख सहकारी मर्यादित समिति बैंक के एजेंट प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नहीं हो पाया।

इन्होने ने की मांग

किसान सेवा साख सहकारी मर्यादित समिति में जमा राशि वापस दिलवाने की मांग करने वालों में खाताधारक संदीप दाने, विनय अडमाचे, संगीता उइके, दीपक दाने, तुलसी उइके, सुरेश केवट, लीलाबाई केवट, लता कावड़े, अंश पंचेश्वर, रोशना कावड़े, ललिता पन्द्रे, धर्मेन्द्र चौधरी, वंदना चौहान,

एजेंट के पास लाखों रुपये जमा किये है खाताधारकों ने - देवेन्द्र

देवेन्द्रकुमार उइके ने बताया कि हम लोगों ने किसान सेवा साख सहकारी समिति मर्या. बालाघाट के नाम से एजेंट के पास रोजाना 50, 100 रुपये जमा करते थे और उसने हमसे कहा था कि 15 माह के बाद एक सप्ताह के अंदर ब्याज सहित राशि वापस मिल जायेगी। लेकिन समयावधि समाप्त होने के 7 से 8 माह बीत जाने के बाद भी हमारी राशि वापस नहीं हुई है। इस तरह से तीन से चार ग्राम के करीब 90 से अधिक ग्रामीणों का 30 लाख रुपये फंसा हुआ है, एजेंट जीवनलाल गाढ़ेश्वर के पास अपनी गाढ़ी कमाई जमा की थी। अभी मामला कि समय पूरा हो चुका है अब बोल रहा है कि जबलपुर में केस चल रहा है, पंजीयन होने का बहाना बनाकर हमें गुमराह कर रहा है। बैंक बंद हो चुका है जिससे ऐसा लग रहा है कि उनको समिति लाखों रुपये लेकर फरार हो गई है। गरीब लोग दूसरे से ब्याज लेकर परिवार का पालन-पोषण करने मजबूर है, पुलिस थाने में ज्ञापन सौंपकर समिति के प्रबंधक एवं एजेंट पर कार्यवाही कर राशि वापस दिलवाने की मांग की है।

एजेंट तारीख पर तारीख दे रहा है-वंदना

श्रीमती वंदना चौहान ने बताया कि ग्राम के एजेंट जीवनलाल गाढ़ेश्वर के पास प्रतिदिन 100 रुपये जमा करती थी और अन्य ग्रामीणजन भी कर रहे थे, 15 महीने पूरे होने के बाद राशि ब्याज सहित देने की बात कही गई थी। लेकिन 8 से 9 महीने से एजेंट सिर्फ तारीख पर तारीख दे रहा है। लालबर्रा के पांढरवानी स्थित बैंक भी बंद पड़ा हुआ है, वहां कोई नहीं बैठ रहा है, जबकि हमने एजेंट के पास रुपये जमा किये है तो हम एजेंट को ही जानते है, हमारा रुपये वापस करें। आगे बताया कि हम लोग खेती-किसानी और मजदूरी वर्ग से जुड़े है, आज जमा राशि न मिलने के कारण रोजमर्रा के खर्चों और जरूरतों के लिए दूसरों से ब्याज पर रुपये लेकर जीवन यापन करना पड़ रहा है।

माँ सरस्वती महोत्सव समिति ने पौधारोपण से की 'एक पौधा, अनंत मुस्कान' अभियान की शुरूआत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए परिचित माँ सरस्वती महोत्सव समिति लालबर्रा ने इस वर्ष अपने सामाजिक सरोकारों में एक नई और अनुकरणीय पहल जोड़ते हुए 'एक पौधा, अनंत मुस्कान' अभियान का शुभारंभ किया। प्रकृति दिवस की भोर पर शुरू किये गये इस अभियान की शुरूआत समिति सदस्यों द्वारा पौधारोपण कर की गई। वहीं माँ सरस्वती महोत्सव समिति पिछले 34 वर्षों से बालाघाट अंचल में भव्य एवं ऐतिहासिक माँ सरस्वती महोत्सव के आयोजन के साथ सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती आ रही है। पौधारोपण, रक्तदान शिविर, आपदा के समय सहयोग, जरूरतमंदों को राहत सामग्री वितरण सहित विभिन्न सामाजिक कार्यों के माध्यम से संस्था ने अपनी अलग पहचान बनाई है। समिति का मानना है कि समाज सेवा ही वास्तव सेवा का एक माध्यम है और इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए अब पर्यावरण संरक्षण को भी जन-अभियान का रूप देने का संकल्प लिया गया है।

ठंड में कंबल की तरह, अब वर्षभर पौधों का उपहार

समिति के इस अभियान की सबसे खास बात यह है कि संस्था केवल एक दिन पौधारोपण तक सीमित नहीं रहेगी। समिति ने संकल्प लिया है कि वर्ष में 365 पौधे स्वयं लगाये जायेंगे अथवा लोगों को लगाने के लिए उपलब्ध कराये जायेंगे। समिति का कहना है कि जिस प्रकार सर्दियों में समाजसेवी जरूरतमंदों को कंबल और उनी कपड़े वितरित कर राहत पहुंचाते है, उसी भावना से पौधा को समाज और प्रकृति को दिया जाने वाला ऐसा उपहार है, जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचता है। वहीं समिति की योजना है कि आगामी माँ सरस्वती महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले

विभिन्न कार्यक्रमों में आने वाले अतिथियों के माध्यम से दर्शकों एवं आम नागरिकों को भी पौधे भेंट किये जायेंगे। ताकि मंच से केवल सांस्कृतिक संदेश ही नहीं बल्कि प्रकृति संरक्षण का संदेश भी प्रत्येक घर तक पहुंचे। एक पौधा, अनंत मुस्कान इसी सोच का प्रतीक है-एक पौधा आज लगाया जायेगा, लेकिन उसकी छांव, ऑक्सीजन, हरियाली और जीवनदायिनी भूमिका आने वाले वर्षों तक अनगिनत चेहरों पर मुस्कान ला सकती है। अभियान के शुभारंभ अवसर पर समिति अध्यक्ष योगेश आसवले, उपाध्यक्ष मधुर मोहने, सचिव विजय रजक, संयुक्त सचिव राजु साहू, कोषाध्यक्ष हिमांशु अर्जुनवार सहित के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

भाई-बहन के अटूट प्रेम का महापर्व रक्षाबंधन आज

बहनों ने जमकर की खरीदी, शुभ मूहूर्त पर भाईयों के कलाई में बांधेगी रक्षासूत्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भाई-बहन के पवित्र प्रेम और स्नेह का प्रतीक महापर्व रक्षाबंधन 28 अगस्त को पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था, परंपरा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस पावन अवसर पर बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर, कलाई में रक्षासूत्र बांधेंगी और उनके दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। वहीं भाई भी अपनी बहनों को उपहार देकर हमेशा उनकी सुरक्षा और खुशहाली का संकल्प दोहरायेंगे। रक्षाबंधन पर्व के एक दिन पूर्व 27 अगस्त को लालबर्रा मुख्यालय के प्रमुख चौक-चौराहों में खासी चहल-पहल देखने को मिली। दिनभर राखी, फल, कपड़े, नारियल, श्रृंगार और मिठाइयों की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ लगी रही। बहनों ने अपने भाइयों के लिए तरह-तरह की आकर्षक राखियां खरीदीं। बाजार में रौनक और बेहतर व्यापार को देखकर स्थानीय व्यापारियों के चेहरे भी खिले नजर आये।

महंगाई पर भारी पड़ा बहनों का प्यार

इस रक्षाबंधन पर्व का सभी भाई-बहनों को बेसब्री से इंतजार रहता है। 28 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया जायेगा। इस तरह से 28 अगस्त को दिनभर बहनें अपने भाईयों के कलाई पर राखी बांधेगी। वहीं बाजार में महंगाई का भी असर त्यौहार पर भी देखने को मिला। इस वर्ष राखियों की कीमतों में लगभग 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। इसके बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और बहनों ने अपनी पसंद व क्षमता अनुसार खरीदारी कर रही है। बाजारों में इस बार फैंसी डोरी, स्टोन वर्क, आकर्षक राखी और बच्चों की मनपसंद कार्टून राखियों की विशेष मांग है। बच्चे अपने पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर वाली राखियों को लेकर काफी उत्सुक दिख रहे हैं और दुकानों से खरीदी भी कर रहे है। जिनकी कलाईयों पर आज उनकी बहनों के द्वारा बांधी जायेगी। 28 अगस्त को शुभ मुहूर्त में बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर त्यौहार की परंपरा को पूरे भाव से निभायेंगी और भाई उन्हें उपहार देकर सदा खुश रहने का आशीर्वाद देने के साथ ही उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लेंगे।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस पार्टी का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन संपन्न

भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर, हर वर्ग परेशान, महामहिम रा'यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हृदय स्थल बस स्टैंड स्थित सभामंच पर गुरूवार को दोपहर 3 बजे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा-खमरिया के तत्वाधान में केन्द्र एवं रा'य सरकार के खिलाफ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर केन्द्र एवं प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में खाद्य-पदार्थ समेत दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे है। बढ़ती महंगाई के कारण आम जनता और गरीब वर्ग की कमर टूट चुकी है। केवल सरकार जो कम करने का दम-भरते रहे है, वर्तमान में सरकार के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। सरकार ने चुनाव के समय कहा था कि महंगाई कम करेंगे लेकिन महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। जो चीजें पूर्व में 40 रूपये प्रति किलो थी उनके दाम 70 से 80 रूपये किलो हो चुका है। इसी तरह अन्य वस्तुओं एवं खाद्य पदार्थों के दाम दुगने हो गये, गरीब, मध्यम वर्ग का बजट पूरी तरह से बिगड़ चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को गरीब, मध्यम वर्गो की कोई चिंता नहीं है सिर्फ उद्योगपतियों, पूंजी पतियों को लाभ पहुंचाने में लगी है, ऐसी सरकार को आगामी समय में सभी को एकजुट होकर सबक सिखाने की जरूरत है।

थोड़ा सा लाभ देने का दिखावा कर महंगाई बढ़ाकर दोगुना वसूलती है सरकार - कांग्रेस

खमरिया ब्लॉक अध्यक्ष दमनसिंह खांगराले ने सरकार की आर्थिक नीतियों और कालाबाजारी पर प्रहार करते हुए कहा कि आने वाले त्यौहारों के समय शक्कर के दाम 70 से 75 रूपये प्रति किलो तक पहुंचा चुका है। बड़े व्यापारियों ने शक्कर की जमाखोरी कर रखी है जिस पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। आगे कहा कि एक तरफ सरकार योजनाओं के नाम पर थोड़ा सा लाभ देने का दिखावा करती है, तो दूसरी तरफ महंगाई बढ़ाकर दोगुना वसूल लेती है। सरकार सत्ता के अहंकार में चूर है इसलिए आम नागरिकों से एकजुट होकर सड़कों पर उतरने और सरकार से सीधे सवाल पूछने का आव्हान किया है ताकि ऐसी सरकार को सबक सीखाया जा सके। पूर्व जनपद सदस्य शैलेष केकती ने बढ़ती महंगाई पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश में महंगाई दिन-प्रतिदिन सीमाएं लांघ रही है। मैंने अपने जीवन में पहली बार देखा है कि शक्कर के दाम अचानक 40 रूपये से बढ़कर 70 रूपये प्रति किलो तक पहुंच गया, इसके बावजूद जनता शांत है। आगे कहा कि सरकार धर्म और जाति के नाम पर लोगों को आपस में लड़ाकर असली मुद्दे जैसे महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान भटका रही है। जनता को अब सचेत होकर अपने अधिकारों और बुनियादी जरूरतों के लिए सवाल पूछने होंगे। वहीं महंगाई के खिलाफ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन को अन्य कांग्रेसियों ने भी संबोधित किया।

महामहिम राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन, महंगाई कम करने की मांग की

धरना प्रदर्शन के अंत में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा तहसीलदार को महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने आम जनमानस को राहत देने के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं व खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों पर तत्काल अंकुश लगाने की मांग की है। वहीं जनविरोधी नीतियों और महंगाई पर नियंत्रण पाने में विफल रहने पर वर्तमान भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना किये जाने की भी मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भौयर, खमरिया ब्लाक अध्यक्ष दमनसिंह खांगराले, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव भाऊराम गाढ़ेश्वर, पंचायती सचिव अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, करन बाते, नितिन सिरसाठे, सुमित स्वामी, अधि. मनोज शर्मा, दीपक लेपर, हिरदेराम सपेरे, राकेश माटे, रामनाथ सोनी, अनिल पिपलोदे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसीजन उपस्थित रहे।

खमरिया में सज गई राखियों की दुकाने

बहन-भाई के कलाई में आज बांधेगी रक्षासूत्र

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम खमरिया बाजार में भाई-बहनों के अटूट संबंधों का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व के लिए राखियों की दुकाने सज गई है। 28 अगस्त को राखी

का त्यौहार रक्षाबंधन धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। रक्षाबंधन के त्यौहार के लिए सजे बाजार में इस वर्ष कई प्रकार की राखियां दुकानदारों द्वारा लाई गई है। रक्षाबंधन पर्व जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है क्षेत्र में बाहर पढ़ने वाले अपने रिश्तेदारों व ससुराल में रहने वाले बहनों ने अपने-अपने घरों में आना प्रारम्भ कर दिया है। वहीं कई बहनें अपने-अपने भाइयों के लिए कोरियर व पोस्ट ऑफिस के माध्यम से राखी भेज रही है। बाजार में हर प्रकार की रंग-बिरंगी राखियां नजर आ रही है। राखी पर्व के लिए कपड़ों की दुकानें, मिठाई से लेकर गिफ्ट तक लेने वालों की भीड़ नजर आ रही है। राखी पर्व को लेकर जहां भाई-बहनों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है तो वहीं दूसरी तरफ महंगाई भी पीछा नहीं छोड़ रही है। रक्षाबंधन को लेकर तैयारियों जोर पकड़ रही है। राखी के लिये सजे बाजार में इस बार बच्चों के लिये कार्टून वाली राखियों... शुभ मुहूर्त पर बहनें भाईयों के कलाई में रक्षासूत्र बांधेंगी और भाई बहनों को उपहार भेंट कर उनका जीवनभर रक्षा करने का संकल्प लेगा।

UMESH

ÂÎ×àæ ‹ØÁÐ ßæÚæçâßÙèÐ ßæÚæçâßÙè ÁÙÂÎ Â¿æØÌ ·¤ ¥Ì»Ì »æ× Â¿æØÌ Ú×Ú×æ çSÍÌ ÂÎèÅ÷ôÜæ ×ãæÎß ÂãæÇ¸è ÂÚ °·¤ ÕÇ¸æ ãæÎâæ ãôÌ ãôÌ ÌàææÜæ Íè ÕæÜ ÕæÜ ÌàææÙæ Íè Õ¿ »ØÐ ÛæÚÙ × ¥¿æÙ·¤ ÁÜSÌÚ ¥õÚ Õãæß ÌÁ ãôÙ ·¤ ·¤æÚ‡æ ÎâÚ ÀôÚ ÂÚ »° °·¤ ÎÁÙ â ¥çÏ·¤ ØßX ·¤ ØßÌè ÌÁ ÕãæÕ × Èâ¿ »°Ð »Ùè×Ì Øã ÚãèU ç·¤ SÍæÙèØ »æ×è‡æô ·¤è ×SÌñÎè ¥õÚ Ì˘ÂÚÌæ â ÚSâè ·¤ âãæÚ âÖè ·¤ô âÚçÿæÌ ÕæãÚ çÙ·¤æÜ çÜØæ »ØæÐ Øã ƒæÅÙæ Ú çÎÙ ÂãÜ ·¤è ÕÌæ§ü Áæ Úãè ãñ ÁÕç·¤ §â·¤æ ßèçÇØô ¥Õ âôàæÜ ×èçÇØæ ÂÚ ÌÁè â ßæØÚÜ ãô ÚãæÐ

रमरमा महादेव पहाड़ी झरने में अचानक बढ़ा जलस्तर, फसे दर्शानार्थी

रस्सी के सहारे सुरक्षित निकाले गए एक दर्जन से अधिक युवक.युवती, टला बड़ा हादसा

बारिश से अचानक बढ़ा पानी थम गई पर्यटकों की सांसें

प्राप्त जानकारी के अनुसार २६ अगस्त की शाम लगभग ४ बजे बाहर से आए करीब १२ से अधिक युवक युवतियां महादेव पहाड़ी स्थित झरने को पार कर दूसरे छोर पर प्रकृति का आनंद ले रहे थे। इसी दौरान ऊपरी क्षेत्र में हुई तेज बारिश के कारण झरने में अचानक जलस्तर बढ़ गया और पानी का बहाव बेहद तेज हो गया। रास्ता बंद हो जाने से सभी पर्यटक वहीं फंस गए। झरने के पास मौजूद अन्य यात्रियों ने तत्काल इसकी सूचना ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बिना समय गंवाए रस्सी के सहारे जान जोखिम में डालकर सभी फंसे हुए युवक युवतियों को सुरक्षित बाहर निकाला। ग्रामीणों की इस सतर्कता से एक बड़ी अनहोनी टल गई अन्यथा तेज बहाव में बहने से बड़ा हादसा हो सकता था।

आस्था के केंद्र में सुरक्षा व्यवस्था नदारद

पेंदीटोला स्थित महादेव पहाड़ी स्थानीय लोगों के लिए सदैव आस्था का प्रमुख केंद्र रही है। यहां प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि और मकर संक्रांति पर विशाल मेला लगता है। हालांकि कोरोना काल के बाद से यह स्थान केवल स्थानीय ही नहीं बल्कि पड़ोसी जिलों और महाराष्ट्र तक में काफी प्रसिद्ध हो चुका है। वर्तमान में सावन माह के बाद से ही प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक भगवान भोलेनाथ के दर्शन एवं मनोरम झरने का आनंद लेने पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद इतने संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थान पर प्रशासन की ओर से सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। घटना के समय सुरक्षा बलों या किसी जिम्मेदार कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर ग्रामीणों और गणमान्य नागरिकों ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है।

उठ रहे गंभीर सवाल सुरक्षा प्रबंधों की मांग

प्राकृतिक सुंदरता का लुत्फ उठाने पहुंचे पर्यटकों की लापरवाही और प्रशासन की अनदेखी कई बार जानलेवा साबित हो चुकी है। बार बार चेतावनी के बावजूद लोग गहरे पानी और खतरनाक स्थानों पर जाने से बाज नहीं आ रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार विभाग भी हादसे का इंतजार करता नजर आ रहा है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने प्रशासन से मांग है कि झरने और पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर भीड़ को नियंत्रित करने और खतरे वाले क्षेत्रों में जाने से रोकने के लिए पुलिस या होमगार्ड के जवान तैनात किए जाएं खतरनाक स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

रमरमा पहाड़ी पर पुलिस की मुस्तैदी बहुत जरूरी है- देवीप्रसाद गौतम

देवी प्रसाद गौतम ने बताया कि रमरमा देवस्थान है वहां पर भीड़ हो रही है दर्शन करने के लिए दर्शनार्थी बड़ी मात्रा में जा रहे हैं। इसमें जिले व आसपास के लोग अधिक है मौके पर पुलिस या समिति की व्यवस्था होनी चाहिए कि पानी कितना है कि स्तर का है यह आगामी समय में एक बड़ी दुर्घटना का कारण हो सकते हैं। वहां आने जाने की व्यवस्था भी देखनी चाहिए कल कुछ लोग झरने के दूसरे तरफ जाकर फस गए थे उन्हें ग्रामीणों ने रस्सी के सहारे बाहर निकाल झरने में जलस्तर बढ़ गया था। यदि ग्रामीण समय पर सहयोग नहीं करते तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। श्रावण मास प्रारंभ होते ही यहां भीड़ बढ़ गई है प्रतिदिन २००० से अधिक लोग वहां पर आ रहे हैं। व्यवस्था के नाम पर समिति ने वहां थोड़ा बहुत प्रयास किया हैं परंतु पुलिस को वहां पर ड्यूटी लगाना चाहिए।

इनका कहना हैं

रमरमा देवस्थान हमारे संज्ञान में है और कल की घटना भी हमें पता चली भीड़ बढ़ेगी। इसलिए वहां पर पुलिस बल लगाया जायेगा।

अनूप कुमार उइके

महाविद्यालय में देशव्यापी युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निर्देशालय भोपाल एवं मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस २०२६ के अवसर पर शासकीय शंकर साव पटेल कला, वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय में २७/८/२०२६ को देशव्यापी युवा कनेक्ट कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम प्रभारी कृष्णा पराते के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदीप जायसवाल पूर्व केबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश शासन,मिलिंद नगपुरे, कुलदीप पटले राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि की उपस्थिति में मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रजवलन एवं माल्यापर्ण कर किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर युवा कनेक्ट संवाद कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट खेल हस्तियों, राष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं समस्त युवाओं के मध्य संवाद स्थापित किया। मुख्य अतिथि के द्वारा अपने संबोधन में कहा कि एक युवा को खिलाड़ी की तरह होना चाहिए। जिससे वह खेल भावना के साथ साथ व्यक्तित्व विकास एवं संपूर्ण विकास कर सके साथ हि देश एवं राज्य को विकसित बनाने में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा सके। कर्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी कुलदीप पटले का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन तहसील स्तर पर माई भारत के वालियन्टर्स शशांक डोंगरे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यपकगण डॉ. प्रवीण पन्द्र, डॉ. रक्षा निकोसे, हेमन्त गनवीर, विकास साहू, मोहनिष इड़पाचे, श्रीमती सरिता नगवंशी, पराग पालेवार, योगेश बिसेन, तपेश चौरे , नरेश दमाहे एवं महाविद्यालय से 233 छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे । कृष्णा पराते कार्यक्रम प्रभारी के द्वारा उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया गया।

प्रतिबंध के बावजूद चोरी छिपे संचालित हो रहा मेडिकल स्टोर

ग्रामीण ने बीएमओं से शिकायत कर कार्यवाही करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहदोली के ग्रामीण सुंदर लाल चौहान के द्वारा शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.सत्यम शर्मा को एक लिखित शिकायत सौंपकर प्रतिबंधित मेडिकल स्टोर का अवैध रूप से संचालन करने वाले संचालक के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग की गई है। जिसमें बीएमओ के द्वारा उक्त शिकायत को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया हैं।

कार्यवाही की धज्जियां उड़ाकर बेची जा रही दवाइयां

शिकायत में उल्लेखित है कि ग्राम मेहदोली में चौहान मेडिकल स्टोर्स स्थित है जिसका संचालन रमेश चौहान के द्वारा किया जाता है। हाल ही में मेडिकल टीम द्वारा औचक निरीक्षण सीलिंग के दौरान इस दुकान के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आरोप है कि प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देशों की सरेआम अवहेलना करते हुए दुकान संचालक के द्वारा प्रतिदिन सुबह ८ बजे से ११ बजे या अन्य किसी भी समय दुकान खोलकर दवाइयों का अवैध विक्रय किया जा रहा है। प्रतिबंध के बाद भी दुकान का यह संचालन निरंतर जारी है। शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि दुकान पर प्रोप्राइटर के रूप में रमेश चौहान का नाम दर्ज है जबकि इस दुकान का लाइसेंस उनके किसी रिश्तेदार महिला के नाम पर होने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ता ने बीएमओ से मामले को गंभीरता से लेते हुए संज्ञान लेने और नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालक के विरुद्ध तत्काल नियमानुसार सख्त कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

अवैध दवाईयां बेचकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है-सुंदरलाल चौहान

शिकायतकर्ता सुंदरलाल चौहान ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा २० अगस्त को ग्राम मेहदोली पहुंची थी। जहां पर उनके द्वारा चौहान मेडिकल की जांच की गई थी जिसके प्रोपराइटर रमेश चौहान है जांच के बाद मेडिकल को सील कर दिया गया था। परंतु फिर वह दुकान सील होने के बावजूद भी संचालक द्वारा खोलकर चलाया जा रहा है, ग्राम में किसी भी समय वह खुली रहती है अब यह ऐसा क्यों कर रहे हैं इसकी जानकारी नहीं है। वह सुबह ८ बजे से ११ बजे या दोपहर या शाम कभी भी पूरा शटर या आधा शटर खोलकर रखते हैं। यह दुकान क्यों सील की गई थी इसकी जानकारी नहीं है इस दवाई दुकान में पेट्रोल भी उनके द्वारा अवैध रूप से बेचा जाता है। दुकान का लाइसेंस उनका खुद का नहीं है वह उनकी रिश्तेदारी की किसी महिला का लाइसेंस है पर दुकान में उन्होंने प्रोपराइटर रमेश चौहान खुद का नाम लिखा है। इसकी भी जांच होनी चाहिए यह जो रमेश चौहान है वह कक्षा दसवीं पास है, उन्हें किसी प्रकार की मेडिकल जानकारी नहीं है फिर भी वह दवा बेच रहे हैं । ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ वह खिलवाड़ कर रहे हैं बिना लाइसेंस की दवा बेच रहे हैं और करीब ८ वर्ष से यह चल रहा है। इसकी हमने शिकायत दिये हैं और चाहते हैं की कार्यवाही हो।

भाजपा कार्यालय खैरलांजी में सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

भक्तिमय माहौल में गूंजे श्रीराम और हनुमान के भजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी मुख्यालय स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में २७ अगस्त को श्रावण मास के पावन अवसर पर एक भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और विधि विधान के साथ हुई। पंडित के द्वारा मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं श्रीमती स्मिता जायसवाल से भगवान हनुमान और भगवान श्रीराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करवाकर पूजा अर्चना संपन्न कराई गई। इसके पश्चात भजन मंडली ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ का सस्वर वाचन शुरू किया जिसके सुर में सुर मिलाकर उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी पाठ का श्रवण और वाचन किया। संपूर्ण आयोजन के दौरान भगवान श्रीराम, संकटमोचन हनुमान और भगवान भोलेनाथ के मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियों से पूरा भाजपा कार्यालय गूंज उठा। संगीत की धुनों और भक्ति भाव से सराबोर होकर वहां मौजूद सभी भक्तजन भाव विभोर हो गए। कार्यक्रम के अंत में विधि विधान से हवन पूजन संपन्न करने के बाद भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। जिसके बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद रूपी भंडारे का वितरण किया गया।

सुंदरकांड पाठ से हमें जीवन में धैर्य भक्ति सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की श्रावण मास का पवित्र महीना सनातन संस्कृति में भक्ति साधना और आत्मिक शांति का प्रतीक है। इसी पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय खैरलांजी में आयोजित संगीतमय सुंदरकांड पाठ में शामिल होकर भगवान श्री राम और संकटमोचन हनुमान जी की आराधना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सुंदरकांड का पाठ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि यह हमें जीवन में धैर्य भक्ति सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। प्रभु श्री राम का जीवन चरित्र संपूर्ण मानव जाति के लिए मार्गदर्शक है और हनुमान जी की निष्काम सेवा भक्ति हमें समाज और क्षेत्र की सेवा करने की शक्ति प्रदान करती है। इस अवसर पर क्षेत्र के समस्त नागरिकों और श्रद्धालुओं के जीवन में सुखए शांति समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। भगवान श्री राम और हनुमान जी की कृपा वारासिवनी खैरलांजी सहित पूरे क्षेत्र पर सदैव बनी रहे। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी,पार्टी कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे जिन्होंने आयोजन में सहभागिता कर धर्म लाभ लिया।

लड़सड़ा के होनहार लाल प्रतीक नगपुरे ने नीट में फहराया सफलता का परचम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कड़ी मेहनत, सतत अध्ययन और दृढ़ संकल्प यदि सच्चा हो तो सफलता निश्चित ही कदम चूमती है। इस कहावत को सार्थक कर दिखाया है वारासिवनी तहसील अंतर्गत ग्राम लडसड़ा वार्ड नं.१ के प्रतिभावान छात्र प्रतीक नगपुरे ने। उनका मध्य प्रदेश शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित म.प्र स्टेट कंबाइनेड यू जी काउंसलिंग २०२६ के प्रथम चरण के जारी नतीजों में प्रतीक नगपुरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एमबीबीएस पाठ्यक्रम की सीट हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतीक नगपुरे को भोपाल स्थित प्रतिष्ठित महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च में आवंटन प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित नीट परीक्षा में प्रतीक ने अपनी योग्यता का लोहा मनवाते हुए ५०५ अंको के साथ ऑल इंडिया पर्सेंटाइल ९५.७८ प्रतिशत हासिल कर मध्य प्रदेश स्टेट रैंक २२८८ प्राप्त किया हैं। प्रतीक के पिता मोतीराम नगपुरे जो लोधी महासभा वारासिवनी ब्लॉक अध्यक्ष है एवं माता श्रीमती लता नगपुरे जो पूर्व जिला पंचायत सदस्य और वर्तमान में कृषि उपज मंडी उपाध्यक्ष ने अपने बेटे की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से अत्यंत अभिभूत और गौरवान्वित हैं। प्रतीक ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन और अपनी निरंतर मेहनत को दिया है। प्रतीक का बचपन से ही सपना था कि वह एक योग्य एवं संवेदनशील चिकित्सक बनकर समाज व देश की सेवा करें। वह लडसड़ा जैसे ग्रामीण अंचल से निकलकर डॉक्टर बनने की राह पर कदम बढ़ाने वाले प्रतीक की इस सफलता उनके गांव तथा परिचितों में खुशी का माहौल व्याप्त है। प्रतीक की इस सफलता पर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल,जिला पंचायत सदस्य सुनिता बहेटवार, लोधी महासभा के पूर्व जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे, मानसिंह बहेटवार,लोधी महासभा पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रामसिंह पटेल, मानिक भाऊ नगपुरे, राजकुमार लिल्हारे, अनिल लिल्हारे,मनोज लिल्हारे,चिन्नी बघेले, योगराम उपवंशी, राकेश बनोटे,अजित नगपुरे, समाज सेवी अरमान खान सहित अन्य ने बधाई प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

केशव इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने पुलिसकर्मियों को बाँधी राखी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर केशव इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने स्थानीय पुलिस थाना वारासिवनी पहुँचकर पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बाँधी। छात्राओं ने समाज की सुरक्षा में सदैव तत्पर रहने वाले पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मयंक मिश्रा, रश्मि बिसेन,सोनल पटले एवं छात्राओं उपस्थित रही। पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासित रहने तथा जीवन में उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। यह गतिविधि छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं भावनात्मक अनुभव रही। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान तथा भाईचारे की भावना को सुदृढ़ किया।

आतंकवाद के लिए खाद पानी है नशीले द्रव्यों की तस्करी!

भारत में नशीले पदार्थों (ड्रग्स) की तस्करी देश की आंतरिक सुरक्षा, जन स्वास्थ्य और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए एक अत्यंत गंभीर संकट बन चुकी है। भौगोलिक रूप से भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्रों - पश्चिम में गोल्डन क्रेसेंट (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान) और पूर्व में गोल्डन ट्रायंगल (म्यांमार, लाओस, थाईलैंड) के बीच स्थित है। इस संवेदनशील स्थिति के कारण देश में सीमा पार से बड़े पैमाने पर अवैध नशीले पदार्थों की आमद हो रही है। नशीले पदार्थों की तस्करी में भारत की भौगोलिक स्थिति भी खासा जिम्मेदार है पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार से सटी खुली और जटिल जमीनी सीमाएं निगरानी के लिए एक बड़ी चुनौती है ।तस्करों द्वारा गुजरात और दक्षिणी राज्यों के विशाल तटीय क्षेत्रों का दुरुपयोग किया जा रहा है ।अब नशे के सौदागर तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं डार्कनेट क्रिप्टो करेंसी और सीमा पार से ड्रग्स गिराने के लिए ड्रोन का बढ़ता प्रयोग खतरा बढ़ा रहे हैं वहीं पारंपरिक अफीम-गांजे के स्थान पर हेरोइन, कोकीन और मेथामफेटामाइन जैसे घातक रसायनों सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ता चलन भी समस्या बन रहा है। आपको बता दें कि देश में नशे और नशीले पदार्थों की तस्करी ने एक बार फिर केन्द्र और राज्यों की सरकारों को स्तब्ध किया है। नशीले पदार्थों की यह तस्करी का बड़ा हिस्सा पड़ोसी देश पाकिस्तान के माध्यम से सीमा पार से ड्रोनों के ज़रिये किया जाता है। नशे को लेकर किये गये एक व्यापक सर्वेक्षण के अनुसार पाकिस्तान एक प्रकार से नशीले पदार्थों के भण्डारण का केन्द्र बन गया है जहां से इन पदार्थों का बहुत बड़ा भाग भारत के पंजाब प्रांत में ड्रोनों के ज़रिये खपाया जाता है। भारत से फिर यह सामान तस्करी के ज़रिये कई अन्य देशों में भेजा जाता है जहां इसकी बड़ी मांग होती है। पाकिस्तान से भारत में पंजाब सीमा के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी यूं तो दशकों पूर्व से की जाती आ रही है। कभी नावों के माध्यम से, कभी सुरंगों के ज़रिये पाकिस्तानी पंजाब के सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम और हेरोइन की तस्करी की जाती रही है। तथापि, आजकल नावों का कार्य ड्रोनों से लिया जाने लगा है। ड्रोनों के ज़रिये पाकिस्तानी सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम, हेरोइन के साथ हथियारों की खेप भेजना जैसे आम बात हो गई है।वैसे तो नशे के लिए अफीम, चरस, कोकीन आदि अनेकानेक द्रव्यों एवं पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है किन्तु वर्तमान में हेरोइन सर्वोत्तम नशीला पदार्थ बन गया है। हाल ही में एक और बड़ा खतरनाक नशीला पदार्थ आईस भी बड़ी चर्चा में आया है। विगत कई वर्षों से हेरोइन की तस्करी और इसके सेवन की मात्रा में निरन्तर वृद्धि हुई है। इसका बड़ा प्रमाण इस एक तथ्य से मिल जाता है कि इन दिनों सीमाओं पर विशेष सुरक्षा चौकसी होने के बावजूद तस्करी से बरामद होने वाली खेपों की संख्या और मात्रा बढ़ गई है। इसके लिए तस्करों द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जाने लगा है। सीमा सुरक्षा बलों की निरन्तर चौकसी और सतर्कता के बावजूद ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले पांच वर्षों में पंजाब सीमा पर ड्रोन तस्करी की घटनाएं बढ़ कर तीन से 304 प्रति वर्ष तक हो गई हैं। नशीले पदार्थों की तस्करी के संबंध में स्थितियों की गम्भीरता को पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा की गई इस एक कठोर टिप्पणी से बेहतर समझा जा सकता है कि नशे का यह सम्पूर्ण कारोबार महज़ एक आपराधिक कार्य मात्र नहीं रह गया, अपितु राष्ट्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

भारत-अमेरिका दोस्ती की गर्माहट, एच-1बी का झटका

भारतीय प्रतिभा पर 99 लाख का वीजा बम -विश्व मंच पर भारत की निर्णाय कूटनीतिक अग्निपरीक्षा!

वैश्विक स्तरपर भारत और अमेरिका के संबंधों की वर्तमान तस्वीर बेहद दिलचस्प और कई स्तरों पर विरोधाभासी दिखाई दे रही है ।एक ओर वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रणनीतिक, आर्थिक, रक्षा, तकनीकी और कूटनीतिक साझेदारी लगातार गहरी होती दिखाई दे रही है,वहीं दूसरी ओर ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीतियां भारतीय पेशेवरों के लिए नई चिंताएं पैदा कर रही हैं ।हालिया घटनाक्रम में अमेरिका के भारत में राजदूत और राष्ट्रपति ट्रंप के दक्षिण एवं मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर का श्रीनगर दौरा विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा ।19 अगस्त 2026 को कश्मीर यात्रा के दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और क्षेत्र में सुरक्षा सुधारों का उल्लेख करते हुए अमेरिकी यात्रा चेतावनी को कम करने की संभावना पर भी विचार करने की बात कही। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पाकिस्तान ने इस पर औपचारिक आपत्ति जताई। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह घटनाक्रम भारत- अमेरिका संबंधों में उस व्यापक बदलाव का हिस्सा है जिसमें दोनों देश हिंद-प्रशांत, रक्षा सहयोग, आतंकवाद-रोधी सहयोग, सेमीकंडक्टर आर्टफिशियल इंटेलिजेंस अंतरिक्ष उन्नत तकनीक और आपूर्ति- श्रृंखला सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ा रहे हैं ।अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने हाल में भारत-अमेरिका संबंधों को वैश्विक स्तर पर निर्णायक महत्व का बताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्यक्तिगत संबंधों को भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार बताया। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत तथा आर्थिक सहयोग बढ़ाने की कोशिशें भी जारी हैं ।लेकिन इसी सकारात्मक कूटनीतिक वातावरण के बीच अमेरिका की एच -1बी वीजा नीति भारतीय आईटी पेशेवरों और अमेरिकी तकनीकी उद्योग दोनों के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है ।अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग यानी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने 24 अगस्त 2026 को एच-1 बी के वार्षिक कैप के अंतर्गत आने वाली याचिकाओं पर 103,265 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। भारतीय मुद्रा में यह राशि लगभग 99 लाख रुपये के आसपास बैठती है। जो भारत -अमेरिका दोस्ती की गर्माहट के बीच एच -1बी वींजा का सटिकाता से ठंडा झटका हैँ। साथियों,जब एक ओर भारत इसी महत्वपूर्ण दौर में एक साथ कई वैश्विक मोर्चों पर अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्थिति मजबूत कर रहा है ।विदेशमंत्री ने 23-24 अगस्त 2026 को रूस की यात्रा कर भारत- रूस व्यापार आर्थिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग पर उच्चस्तरीय वार्ता की और 24 अगस्त को राष्ट्रपति से मुलाकात कर पीएम का संदेश दिया; यह संवाद रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी तथा आगामी उच्चस्तरीय संपर्कों की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा ।वहीं वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री 24-27 अगस्त को जापान में बड़े कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ निवेश,व्यापार, सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल,स्वच्छ ऊर्जा और तकनीकी सहयोग बढ़ाने के प्रयास में हैं ।इसी बीच वित्तमंत्री निर्मला 25 अगस्त- 2 सितंबर तक कनाडा और अमेरिका की यात्रा पर हैं, जहां निवेश आकर्षित करने,आर्थिक- व्यापारिक संबंध मजबूत करने और वैश्विक वित्तीय मुद्दों पर भारत का पक्ष रखने का उद्देश्य है। ऐसे समय अमेरिका द्वारा नए एच-1बी कैप-सब्जेक्ट आवेदनों पर 1,03,265 डॉलर के प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क ने भारतीय आईटी पेशेवरों और अमेरिकी कंपनियों के लिए नई चिंता पैदा कर दी है। इस प्रकार रूस में रणनीतिक साझेदारी, जापान में व्यापार-विनिवेश और अमेरिका में आर्थिक संवाद,तीनों यात्राएं मिलकर भारत की बहु-आयामी वैश्विक रणनीति को दर्शाती हैं। साथियों यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना आवश्यक है कि यह राशि कोई सामान्य वीजा आवेदन शुल्क नहीं है जिसे हर भारतीय कर्मचारी अपनी जेब से देगा; यह प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क मुख्यत: नियोक्ता द्वारा एच -1बी पिटीशन दाखिल करते समय भुगतान किया जाना है और इसके ऊपर अन्य लागू शुल्क भी अलग रहेंगे ।डीएचएस का प्रस्ताव वार्षिक एच -1बी कैप के अंतर्गत आने वाली याचिकाओं पर लागू होगा। वर्तमान व्यवस्था में नियमित श्रेणी के लिए 65,000 और अमेरिकी संस्थान से मास्टर या उससे उच्च डिग्री प्राप्त करने वालों के लिए अतिरिक्त 20,000, यानी कुल 85,000 कैप- सब्जेक्ट स्थान होते हैं ।डीएचएस का अनुमान है कि प्रस्तावित शुल्क से लगभग 8.8 अरब डॉलर सालाना राजस्व प्राप्त हो सकता है। विभाग का तर्क है कि यह धन आव्रजन प्रणाली के प्रशासन, जांच- पड़ताल, धोखाधड़ी रोकथाम, राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी जांच,आव्रजन अदालतों और संबंधित सरकारी व्यवस्थाओं की लागत में उपयोग किया जाएगा। साथियों,भारतीय पेशेवरों के लिए यह प्रस्ताव इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि एच -1बी कार्यक्रम में भारत लंबे समय से सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। अमेरिकी तकनीकी कंपनियों,आईटी सेवाओं, इंजीनियरिंग, वित्त, स्वास्थ्य और अन्य विशेषीकृत क्षेत्रों में बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर एच -1बी मार्ग से अमेरिका पहुंचते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भारतीय नागरिकों को दिए गए एच -1बी वीजा/अनुमोदनों में उनकी हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही ।इसलिए अमेरिकी कंपनियों के लिए विदेशी प्रतिभाओं को नियुक्त करना यदि अचानक बहुत महंगा हो जाता है, तो इसका असर भारतीय प्रतिभा पर अनुपात से अधिक पड़ सकता है ।हालांकि इस पूरे घटनाक्रम को केवल भारतीयों पर 99 लाख रुपये का वीजा शुल्क कहना तथ्यात्मक रूप से अधूरा होगा। प्रस्तावित 103,265 डॉलर शुल्क नियोक्ता-पक्ष का अतिरिक्त शुल्क है और अभी अंतिम नियम नहीं बना है। प्रस्ताव पर सार्वजनिक टिप्पणियों की प्रक्रिया होनी है तथा उसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसलिए फिलहाल भारतीय विद्यार्थियों, कर्मचारियों या कंपनियों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि 99 लाख रुपये का शुल्क आज से लागू हो गया है। साथियों, फिर भी इसके संभावित आर्थिक प्रभाव को कम करके नहीं आंका जा सकता ।यदि किसी अमेरिकी कंपनी को विदेश से किसी कुशल पेशेवर को नियुक्त करने के लिए एक लाख डॉलर से अधिक का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़े, तो वह भर्ती का निर्णय कई बार सोचेगी। यहीं से अमेरिकी फर्स्ट की सोच शुरू होगी कंपनियां संभवत: पहले से अमेरिका में काम करने के अधिकार वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता देंगी, विदेशी उम्मीदवारों की जगह घरेलू प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने का प्रयास करेंगी अथवा अपनी परियोजनाओं को अमेरिका के बजाय भारत जैसे देशों में संचालित करने का विकल्प चुनेंगी। यही कारण है कि इस प्रस्ताव का प्रभाव केवल भारतीय पेशेवरों तक सीमित नहीं रहेगा; इसका असर अमेरिकी कंपनियों की लागत, प्रतिभा- प्रबंधन और प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी पड़ सकता है। साथियों, यहीं से भारत के लिए संकट के भीतर अवसर की संभावना भी जन्म लेती है। यदि अमेरिकी कंपनियां विदेशी प्रतिभाओं की भर्ती महंगी होने के कारण अपने कार्यों को भारत में ही संचालित करने लगती हैं,तो भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र,ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, सॉफ्टवेयर विकास, अनुसंधान एवं विकास और डिजिटल बुनियादी ढांचे को लाभ मिल सकता है। भारत में बैठे इंजीनियर अमेरिकी कंपनियों के लिए वही काम कर सकते हैं जिसे करने के लिए पहले उन्हें अमेरिका भेजा जाता था। इस प्रकार संभावित ब्रेन ड्रेन का एक हिस्सा ब्रेन गेन या ब्रेन सर्कुलेशन में बदल सकता है ।भारतीय आईटी कंपनियों के लिए तस्वीर मिश्रित है। टीसीएस ,इनफोसिस , विप्रो जैसी कंपनियां अमेरिकी बाजार में बड़े पैमाने पर सेवाएं देती हैं और उनके बिजनेस मॉडल में अमेरिका में मौजूद विशेषज्ञ कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि ऑन-साइट एच -1बी नियुक्तियों की लागत अत्यधिक बढ़ती है, तो कंपनियों पर लागत और मार्जिन का दबाव आ सकता है। अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियों के सामने भी यही दोधारी चुनौती होगी ।गूगल, माइक्रोसॉफ्ट , एप्पल और अनेक अन्य कंपनियां वैश्विक प्रतिभा पर निर्भर हैं। यदि उच्च-कौशल विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करना महंगा और जटिल हो जाता है,तो अल्पकाल में अमेरिकी कंपनियों की भर्ती लागत बढ़ सकती है और प्रतिभा उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।

साथियों, इस नीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है एच -1बी नौकरी समाप्त होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की ग्रेस अवधि। वर्तमान नियमों के तहत पात्र एच -1बी कर्मचारियों को नौकरी समाप्त होने के बाद सामान्यत: अधिकतम 60 दिन या उनके अधिकृत प्रवास की अवधि समाप्त होने तक, जो पहले हो, नई नौकरी खोजने, स्टेटस बदलने या अमेरिका छोड़ने की तैयारी का अवसर मिलता है। लेकिन डीएचएस ने इस सुविधा को समाप्त करने का प्रस्ताव भी आगे बढ़ाया है ।6 अगस्त 2026 को इस प्रस्ताव को व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ इनफार्मेशन एंड रेगुलेटरी अफेयर्स के पास समीक्षा के लिए भेजे जाने की रिपोर्ट है। अभी यह नियम समाप्त नहीं हुआ है ।यदि भविष्य में यह प्रस्ताव अंतिम रूप से लागू होता है, तो इसका प्रभाव एच -1बी कर्मचारियों और उनके परिवारों पर अत्यंत गंभीर हो सकता है। आज नौकरी जाने के बाद कर्मचारी के पास नया नियोक्ता खोजने के लिए कुछ समय होता है; लेकिन यदि यह सुरक्षा हटा दी जाती है तो नौकरी समाप्त होते ही आव्रजन स्थिति को लेकर अनिश्चितता तेजी से बढ़ सकती है। इससे विशेष रूप से वे भारतीय पेशेवर प्रभावित होंगे जो अमेरिका में लंबे समय से कार्यरत हैं, ग्रीन कार्ड की लंबी कतार में हैं या परिवार सहित अमेरिका में जीवन स्थापित कर चुके हैं। ?ै एफ-1 विद्यार्थियों और ओपीटी कार्यक्रम को लेकर भी व्यापक नीति -सख्ती की चर्चा इस पूरे वातावरण को और जटिल बनाती है ।तथा अमेरिका में पढ़ने वाला भारतीय विद्यार्थी सामान्यत: शिक्षा के बाद ओपीटी के माध्यम से व्यावहारिक कार्य-अनुभव प्राप्त कर सकता है और आगे चलकर एच -1बी के रास्ते पर जा सकता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

राखी कोरा रक्षा कवच नहीं, नारी-सम्मान का संकल्प बने

-ललित गर्ग

रक्षाबंधन केवल कलाई पर बंधा हुआ एक धागा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस विराट चेतना का प्रतीक है जिसमें प्रेम, विश्वास, दायित्व, आत्मीयता और संरक्षण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। लेकिन बदलते समय में इस पर्व के अर्थ को भी नए सिरे से समझने की जरूरत है। वह समय बीत चुका है जब स्त्री की सुरक्षा को केवल पुरुष की जिम्मेदारी मान लिया जाता था। आज की महिला स्वयं अपने जीवन की दिशा तय कर रही है, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति, सेना, उद्योग, खेल और अंतरिक्ष तक अपनी पहचान बना रही है। इसलिए आज राखी का सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि भाई बहन की रक्षा करेगा या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि क्या हमारा समाज ऐसा बनेगा जिसमें हर महिला को अपनी सुरक्षा, स्वतंत्रता, गरिमा और सपनों के लिए किसी की कृपा पर निर्भर न रहना पड़े? रक्षाबंधन की भारतीय अवधारणा में 'रक्षा' का अर्थ बहुत व्यापक है। संस्कृत में कहा गया है- रक्षति इति रक्षः, अर्थात जो रक्षा करे वही रक्षक है। परंतु किसकी रक्षा? केवल शरीर की नहीं, बल्कि सम्मान की, स्वतंत्रता की, संस्कारों की, विचारों की और जीवन-मूल्यों की भी। इसी व्यापक अर्थ में रक्षाबंधन आज एक पारिवारिक पर्व से आगे बढ़कर सामाजिक दर्शन का पर्व बन सकता है। भारतीय परंपरा में रक्षासूत्र का उल्लेख अत्यंत प्राचीन है। वैदिक परंपरा में रक्षा-सूत्र को मंगल, संकल्प और संरक्षण का प्रतीक माना गया। इंद्र और इंद्राणी की कथा हो अथवा गुरु द्वारा शिष्य को रक्षासूत्र बांधने की परंपरा-इन सबमें एक गहरी भावना दिखाई देती है कि मनुष्य अपने से जुड़े व्यक्ति के प्रति उत्तरदायित्व स्वीकार करे। इसका अर्थ किसी को कमजोर मानकर उसकी रक्षा करना नहीं, बल्कि संबंधों को जिम्मेदारी से निभाना है। यही बात आज के रक्षाबंधन को नई अर्थवत्ता देती है। भारतीय इतिहास में राखी ने कई बार रक्त और धर्म से परे मानवीय संबंधों का रूप लिया है। राजपूत परंपरा में युद्ध के लिए जाते योद्धाओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने की परंपरा वीरता और विजय की मंगलकामना से जुड़ी रही। मध्यकालीन इतिहास में मेवाड़ की रानी कर्णावती और हुमायूँ से जुड़ी राखी की कथा भले ही इतिहास और लोकस्मृति के बीच अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत की जाती हो, लेकिन इसका सांस्कृतिक संदेश स्पष्ट है-राखी जैविक भाई-बहन के रिश्ते से आगे बढ़कर विश्वास और संरक्षण का मानवीय अनुबंध बन सकती है। महाभारत में द्रौपदी और श्रीकृष्ण का प्रसंग भी इसी भावभूमि को स्पर्श करता है। द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण की घायल कलाई पर वस्त्र बांधने और श्रीकृष्ण द्वारा उसके सम्मान की रक्षा करने की कथा भारतीय मानस में भाई-बहन के रिश्ते की करुणा, आत्मीयता और दायित्व का प्रतीक बन गई। इस कथा का आधुनिक अर्थ यह है कि संबंध केवल लेने का नहीं, एक-दूसरे के लिए खड़े होने का नाम है। रक्षा एकतरफा नहीं होती, प्रेम में पारस्परिक उत्तरदायित्व होता है। आज की नारी ने इस पारंपरिक धारणा को एक नया आयाम दिया है। वह अब केवल 'रक्षा की अपेक्षा रखने वाली' नहीं, बल्कि स्वयं परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में सक्रिय भागीदार है। भारतीय सशस्त्र सेनाओं में महिलाएं सीमाओं की सुरक्षा कर रही हैं, महिला पायलट आकाश में देश की शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, वैज्ञानिक अंतरिक्ष अभियानों में योगदान दे रही हैं, महिला खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाएं नीति-निर्माण को दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में राखी का धागा हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि जिस नारी को हम 'अबला' कहकर उसकी रक्षा का दावा करते हैं, वही नारी राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर सकती है तो उसके सम्मान और अधिकारों की रक्षा में समाज पीछे क्यों रहे? यही रक्षाबंधन का नया दर्शन है-नारी की रक्षा नहीं, नारी की सामर्थ्य का सम्मान। नारी को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी उपाय उसकी स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता को बदलना है। बेटी को यह कहना कि 'सावधान रहना, क्योंकि दुनिया सुरक्षित नहीं है' पर्याप्त नहीं। उससे अधिक जरूरी है बेटे को यह सिखाना कि किसी महिला की स्वतंत्रता, गरिमा और इच्छा का सम्मान करना ही वास्तविक पुरुषार्थ है। राखी यदि भाई की कलाई पर बंधती है तो वह केवल बहन की रक्षा का वचन न बने, वह भाई को यह संकल्प भी दे कि वह किसी भी स्त्री के प्रति अन्याय, अपमान और हिंसा के विरुद्ध खड़ा होगा। आज नारी सुरक्षा का प्रश्न केवल सड़क, कार्यस्थल या सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग ने सुरक्षा की नई चुनौतियां पैदा की हैं। साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन बदनामी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल धोखाधड़ी और सोशल मीडिया पर महिलाओं के विरुद्ध अपमानजनक व्यवहार आधुनिक समाज के नए खतरे हैं। इसलिए आज की राखी में एक नया संकल्प जुड़ना चाहिए-हम नारी की डिजिटल गरिमा की भी रक्षा करेंगे। लेकिन रक्षा का एक और आयाम है, जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं-आर्थिक आत्मनिर्भरता। जिस महिला के पास शिक्षा, कौशल, रोजगार और आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता है, उसकी आत्मसम्मान की शक्ति कहीं अधिक होती है। इसलिए यदि रक्षाबंधन को सचमुच नारी-सशक्तीकरण का पर्व बनाना है तो भाई बहन को केवल उपहार न दे, बल्कि उसके सपनों में सहभागी बने। उसकी शिक्षा, व्यवसाय, शोध, कला, करियर अथवा सामाजिक कार्य में सहयोग करे। सबसे सुंदर राखी वही होगी जो बहन की कलाई पर बंधकर उसके सपनों को पंख दे। भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता: की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए रक्षाबंधन को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। रक्षाबंधन का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक रक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से रक्षासूत्र हमारी कलाई पर नहीं, पहले हमारे विवेक पर बंधना चाहिए। रक्षाबंधन हमें यह भी याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल सीमाओं से सुरक्षित नहीं होता। राष्ट्र तब सुरक्षित होता है जब उसकी बेटियां सुरक्षित हों, जब परिवारों में विश्वास हो, जब समाज में संवेदना हो, जब युवाओं में चरित्र हो और जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझें। सीमा पर सैनिक राष्ट्र की भौगोलिक रक्षा करता है, लेकिन घर-परिवार में संस्कार, शिक्षा और संवेदना राष्ट्र की सामाजिक रक्षा करते हैं। माता-पिता संकल्प लें कि बेटा और बेटी दोनों को समान अवसर देंगे। रक्षाबंधन का भविष्य उस मानसिक परिवर्तन में है जहां रक्षा का अर्थ अधिकार छीनना नहीं, अधिकार सुरक्षित करना होगा, प्रेम का अर्थ स्वामित्व नहीं, स्वतंत्रता का सम्मान होगाय भाईचारे का अर्थ संरक्षण नहीं, साझेदारी होगा और संस्कृति का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, अपने श्रेष्ठ मूल्यों को भविष्य में ले जाना होगा।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार की हत्या से फिर उठे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर सवाल

बांग्लादेश के रंगपुर में एक हिंदू परिवार के चार सदस्यों की हत्या ने एक बार फिर वहां रह रहे अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी प्रीतिलता, बेटी अगामी और 12 वर्षीय बेटे प्रियम के शव उनके बंद मकान से बरामद होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों के मुताबिक परिवार के चारों सदस्यों के मोबाइल गुरुवार रात से बंद थे। शनिवार रात जब रिश्तेदार घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे पर ताला लगा हुआ था और अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही थी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और ताला तोड़कर मकान में दाखिल हुई।

पुलिस के अनुसार शव घर के अलग-अलग हिस्सों में मिले। पिता गणपति का शव छत पर, मां प्रीतिलता और बेटी अगामी के शव सीढ़ियों पर तथा बेटे प्रियम का शव बिस्तर के नीचे मिला। शुरुआती जांच में हत्या की आशंका जताई गई। बाद में रंगपुर पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर दावा किया कि वे कथित तौर पर घर की छत पर नशीला पदार्थ लेने पहुंचे थे और गणपति द्वारा उन्हें रोकने पर विवाद हुआ। पुलिस के मुताबिक इसके बाद परिवार के सदस्यों की हत्या की गई। मामले में जांच पुलिस, सीआईडी और डिटेक्टिव ब्रांच की ओर से की जा रही है।

इस घटना की सबसे गंभीर बात यह है कि जिस मकान में परिवार के चार लोग मृत मिले, उसका दरवाजा बाहर से बंद था। परिवार के लोगों को कई घंटे तक यह पता ही नहीं चल सका कि अंदर क्या हुआ है। हालांकि प्रारंभिक पुलिस जांच में हत्या का कारण आपराधिक घटना बताया जा रहा है और इसे सीधे तौर पर सांप्रदायिक हत्या कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन पीड़ित परिवार के हिंदू होने के कारण इस घटना ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर पहले से मौजूद चिंता को और गहरा कर दिया है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच पूरी होना आवश्यक है।

बांग्लादेश में अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा का दौर देखने को मिला। उस दौरान हिंदुओं सहित धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों के घरों, दुकानों और धार्मिक स्थलों पर हमलों की रिपोर्ट सामने आई। मानवाधिकार संगठनों ने भी इस स्थिति को गंभीरता से दर्ज किया है। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार हसीना के पद छोड़ने के बाद दंगाइयों ने हिंदुओं, अहमदिया मुसलमानों और जातीय अल्पसंख्यकों को भी निशाना बनाया। साथ ही संगठन ने यह भी रेखांकित किया कि कई हमलों के पीछे राजनीतिक बदले की भावना और अल्पसंख्यकों को तत्कालीन सत्ता के समर्थक मानने जैसी वजहें भी थीं।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के आंकड़ों को लेकर विभिन्न संगठनों और सरकारी संस्थाओं के आंकड़ों में बड़ा अंतर है। यूरोपीय संघ की शरण एजेंसी के अनुसार, ऐन ओ सालिश केंद्र ने 2024 में धार्मिक और आदिवासी अल्पसंख्यकों के खिलाफ 147 हिंसक घटनाएं दर्ज कीं, जिनमें अगस्त में सबसे अधिक 81 घटनाएं हुईं। वहीं बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने अगस्त 2024 के शुरुआती सप्ताहों में इससे कहीं अधिक हमलों का आंकड़ा दिया। इन आंकड़ों में अंतर इसलिए भी है क्योंकि कुछ घटनाओं को सांप्रदायिक, कुछ को राजनीतिक और कुछ को व्यक्तिगत या आपराधिक विवाद से जुड़ा माना गया।

भारत सरकार ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ घटनाओं पर नजर बनाए रखने की बात कही है। मार्च 2026 में राज्यसभा में विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने बताया था कि उपलब्ध मानवाधिकार संगठनों के आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 से फरवरी 2026 के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगभग 3,100 हिंसा की घटनाएं हुईं। सरकार ने बांग्लादेश से इन घटनाओं की गहन जांच और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की अपेक्षा जताई।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चर्चा करते समय यह भी जरूरी है कि हर आपराधिक घटना को बिना जांच सांप्रदायिक घटना घोषित न किया जाए। इससे वास्तविक घटनाओं की गंभीरता कम होने का खतरा रहता है और अफवाहों को बढ़ावा मिलता है। लेकिन दूसरी ओर, किसी पीड़ित का अल्पसंख्यक समुदाय से होना यदि हमले की वजह बनता है तो उसे सामान्य अपराध बताकर नजरअंदाज करना भी उतना ही गंभीर है। इसलिए बांग्लादेश सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती निष्पक्ष जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और अल्पसंख्यकों में विश्वास बहाल करना है।

नई सत्ता व्यवस्था के सामने यह सवाल लगातार उठता रहा है कि राजनीतिक बदलाव के बाद आम नागरिकों, विशेषकर धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कितनी सुनिश्चित हुई। सरकार का दायित्व केवल आश्वासन देने तक सीमित नहीं हो सकता। हिंदू परिवारों के घर, मंदिर, कारोबार और संपत्ति सुरक्षित रहना चाहिए तथा किसी भी हमले के बाद पुलिस को बिना राजनीतिक या धार्मिक दबाव के कार्रवाई करनी चाहिए। अगस्त 2024 के बाद कई स्थानों पर पुलिस व्यवस्था भी कमजोर हुई थी और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी अपने पदों से हट गए थे, जिससे कानून-व्यवस्था पर असर पड़ा।

पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन की शिकायतें लंबे समय से चिंता का विषय रही हैं। पाकिस्तान के नेशनल कमीशन ऑन द राइट्स ऑफ चाइल्ड की 2025 की रिपोर्ट में सेंटर फॉर सोशल जस्टिस के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया कि जनवरी 2021 से दिसंबर 2024 के बीच अल्पसंख्यक लड़कियों और महिलाओं के अपहरण तथा जबरन धर्म परिवर्तन के कम से कम 421 मामले दर्ज किए गए। इनमें 282 पीड़ित हिंदू थीं। 2024 में ऐसे 83 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 52 पीड़ित हिंदू थीं।

यूरोपीय संघ की शरण एजेंसी के अनुसार, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस ने 2024 में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़ी 83 अपहरण की घटनाएं दर्ज कीं। इनमें 52 हिंदू और 31 ईसाई पीड़ित थीं। 68 मामलों में अपहरण के साथ जबरन धर्म परिवर्तन भी दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से साफ है कि पाकिस्तान में भी अल्पसंख्यक महिलाओं और नाबालिग लड़कियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है।

लेकिन पाकिस्तान और बांग्लादेश की स्थिति की तुलना करते समय आंकड़ों और परिस्थितियों को अलग-अलग देखना जरूरी है। दोनों देशों में घटनाओं की प्रकृति, राजनीतिक परिस्थितियां और सरकारी तंत्र अलग हैं। किसी भी देश में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ अपराध हो तो उसका विरोध होना चाहिए, चाहे पीड़ित हिंदू हो, ईसाई हो, बौद्ध हो, सिख हो या किसी अन्य समुदाय से। मानवाधिकारों की कसौटी यही है कि हर नागरिक को समान सुरक्षा मिले।

रंगपुर की घटना ने बांग्लादेश में रह रहे हिंदू समाज के भीतर स्वाभाविक रूप से भय और असुरक्षा की भावना पैदा की है। चार लोगों की एक साथ हत्या केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं है, बल्कि यह सवाल भी उठाती है कि कानून-व्यवस्था आम नागरिकों को कितना भरोसा दे पा रही है। यदि किसी घर में परिवार के चार सदस्य मारे जाते हैं और पड़ोसियों को लंबे समय तक इसकी जानकारी नहीं मिलती, तो सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

भारत सरकार को भी बांग्लादेश के साथ कूटनीतिक माध्यमों से लगातार यह मुद्दा उठाना चाहिए कि वहां हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के जान-माल, धार्मिक स्थलों और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। किसी भी घटना के दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर निष्पक्ष जांच के बाद कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही भारत को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं के समक्ष भी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर उठाते रहना चाहिए।

बांग्लादेश के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता केवल सत्ता परिवर्तन से नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा से तय होती है। यदि किसी हिंदू परिवार को अपने घर में भी सुरक्षा का भरोसा नहीं रहेगा तो लोकतंत्र और कानून के शासन पर विश्वास कमजोर होगा। सरकार को यह संदेश देना होगा कि अपराधी की पहचान चाहे जो हो, कानून उसके खिलाफ समान रूप से कार्रवाई करेगा।

रंगपुर के चक्रवर्ती परिवार की हत्या की निष्पक्ष जांच और दोषियों को सजा मिलना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इससे यह स्पष्ट होगा कि बांग्लादेश अपने अल्पसंख्यक नागरिकों के जीवन और अधिकारों को लेकर कितना गंभीर है। इस घटना को लेकर उठ रही आशंकाओं का जवाब अफवाहों से नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच और न्याय से मिलना चाहिए। हिंदू समाज की सुरक्षा केवल किसी एक सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कानून, प्रशासन और पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। पड़ोसी देशों में रहने वाले अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंता भी इसी मानवीय और संवैधानिक दृष्टिकोण पर आधारित होनी चाहिए।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

§Î¢ÎÚ °ÁâÂÛ उठाव की सुस्ता से गुरुवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन सुस्त रहा। दाल-दलहनों में हलचल विशेष का अभाव रहा। किराना जिंसों में शक्कर बाजार नरमी के साथ दायरे में रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में उठाव सुस्त है, जिसके चलते बाजार में नरमी की स्थिति है। तिलहनों में सोयाबीन 6000 रु. प्रति क्विंटल पर कमजोर बना हुआ है। उधर, दाल-दलहनों में आज व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किराना जिंसों में शक्कर बाजार नरमी के देखे गये। वहीं, नारियल व गोले में माँग अच्छी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5800-5900, खोपरा गोला 360-415, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1050-1200, सिंगापुरी 980-1025, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 3800-3850, (200) 4300-4350, (250) 4700-4750,

ÌÜ- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2710, सोया साल्वेंट 1385-1390, सोया रिफाइंड 1445-1450, कपास्या 1630, धूलिया 1630, कड़ी 1630,

ÌÜ Ì- गुजरात लुज 1690, मुम्बई पाम 1495, मुम्बई सोया 1485,

¹ÜÜ- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

ÌÜÜ- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 5900, टोली (महुआ बीज) 5500-5700, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

ÌÜÜ- चना कांटेवाला बेस्ट 6600, एवरेज 6500-6550, विशाल 6350-6400, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबुली चना डॉलर 7000-8300, काबुली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9100-9300, उड़द गर्मी 8600-9000, ग्रेविटी क्लीन 9300-9700, हल्की 5000-7000,

ÌÜ- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

¥Ü- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

¿ßÜ- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, कालीमुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

×ßÜ- इन्दौर 380, उज्जैन 300, रतलाम 350 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

§Î¢ÎÚ °ÁâÂÛ गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। डॉलर की मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 240000, चाँदी (99) 239800, टंच 239200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 157000,

रुपया गिरावट पर बंद

×Õ§Ü °ÁâÂÛ रुपया गुरुवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.51 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 95.31 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती नुकसान से उबरते हुए गुरुवार को सुबह के कारोबार में चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 95.52 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट है। हालांकि, घरेलू मुद्रा ने जल्द ही नुकसान की भरपाई की और चार पैसे की बढ़त के साथ 95.40 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा। रुपया मंगलवार को 26 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.44 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

×Õ§Ü °ÁâÂÛ भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। वहीं पश्चिम एशिया में जारी तनावों से भी बाजार पर दबाव आया जिससे भी उसमें गिरावट आई। आज कारोबार के दौरान धातु, पीएसयू बैंकों और सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 539.35 अंक फिसलकर 76,933.59 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक गिरकर 24,090.85 पर आ गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 में भी गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा निफ्टी सीमेंट, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी मेटल और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में गिरावट रही जबकि निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी प्राइवेट बैंक में बढ़त

रही। आज अदाणी इंटरप्राइजेस, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, सिप्ला और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई और ये शीर्ष लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि हिंडाल्को, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक शुरुआती कारोबार में लाल निशान पर खुले, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। ई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 45.17 अंक टूटकर 77,422.70 अंक पर खुला जबकि निफ्टी भी 6.40 अंक फिसलकर 24,202.45 अंक पर खुला वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख रहा; दक्षिण कोरिया, जापान और चीन बढ़त में थे, जबकि हांगकांग गिरावट में। अमेरिकी बाजार बुधवार को निचले स्तर पर बंद हुए थे। वहीं पिछले सत्र में घरेलू बाजार भी गिरे थे, सेंसेक्स 183.15 अंक और निफ्टी 126.80 अंक टूटकर बंद हुए थे।

कच्चे तेल में नरमी, होर्मुज से राहत, रूस-यूक्रेन तनाव ने रोकी बड़ी गिरावट

Ü§ {Î„Ü °ÁâÂÛ कच्चे तेल की कीमतों में गुरुवार को हल्की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने के संकेत हैं। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते संघर्ष ने बड़ी गिरावट को सीमित कर दिया। डब्ल्यूआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के नीचे और ब्रेंट क्रूड 86.60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और ओमान के बीच प्रगति से तेल बाजार में उम्मीद बंधी है। दोनों देशों ने जहाजों की आवाजाही पर राजस्व-साझाकरण समझौते की पुष्टि की है, जिससे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से तेल आपूर्ति बेहतर होने की संभावना है। हालांकि ईरान ने तुरंत पूरी तरह से खुलने से इनकार किया, बाजार इसे तनाव कम होने का अहम संकेत मान रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान ने भी इन उम्मीदों को बल दिया, जिसमें उन्होंने मंगलवार को 1 करोड़ बैरल तेल के होर्मुज से निकलने की बात कही। सऊदी अरब भी फारस की खाड़ी के भीतर से तेल लोडिंग बढ़ाने की संभावना तलाश रहा है, जो बदलते हालात के अनुरूप है। इसके विपरीत रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव कच्चे तेल की कीमतों को ज्यादा गिरने से रोक रहा है। यूक्रेन द्वारा रूसी रिफाइनरियों और बंदरगाहों पर लगातार हमलों से रूस के ईंधन उत्पादन और निर्यात पर गंभीर असर पड़ने का खतरा है। यदि रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में बड़ी रुकावट आती है, तो वैश्विक बाजार में आपूर्ति फिर से घट सकती है। इसी भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण कीमतें अस्थिर रहीं, जहाँ शुरुआत में रूस-यूक्रेन संघर्ष की खबरों ने कीमतें बढ़ाईं, लेकिन होर्मुज की खबर से तेजी थम गई।

एसबीआई की एफडी में उम्र के साथ बढ़ेगा मुनाफा! सीनियर सिटीजन को बंपर फायदा

Ü§ {Î„Ü °ÁâÂÛ फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को हमेशा से निवेश का एक सुरक्षित विकल्प माना जाता रहा है। देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक ब्याज दरों वाली एफडी योजनाएं पेश करता है। इसी कड़ी में एसबीआई की खास अमृत वृष्टि एफडी स्कीम बुजुर्गों को बंपर फायदा दे रही है, जहां 444 दिनों की इस जमा योजना में उम्र के हिसाब से ब्याज दरें बदल जाती हैं, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक रिटर्न मिलता है। एसबीआई की 444 दिन की अमृत वृष्टि एफडी में आम ग्राहकों को 6.45 फीसदी सालाना ब्याज का लाभ मिलता है। वहीं 60 साल या उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह दर 6.95 फीसदी है, जो सामान्य ग्राहकों से 0.50 फीसदी ज्यादा है। सबसे खास बात यह है कि 80 साल या उससे ज्यादा उम्र के अति वरिष्ठ नागरिकों को इसी योजना में 7.05 फीसदी का आकर्षक ब्याज दिया जा रहा है, जो वरिष्ठ नागरिक दर से भी 0.10 फीसदी अधिक है। यह योजना दर्शाती है कि उम्र बढ़ने के साथ इसमें अतिरिक्त ब्याज का फायदा मिलता है। एसबीआई अपने ग्राहकों को 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अलग-अलग अवधि के लिए एफडी कराने की सुविधा देता है। अमृत वृष्टि एफडी में ग्राहक अधिकतम 3 करोड़ रुपये तक की बड़ी रकम निवेश कर सकते हैं। यह योजना उन निवेशकों के लिए एक शानदार अवसर है जो तय अवधि के लिए सुरक्षित निवेश पर अच्छा रिटर्न चाहते हैं। एसबीआई ने अपनी एफडी ब्याज दरों में आखिरी बड़ा बदलाव दिसंबर में किया था। उसके बाद से बैंक की कई एफडी योजनाओं पर ब्याज दरें लगभग वैसी ही बनी हुई हैं। हालांकि, बैंक समय-समय पर अपनी ब्याज दरों में बदलाव कर सकता है। इसलिए, निवेश से पहले बैंक की मौजूदा ब्याज दरें, अवधि, समय से पहले निकासी के नियम और अन्य शर्तों की जांच अवश्य कर लें। किसी भी एफडी योजना में निवेश करते समय ब्याज दर के साथ-साथ अपनी वित्तीय जरूरतों और निकासी नियमों का भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है।

×á- आज पुराने कर्ज का बोझ कुछ हल्का होता नजर आ रहा है, जिससे मन को राहत मिलेगी। अचानक शेयर मार्केट से लाभ मिलने पर दिन और भी बेहतर हो सकता है, लेकिन फिजूलखर्ची से बचना जरूरी है। काम को लेकर भागदौड़ रहेगी और इसी वजह से ध्यान थोड़ा भटक सकता है। किसी अनजान व्यक्ति की मीठी बातों पर तुरंत भरोसा न करें। आपकी मेहनत का परिणाम देर से सही, लेकिन जरूर मिलेगा।

ßâÕ- आज सफलता का सीधा मंत्र है, जरूरी कामों पर ध्यान बनाए रखें। घूमने-फिरने के दौरान मिली कोई छोटी-सी जानकारी आगे चलकर आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। अटका हुआ सरकारी काम आगे बढ़ने के संकेत हैं। घर को नया रूप देने का मन बनेगा। संतान की ओर से मिली अच्छी खबर खुशी देगी और आपकी नेतृत्व क्षमता भी लोगों के सामने उभरकर आएगी।

{×ÍÎ- आज कुछ नया शुरू करने का उत्साह आपको भीतर से ऊर्जावान रखेगा। बस रिश्तों में संवेदनशीलता बनाए रखना जरूरी है, खासकर किसी करीबी की भावनाओं को नजरअंदाज न करें। पिता के साथ किसी कारोबारी योजना या डील पर महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है। आपकी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएंगे और सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम में राहत और सफलता मिल सकती है।

·¤·ü¤- आज कोई ऐसी खबर मिल सकती है जिसका आपको काफी समय से इंतजार था। मन पर बना तनाव कम होगा और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों के लिए भी उम्मीद की किरण दिखाई दे सकती है। हालांकि जरूरत से ज्यादा मौज-मस्ती आपको अपने जरूरी कामों से भटका सकती है। विरोधियों से सावधान रहें और परिवार से जुड़ी निजी बातें दूसरों के साथ साझा करने से बचें।

{âå- आज मेहनत का पूरा फल मिलने वाला है और सकारात्मक सोच आपको आगे बढ़ने का हौसला देगी। किसी दूर रहने वाले रिश्तेदार से मुलाकात या यात्रा की योजना बन सकती है। निर्णय लेने की आपकी क्षमता मजबूत रहेगी, जिससे कई उलझे काम आसानी से सुलझेंगे। किसी सहयोगी की बात थोड़ी चुभ सकती है, लेकिन धैर्य और अपनापन बनाए रखेंगे तो रिश्ते और मजबूत होंगे।

·¤‹Øæ- आज संपत्ति से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है और लंबे समय से अटकी बिजनेस डील भी आगे बढ़ सकती है। धार्मिक कार्यों और पूजा-पाठ में मन लगेगा। घर में किसी शुभ आयोजन की तैयारी शुरू होने के संकेत हैं। पुराने कर्ज को खत्म करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। समाज में आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान दोनों बढ़ेंगे।

ÌéÜæ- आज का दिन नए अवसरों के दरवाजे खोल सकता है। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात किसी नए रास्ते की शुरुआत कर सकती है। बैंक लोन से जुड़ा काम भी आसानी से आगे बढ़ने के संकेत दे रहा है। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। माता द्वारा दी गई जिम्मेदारी को समय पर पूरा करें। बच्चों के साथ बिताया समय मन को खास खुशी देगा।

ßë{àÓ·¤- नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए आज नए अवसर सामने आ सकते हैं। आपके संपर्क और पहचान का दायरा बढ़ेगा और कार्यस्थल पर बॉस भी आपके काम की सराहना कर सकते हैं। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा, लेकिन खान-पान में संतुलन रखें। किसी जरूरी जानकारी को साझा करने से पहले अच्छी तरह सोच लें। काम के कारण यात्रा का योग भी बन सकता है।

Ïÿ- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है। मां के साथ परिवार से जुड़े किसी मुद्दे पर महत्वपूर्ण बातचीत होगी और जीवनशैली में सुधार के मौके मिलेंगे। पैतृक संपत्ति का मामला कुछ तनाव दे सकता है। पुराने दोस्त से मुलाकात मन खुश करेगी, लेकिन पुरानी नाराजगी या विवाद को दोबारा छेड़ने से बचें। कारोबार में नई साझेदारी भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

×·¤ÚU- आज राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के लिए कोई खास अवसर सामने आ सकता है। किसी बड़े और प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। जीवनसाथी के साथ खरीदारी की योजना बनेगी, लेकिन बजट का ध्यान रखना जरूरी है। उधार लेकर वाहन चलाने जैसी स्थिति से बचें। सफलता के मौके भरपूर हैं, हालांकि विरोधियों की गतिविधियों पर नजर रखना भी जरूरी होगा।

·é¤¢Ö- आज आर्थिक मोर्चे पर मजबूती महसूस होगी और पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिल सकता है। कारोबार में किए गए नए बदलाव आपको आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। जीवनसाथी की पदोन्नति या करियर में प्रगति से घर का माहौल खुशी से भर सकता है। आपकी मेहनत रंग लाएगी। घर में धार्मिक वातावरण रहेगा और रिश्तेदारों की आवाजाही भी बनी रह सकती है।

×èÙ- आज नया वाहन खरीदने का विचार मन में आ सकता है, लेकिन कोई भी बड़ा फैसला सोच-समझकर लें। काम में पूरी मेहनत और निरंतरता रखेंगे तभी अपेक्षित सफलता मिलेगी। पढ़ाई में परेशानी हो तो गुरुजनों की सलाह को नजरअंदाज न करें। संतान की संगति पर ध्यान देना जरूरी रहेगा।

शब्दजाल - 8363

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वाद' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

श	रा	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना
क	म	दा	नु	ल	क	ड़	वा	दा	र	नि
वा	रा	र	वा	ह	मि	री	द	स	र	विं
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	झ	न	वा
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द
प	जी	वा	मा	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट
रि	थो	तें	व	या	र्क्स	दा	ने	दा	र	द
वा	ल	प	ति	रिं	वा	ऐ	बें	न	रु	थो
द	ड़	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट

नाजीवाद, परिवाद, अनुवाद, निर्विवाद, मायावाद, अभिवाद, आतंकवाद, मार्क्सवाद, मवाद, आस्वाद

शब्दजाल - 8362 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	सिंह में	कन्या 07.10 बजे से
चंद्र	कुंभ में	तुला 09.20 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक 11.35 ब.से
बुध	सिंह में	धनु 13.51 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर 15.56 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ 17.43 बजे से
शनि	मीन में	मीन 19.16 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष 20.46 बजे से
केतु	सिंह में	वृष 22.26 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मिथुन 00.24 बजे से
		कर्क 02.38 बजे से
		सिंह 04.54 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 240 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 09.49 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 03.13 बजे रात्र को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 07.28 बजे को समाप्त। **करण** बव 09.49 बजे तदनन्तर बालव 21.57 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 47' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872815 **जूलियन दिन** 2461280.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रबि उलावल **तारीख** 14 **विशेष** वरलक्ष्मी व्रत, रक्षा बंधन, नारली पूर्णिमा, गायत्री जयंती, संस्कृत दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभता श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7307

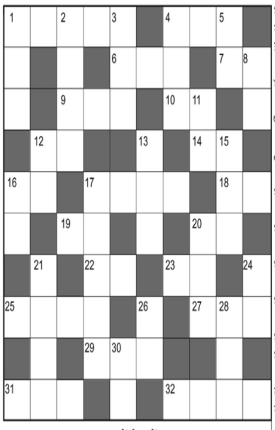

ऊपर से नीचे:-

1. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
2. सुनील, किशोर साहब की फिल्म-४
3. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'मुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
4. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
5. 'नज़रें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
8. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
11. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
12. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
13. 'टका टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
15. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
16. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
17. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
20. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
21. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
24. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
26. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
27. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
30. मिलिंद, राहुल देव, नताश्या सिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है ज़िंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
4. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
6. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
9. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'हमने घर छोड़ा है' गीत वाली फिल्म-३
10. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
12. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
14. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
16. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
17. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
18. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
19. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
20. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-२
22. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
23. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
25. 'बीती न बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
27. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
29. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
31. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
32. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7306

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः लोभ और त्याग

गौतम बुद्ध के एक अनुयायी ने अपनी सारी धन-दौलत लोकोपयोगी कार्यों में लगा दी और संयम का जीवन जीना शुरु कर दिया। वह हर वक्त प्रत्येक व्यक्ति की सहायता के लिए तैयार रहते। हर ओर उनके सत्कार्यों की चर्चा होने लगी। एक दिन कुछ लोग उनके पास आए। उनमें से एक व्यक्ति बोला, 'महानुभाव, आपका त्याग प्रशंसनीय है। आपकी सेवाओं को लेकर समाज आपका कृतज्ञ है। हम सब लोग सार्वजनिक रूप से आपका अभिनंदन कर आपको दानवीर तथा मानव-रत्न के अलंकरण से विभूषित करना चाहते हैं। हम आपके पास यह निवेदन करने आए हैं कि आप सहर्ष हमें इसकी सहमति दें ताकि हम अपने कार्य को खुशी-खुशी निर्विघ्न संपन्न कर सकें।' उस व्यक्ति की बात सुनकर बुद्ध के अनुयायी ने मुस्कराते हुए कहा, 'आप सब लोगों ने मुझे जितना आदर व सम्मान दिया है इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। किंतु मैंने कोई त्याग नहीं किया है। मेरे जिन गुणों का आप आदर कर रहे हैं, उन्होंने तो मुझे लाभ ही लाभ दिया है। ठीक उसी तरह जिस तरह बैंक में रुपये जमा करना त्याग नहीं, ब्याज का लाभ है। आप सभी जानते हैं कि दुकानदार ग्राहक को कोई वस्तु देकर त्याग नहीं करता बल्कि अपना लाभ कमाता है। उसी तरह मैंने भी अपने व्यक्तित्व से काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि को छोड़कर अपने स्वभाव में अहिंसा, परोपकार, क्षमा, सत्य, दया आदि जैसे सद्गुण को स्थान दिया है। इस तरह देखा जाए तो मैंने छोड़ा कम पाया ज्यादा। मुझे तो लाभ ही मिला। मैंने अतिरिक्त तो कुछ किया नहीं।' यह सुनकर सब उनके प्रति नतमस्तक हो गए।

सूडोकू नवताल- 7616

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7615 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
1	4	6	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 8831

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली - 8830 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

25 मासूम बच्चों की मौत के मामले में आदिवासी समाज ने निकाली कैंडल रैली

निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच, दोषियों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। बैगा बाहुल्य दूरस्थ अंचलों में संक्रमण एवं विभिन्न बीमारियों के कारण हुई 25 मासूम बच्चों की मौत के मामले को लेकर बुधवार 27 अगस्त को आदिवासी समाज लांजी द्वारा कैंडल रैली निकाली गई। नगर के सालेटेकरी रोड स्थित गोंडवाना भवन से दोपहर 3 बजे शुरू हुई रैली एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां समाज के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। कैंडल रैली के दौरान दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके परिवारों को न्याय एवं उचित मुआवजा दिलाने की मांग उठाई गई। आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि बैगा बाहुल्य ग्रामों एवं दूरस्थ क्षेत्रों में समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलने, संक्रमण व बीमारियों तथा कथित प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य विभागीय लापरवाही के कारण यह गंभीर स्थिति निर्मित हुई है। ज्ञापन में कहा गया है कि बड़ी संख्या में बच्चों की मौत के बाद शासन-प्रशासन द्वारा मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा एवं टीकाकरण अधिकारी डॉ. परेश उपलप को उनके प्रभार से हटाया गया है। समाज ने इसे पर्याप्त कार्रवाई नहीं बताते हुए दोनों अधिकारियों को निलंबित करने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने की मांग

ज्ञापन में बैगा बाहुल्य ग्रामीण एवं अनाचल क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम, आवश्यक दवाइयों और एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होने से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। ज्ञापन की प्रतिलिपि महामहिम राष्ट्रपति, मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, कलेक्टर बालाघाट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट तथा एसडीएम लांजी को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजे जाने का उल्लेख किया गया है। आदिवासी समाज लांजी ने कहा कि दिवंगत बच्चों की मौत का मामला बेहद गंभीर और संवेदनशील है। संगठन ने शासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर मौत के वास्तविक कारणों को सामने लाया जाए तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

प्रत्येक पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग

आदिवासी समाज संगठन द्वारा ज्ञापन के माध्यम से बीमारी और कथित प्रशासनिक लापरवाही के कारण जान गंवाने वाले प्रत्येक बच्चे के बैगा परिवार को शासन की ओर से 50-50 लाख रुपये का उचित आर्थिक मुआवजा दिए जाने की मांग की है। साथ ही परिवारों को आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। वहीं ज्ञापन सौंपने के दौरान श्री मांझी अंतर्राष्टीय समाजवाद आदिवासी संगठन से ऋषिकेश घोरमारे, टुमनलाल घोरमारे, धनीराम इनवाती, अशोक मर्सकोले, इतनेशज उईके, लोकेश भलावी, चंदशेखर जामुरे,देवेन्द्र पन्द्रे, सुखदास मसराम, महेन्द्र उईके, राजकुमार उईके, रुपचंद उईके, राजू सिरसाम, महेंद्र चौके, ललिता धारणे, कौशल्या सिरसाम, संगीता सैयाम, कविता नेवारे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जर्जर विद्युत लाइन बनी जानलेवा, जमीन से सटा पड़ा तार; ग्रामीणों में दहशत

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत कंसूली के वनांचल क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था की बदहाली अब ग्रामीणों के लिए परेशानी के साथ गंभीर खतरे का कारण बन गई है। राजीव गांधी विद्युत मिशन के तहत बिछाई गई विद्युत केबल केराटोला और गुवारीटोला क्षेत्र में कई स्थानों पर खराब हो चुकी है। केराटोला मंदिर के सामने विद्युत तार जमीन

से सटकर पड़ा है, जबकि इसी मार्ग से ग्रामीणों का लगातार आवागमन होता है। ऐसे में करंट प्रवाहित होने की स्थिति में कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में एक विद्युत पोल भी लंबे समय से जर्जर हालत में है, जिसके कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई है। बारिश के मौसम में जमीन पर पड़ा विद्युत तार और अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग को किसी अनहोनी का इंतजार करने के बजाय तत्काल मौके पर पहुंचकर विद्युत लाइन और पोल की स्थिति का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार करना चाहिए।

पिछले साल तीन लोगों की गई थी जान

कंसूली क्षेत्र में विद्युत तार से पैदा हुआ खतरा नया नहीं है। ग्रामीणों के मुताबिक पिछले वर्ष इसी क्षेत्र में विद्युत तार टूटने से हुए हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई थी। उस घटना के बाद भी यदि जर्जर विद्युत लाइन और पोल की नियमित निगरानी नहीं की जा रही है तो यह गंभीर चिंता का विषय है। पुराने हादसे की याद आज भी ग्रामीणों के मन में ताजा है और वर्तमान स्थिति ने उनकी चिंता और बढ़ा दी है।

वनांचल क्षेत्र में व्यवस्था पर सवाल

कंसूली और आसपास का क्षेत्र वनांचल होने के साथ पूर्व में नक्सल प्रभावित भी रहा है। ऐसे दुर्गम क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन विद्युत जैसी आवश्यक सुविधा में सुरक्षा से समझौता ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी बन सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन पर गिरा तार और जर्जर पोल विभागीय अधिकारियों को सूचना दिए जाने के बावजूद अब तक ठीक नहीं हुए हैं।

सरपंच ने तत्काल कार्रवाई की मांग की

ग्राम पंचायत कंसूली के सरपंच ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि केराटोला मंदिर के सामने जमीन से सटा विद्युत तार और जर्जर पोल ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं। विभागीय अमला मौके पर पहुंचकर पूरी विद्युत लाइन की जांच करे, खराब केबल को बदले और जर्जर पोल को हटाकर नया पोल लगाए। ग्रामीणों ने भी मांग की है कि पिछले वर्ष हुई तीन लोगों की मौत जैसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाए जाएं।

ग्राम भीमोड़ी में शिक्षा, सेवा और संस्कार के संगम के साथ अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्राम भीमोडी में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ समिति, स्थानीय ग्राम समितियों एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का 26 अगस्त को शुभारंभ हुआ, जिसका 27 अगस्त को धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के साथ समापन किया गया। आयोजन में धर्म के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया। शुभारंभ अवसर पर भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण की पूजा-अर्चना के बाद नगर कीर्तन के साथ राम यात्रा निकाली गई। ग्रामीणों ने जगह-जगह दीप सजाकर, रंगोली एवं पूजा की थाली से भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण का स्वागत किया। बैंड और भजनों के साथ निकली यात्रा में ग्रामीणों की श्रद्धा और उत्साह देखने को मिला।

स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर में 250 ग्रामीणों का परीक्षण

आयोजन के दौरान निःशुल्क स्वास्थ्य एवं मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर लगाया गया। स्वास्थ्य शिविर में 250 ग्रामीणों का परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। वहीं नेत्र जांच शिविर में 105 लोगों की जांच की गई, जिसमें 28 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। चिन्हित मरीजों को नियमानुसार निःशुल्क उपचार एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में यूनाइटेड हॉस्पिटल एवं देवजी नेत्रालय की टीम ने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं।

योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश

योग शिविर में बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों सहित ग्रामीणों को योग और प्राणायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजकों ने कहा कि नियमित योग स्वस्थ शरीर के साथ शांत और सकारात्मक जीवन के लिए भी उपयोगी है।

शिक्षा और संस्कार पर विशेष जोर

कार्यक्रम में बच्चों को शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण का महत्व बताया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सामाजिक एवं शिक्षाप्रद संदेश दिए। वक्ताओं ने कहा कि श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, सेवा, सामाजिक समरसता और

संस्कारों की प्रेरणा देता है।

25 पौधे लगाए, प्लास्टिक मुक्त गांव का संकल्प

पर्यावरण संरक्षण के तहत गांव में 25 पौधों का पौधारोपण किया गया। ग्रामीणों एवं महिला मंडल समितियों ने पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा का संकल्प लिया। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से ग्रामीणों को अवगत कराते हुए कपड़े एवं जूट के थैलों का उपयोग करने की अपील की गई। हवन-यज्ञ के साथ गौ माता का पूजन कर गौ संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।

महिलाओं ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

महिला मंडल द्वारा हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिलाओं ने एक-दूसरे का सम्मान करते हुए परिवार में प्रेम, संस्कार, सहयोग एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया।

जरूरतमंद दिव्यांगों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने की पहल

आयोजकों द्वारा जरूरतमंद दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने की पहल भी की जा रही है। अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ के माध्यम से अब तक 5 जरूरतमंद लोगों को चिन्हित किया जा चुका है। आयोजकों ने बताया कि सावन माह के दौरान ऐसे जरूरतमंद लोगों की जानकारी एकत्रित की जा रही है, ताकि पात्र लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। आयोजकों ने कहा कि धार्मिक आयोजनों को समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति और संस्कार निर्माण से जोड़कर समाज के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से सावन माह में क्षेत्र के 30 गांवों में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आयोजन में स्थानीय नागरिकों, ग्राम समितियों, महिला मंडलों एवं ग्रामीणों का सहयोग प्राप्त हुआ।

दुल्हापुर में भी अखंड पाठ का शुभारंभ

इसी क्रम में ग्राम दुल्हापुर में 27 अगस्त को स्थानीय नागरिकों, ग्राम समितियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से संगीतमय अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ किया गया। इसका समापन 28 अगस्त को विश्रांति, स्वास्थ्य एवं निःशुल्क मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान एवं महाप्रसाद के साथ किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से धार्मिक एवं सामाजिक सेवा के इस आयोजन में सहभागिता की अपील की।

कुम्हारीकला के हिमांशु ढोंगे का एमबीबीएस में चयन, गांव का नाम किया रोशन

मेहनत और लगन से हासिल की सफलता, एल.एन. मेडिकल कॉलेज भोपाल से करेंगे चिकित्सा की पढ़ाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्रामीण अंचल से निकलकर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में एक और युवा ने शानदार सफलता हासिल की है। लांजी क्षेत्र के ग्राम कुम्हारीकला निवासी हिमांशु ढोंगे, पिता बिसराम ढोंगे एवं माता वंदना ढोंगे के पुत्र ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर एमबीबीएस पाठ्यक्रम में चयन प्राप्त कर परिवार के साथ-साथ अपने गांव और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हिमांशु का चयन एल.एन. मेडिकल कॉलेज, भोपाल में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। अब वे भोपाल में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर डॉक्टर बनने के अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएंगे। उनकी इस उपलब्धि की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

ग्रामीण परिवेश से निकलकर हासिल की बड़ी उपलब्धि

हिमांशु की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है, जो ग्रामीण परिवेश में रहकर बड़े सपने देखते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद निरंतर अध्ययन, मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर हिमांशु ने यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता ने यह साबित किया है कि सुविधाएं कम हो सकती हैं, लेकिन यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर जारी रहे तो कोई भी मंजिल असंभव नहीं है। हिमांशु की उपलब्धि से कुम्हारीकला सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों में भी उत्साह का माहौल है।

डॉक्टर बनकर समाजसेवा का सपना

हिमांशु के एमबीबीएस में चयन पर परिजनों, ग्रामवासियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि हिमांशु चिकित्सा शिक्षा पूरी कर एक सफल एवं संवेदनशील चिकित्सक बनेंगे और भविष्य में समाज तथा अपने क्षेत्र के लोगों की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। परिजनों ने भी हिमांशु की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और सफलता परिवार के लिए गर्व का विषय है।

हिमांशु की इस उपलब्धि ने न केवल उनके माता-पिता का सपना साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है, बल्कि कुम्हारीकला गांव को भी गौरवान्वित किया है।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

स्वाइन फ्लू का मध्य प्रदेश में नया पैटर्न

भोपाल। एजेंसी। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित मानसूनी सीजन के दौरान स्वाइन फ्लू इन्फ्लूएंजा ए (एच1एन1) और एच3 एन2 के मामलों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो रही है. हाल में ही भोपाल के हमीदिया अस्पताल में 6 मरीज भर्ती किए गए हैं, जबकि जेपी अस्पताल से 36 संदिग्धों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं. इधर, ओपीडी में भी मरीजों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है. इस स्थिति को देखते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानि आईएमए ने पब्लिक हेल्थ एडवाइजरी जारी की है. इसके अनुसार इस बार के फ्लू में अलग पैटर्न देखने को मिल रहा है, जहां बुखार उतरने के बाद भी मरीजों को ठंड लग रही है और पूरे दिन शरीर में तेज दर्द बना रहता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के नेशनल प्रेजिडेंट डा. अनिल कुमार जे. नायक ने स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के बढ़ते मामलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अधिकांश एच1एन1 संक्रमण हल्के और स्वतः ठीक होने वाले होते हैं, इसलिए पैनिक या घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है. आईसीएमआर सर्विलांस के अनुसार वायरस में कोई नया जेनेटिक म्यूटेशन नहीं हुआ है. उन्होंने लोगों से बिना डाक्टर की सलाह के एजिथ्रोमाइसिन या सेफिक्सिम जैसी एंटीबायोटिक्स न लेने की अपील की है, क्योंकि यह एक वायरल बीमारी है और गलत दवाओं से एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस का खतरा बढ़ता है. इसके साथ ही डाक्टर नायक ने समय पर परामर्श और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों का बढ़ा दबाव

मानसून के दौरान मौसमी बीमारियों और फ्लू के संक्रमण से राजधानी के प्रमुख अस्पतालों की ओपीडी में रोजाना आने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है. भोपाल के हमीदिया अस्पताल में जुलाई महीने में मौसमी बीमारियों और फ्लू का इलाज कराने जहां रोजाना औसतन 150-160 मरीज आ रहे थे, अगस्त में बढकर इनकी संख्या 230 से 280 तक पहुंच गई है. इसके अलावा एम्स भोपाल में भी प्रतिदिन ओपीडी का आंकड़ा 200-230 से बढकर 300 तक चला गया है. इसी तरह जेपी अस्पताल में भी जुलाई में औसतन 120-150 मरीज प्रतिदिन आ रहे थे, जबकि अगस्त में 200 से अधिक मरीज रोजाना पहुंच रहे हैं।

फ्लू के प्रमुख लक्षण और ये हैं रेड फ्लैग साइन

विशेषज्ञों और आईएमए के अनुसार स्वाइन फ्लू में अचानक तेज बुखार, ठंड लगना, सूखी खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, नाक बहना और मांसपेशियों में तेज दर्द की शिकायत होती है. बच्चों में उल्टी, दस्त और मिचली के लक्षण भी देखे जा रहे हैं. यदि मरीज को सांस लेने में तकलीफ हो, सीने में दर्द रहे, होंठ या उंगलियां नीली पड़ने लगें, अत्यधिक सुस्ती आए या 3 से 5 दिन में आराम न मिले तो बिना देरी किए तुरंत आपातकालीन अस्पताल में संपर्क करना चाहिए।

विधासनसभा के शीतकालीन सत्र में लाया जाएगा यूसीसी विधयेक

रायपुर। एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र में समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक पेश किया जाएगा। विधेयक का ड्राफ्ट करने के लिए गठित की गई समिति अपने काम में जुटी हुई है। इधर, गुरुवार को राजधानी रायपुर में यूसीसी के मसौदे पर चर्चा के लिए विशेषज्ञ जुटे हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। राज्य शासन की ओर से गठित उच्चस्तरीय समिति ने गुरुवार को न्यू सर्किट हाउस के कन्वेंशन हॉल में राज्य स्तरीय परिचयात्मक बैठक का आयोजन किया है। बैठक में दो सौ प्रबुद्ध नागरिकों, सम्मानित जनप्रतिनिधियों और कानूनी विशेषज्ञों को विशेष रूप से आमंत्रित किया है।

विचार-विमर्श-मंथन से तय होगा प्रारूप

बैठक का मुख्य उद्देश्य समान नागरिक संहिता के संभावित प्रावधानों, उनके गहरे सामाजिक प्रभावों तथा इसके व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श करना है। राज्य सरकार यह प्रयास कर रही है कि समाज के सभी वर्गों के हितों, परंपराओं और अधिकारों का ध्यान रखा जाए व समावेशी, संतुलित और सर्वमान्य प्रारूप तैयार किया जाए।

अलग-अलग समूहों से भी चर्चा

यूसीसी पर व्यापक सामाजिक सहमति जुटाने के लिए सरकार चरणबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रारंभिक बैठक के बाद, विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, विधिक और अन्य प्रमुख समूहों को भी अलग-अलग चरणों में चर्चा के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इन समूहों से संवाद स्थापित उनके सुझाव लिए जाएंगे।

वंदे मातरम् के आंशिक गायन पर कांग्रेस के खिलाफ आक्रोश

इंदौर। एजेंसी। कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 'वंदे मातरम्' के केवल पहले दो अंतरों के गायन के निर्णय पर चैतन्य भारत और गो सेवाभारती ने विरोध जताया है। संगठनों ने कांग्रेस से निर्णय पर पुनर्विचार कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। साथ ही कांग्रेस की राजनीतिक मान्यता रद्द करने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।

चैतन्य भारत के मार्गदर्शक मंडल के संयोजक पं. योगेंद्र महंत ने कहा कि वंदे मातरम् के गायन को सीमित करने का निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कांग्रेस से निर्णय वापस लेकर देश से माफी मांगने की मांग की।

चैतन्य भारत के अध्यक्ष सीताराम व्यास और महामंत्री घनश्याम गुप्ता ने 15 अगस्त के कार्यक्रम में वंदे मातरम् के गायन को लेकर भी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि गीत के गायन को बीच में रोकने के संकेत दिए गए। उन्होंने कहा कि संगठन इस मामले में न्यायालय का रुख करेगा।

चैतन्य भारत के संगठन प्रभारी कांतिभाई पटेल और स्वदेश राजोरिया ने कांग्रेस कार्यसमिति के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम की राष्ट्रीय चेतना और देशभक्ति की भावना से जुड़ा है।

गो सेवाभारती के अध्यक्ष सुरेश पिंगले और संगठन प्रभारी विष्णु गोयल ने कहा कि कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी तो संभागायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय और मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र भेजकर कांग्रेस की राजनीतिक मान्यता रद्द करने की मांग की जाएगी। उन्होंने जनजागरण अभियान चलाने और आंदोलन की चेतावनी भी दी।

50 हजार डाटा एंट्री ऑपरेटर के लिए हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 2400 ग्रेड पे पर लगाई मुहर, सरकार की अपील खारिज

भोपाल। एजेंसी। प्रदेश के 50 हजार से अधिक संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटरों को हाईकोर्ट के फैसले से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ की डबल बेंच ने डाटा एंट्री आपरेटरों से संबंधित राज्य सरकार की रिट अपील खारिज करते हुए इन कर्मचारियों को 1900 की जगह 2400 ग्रेड पे दिए जाने के सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखा है। इसका फायदा प्रदेश के सभी विभागों में काम करने वाले डाटा एंट्री आपरेटरों को मिलेगा।

मध्यप्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान में कार्यरत संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति के अंतर्गत वेतन की समकक्षता निर्धारित किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। डाटा एंट्री ऑपरेटरों को नियुक्ति के समय से ही यूडीसी (उच्च श्रेणी लिपिक) के समकक्ष वेतनमान और 2400 रुपये ग्रेड पे दिया जाता रहा है। सरकार द्वारा दिए जाने वाले चौथे, पांचवें और छठवें वेतनमान में भी उन्हें इसी के अनुरूप वेतन मिलता रहा। इसके बावजूद सातवें वेतनमान में समकक्षता निर्धारित करते समय उनका ग्रेड पे घटाकर 1900 रुपए और लेवल-4 कर दिया गया। सिंगल बेंच ने 2400 ग्रेड पे को माना था उचित

इस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने माना कि यदि कर्मचारियों को नियुक्ति से लेकर पूर्व के वेतनमानों में यूडीसी के समकक्ष 2400 रुपए ग्रेड पे का लाभ दिया जाता रहा है, तो सातवें वेतनमान में भी उसी के अनुरूप समकक्षता निर्धारित की जानी चाहिए। सिंगल बेंच ने डाटा एंट्री ऑपरेटरों को 1900 ग्रेड पे और लेवल-4 दिए जाने संबंधी आदेश को निरस्त करते हुए 2400 ग्रेड पे के अनुरूप वेतन तय करने का निर्देश दिया था।

राज्य सरकार की डबल बेंच में अपील भी खारिज

कोर्ट के सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से डबल बेंच में रिट अपील दायर की गई थी। ग्वालियर खंडपीठ की डबल बेंच के न्यायमूर्ति जीएस आहलूवालिया और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटरों को 2400 ग्रेड पे के अनुरूप वेतन निर्धारण का रास्ता साफ हो गया है।

अन्य संविदा पदों पर भी पड़ सकता है असर

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर का कहना है कि वित्त विभाग द्वारा 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति के तहत कई संविदा पदों की समकक्षता निर्धारित करते समय वेतनमान में कमी की गई है। इनमें डाटा एंट्री ऑपरेटरों के अलावा अन्य पद भी शामिल बताए गए हैं। महासंघ का कहना है कि ग्वालियर हाईकोर्ट की डबल बेंच के फैसले से ऐसे अन्य संविदा कर्मचारियों के मामलों पर भी असर पड़ सकता है, जिनके वेतनमान की समकक्षता निर्धारित करते समय ग्रेड पे कम किया गया है।

महासंघ के अनुसार

लेखापाल का ग्रेड पे 2800 से घटाकर 2400 किया गया।

एमआईएस कोऑर्डिनेटर, विकासखंड समन्वयक और महिला जेंडर समन्वयक का ग्रेड पे 3600 से घटाकर 3200 किया गया।

सहायक अभियंताओं का ग्रेड पे 5400 से घटाकर 4200 किए जाने का दावा किया गया है।

सरकार से विसंगतियां दूर करने की मांग

मध्यप्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ ने सामान्य प्रशासन विभाग और वित्त विभाग से मांग की है कि 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति के तहत समकक्षता निर्धारण में हुई वेतन विसंगतियों की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई जाए और सभी प्रभावित पदों की विसंगतियों का निराकरण किया जाए। महासंघ का तर्क है कि अलग-अलग पदों के वेतनमान को लेकर बड़ी संख्या में मामले न्यायालयों में लंबित हैं। यदि शासन स्तर पर इन विसंगतियों का समाधान कर दिया जाता है तो कर्मचारियों को राहत मिलने के साथ ही न्यायालयीन मामलों में लगने वाले समय और सरकारी धन की बचत भी हो सकती है।

महिला लोधी क्षत्रिय महासभा की जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी का होगा शपथ ग्रहण

30 अगस्त को कमला नेहरू हॉल में आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला महिला लोधी क्षत्रिय महासभा द्वारा नवगठित जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं भुजली (कजरिया) कार्यक्रम 30 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रात: 11 बजे से कमला नेहरू हॉल सर्किट हाउस रोड, बालाघाट में होगा। आयोजन को लेकर महिला महासभा द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जालम सिंह पटेल, प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश शासनभोपाल, श्रीमती अनुभा मुंजारे, विधायक बालाघाट विधानसभा क्षेत्र, श्रीमती कमलेश वर्मा महिला प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा, लोकेश कुमार लिल्हारे, जीएसटी कमिश्नर मध्यप्रदेश शासन भोपाल तथा राजकुमार कर्राहे विधायक लांजी विधानसभा क्षेत्र उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम के प्रमुख अतिथियों में योगेश उर्फ राजा लिल्हारे उपाध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट,उदय सिंह नागपुर उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा, श्रीमती रुक्मणी मिगेश माहुले जिला पंचायत सदस्य बालाघाट, श्रीमती चेतन अजय कुर्राहे जिला पंचायत सदस्य बालाघाट, श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे जिला पंचायत सदस्य बालाघाट, श्रीमती मीना सुधीर दशरीये जिला पंचायत सदस्य बालाघाट तथा श्रीमती सुनीता मानसिंह बहेटवार जिला पंचायत सदस्य बालाघाट उपस्थित रहेंगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अशोक लिल्हारे जिला अध्यक्ष लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा बालाघाट करेंगे।आयोजन की रूपरेखा के अनुसार सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक नवगठित जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसके बाद दोपहर 2 से 3 बजे तक भोजन की व्यवस्था रहेगी। दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक रैली एवं भुजली विसर्जन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम के माध्यम से नवगठित महिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को संगठन एवं समाज के प्रति जिम्मेदारियों की शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही सामाजिक एकजुटता और परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया जाएगा।कार्यक्रम की आयोजक एवं जिला अध्यक्ष जिला महिला लोधा-लोधी क्षत्रिय महासभा बालाघाट श्रीमती शीला नगपुरे ने जिला एवं ब्लॉक के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों तथा समस्त स्वजातीयजनों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज की महिलाओं को संगठन से जोड़ने, सामाजिक सहभागिता को मजबूत करने तथा नवगठित कार्यकारिणी को नई जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

अब 600 रुपए प्रति छात्र के मान से राशि जमा कराना पड़ेगी

भोपाल। एजेंसी। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 56 लाख बच्चों को सीली हुई यूनिफॉर्म देने का निर्णय शासन ने कुछ समय पूर्व लिया था। कक्षा पहली से 8वीं तक के इन छात्रों को यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए शासन ने टेंडर भी बुलाए और एक निजी कम्पनी को ठेका देने का भी निर्णय लिया गया। चूंकि यह ठेका 350 करोड़ रुपए से अधिक राशि का था, जिसके चलते प्रक्रिया और जमावट में ही समय लग गया और फिर टेंडर प्रक्रिया को लेकर शिकायत भी हुई। यूनिफॉर्म सप्लाय का ठेका हाईकोर्ट तक भी पहुंचा और वहां से टेंडर पर अंतरिम रोक लगा दी गई, जिसके चलते शासन उक्त ठेका नहीं दे पाया और यूनिफॉर्म तैयार भी नहीं हो पाई। इसी बीच शैक्षणिक सत्र अप्रैल से ही शुरू हो गया और बच्चों को यूनिफॉर्म नहीं मिल सकी, जिसके चलते अब यह निर्णय लिया कि नए सिरे से अगर टेंडर बुलाया गया तो उसमें समय लगेगा और फिर छप्पन लाख यूनिफॉर्म तैयार करने में ठेकेदार कम्पनी भी समय लेगी। लिहाजा अब पहले की तरह बच्चों के खातों में यूनिफॉर्म की राशि जमा कराने का निर्णय लिया जा रहा है। प्रति छात्र दो यूनिफॉर्म के लिए 600 रुपए की राशि खातों में जमा कराई जाएगी। चूंकि 56 लाख बच्चे इंदौर सहित पूरे प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं, उन सभी के खातों में यह राशि जमा कराई जाना है, जो लगभग 336 करोड़ रुपए होती है। स्कूली शिक्षा विभाग जल्द ही यह संशोधित प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष रखेगा और वहां से मंजूरी के बाद छात्रों के खातों में डीबीटी के जरिए यह राशि ट्रांसफर कर दी जाएगी। पूर्व में महिला स्वसहायता समूहों द्वारा यूनिफॉर्म वितरण का काम किया जाता था। 2018 से यह प्रक्रियाचल रही थी। मगर दो साल पहले शासन ने यूनिफॉर्म वितरण व्यवस्था में संशोधन करने का निर्णय लिया और यह भी तय किया कि खातों में राशि जमा कराने के बजाय शासन खुद यूनिफॉर्म तैयार करवाकर बंटवाएगा। मगर यह निर्णय भी अमल में नहीं आ सका और अब 4 से 5 महीने शैक्षणिक सत्रशुरू हुए हो गए और अभी तक बच्चों को ना तो यूनिफॉर्म और ना ही उसकी राशि प्राप्त हो सकी।

मध्य प्रदेश रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है

जबलपुर। एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरूवार को व्हीकल फैक्ट्री, जबलपुर में टी-सीरीज टैंक ओवरहॉल परियोजना का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक डॉ अभिलाष पांडेय, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, सेना, आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड एवं व्हीकल फैक्ट्री के अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर राजनाथ सिंह ने कहा कि यह परियोजना देश की औद्योगिक आत्मनिर्भरता-रक्षा क्षेत्र की बढ़ती क्षमता का प्रतीक है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मध्य प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शिता की सराहना करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश रक्षा विनिर्माण और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। राजनाथ सिंह ने आधुनिक युद्ध शैली का जिक्र करते हुए कहा कि आज ड्रोन और मिसाइल का दौर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि टैंकों की भूमिका खत्म हो गई है। टैंकों को आधुनिक तकनीक, बेहतर सेंसर और नई क्षमताओं से लैस कर बदलते युद्धक्षेत्र के अनुरूप तैयार करने की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने बताया कि भारतीय सेना को हर साल बड़ी संख्या में टैंकों के पुनरुद्धार और रखरखाव की जरूरत होती है। जबलपुर की नई परियोजना इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हर साल 12 टी-72 टैंकों का पूर्ण ओवरहॉल और अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए आधुनिक प्लांट के साथ टैंकों के रखरखाव, मरम्मत और परीक्षण के लिए टेस्टिंग ट्रैक भी विकसित किया जाएगा। अभी टी-72 टैंकों के ओवरहॉल की मुख्य जिम्मेदारी आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड की हैवी व्हीकल्स फैक्ट्री, आवड़ी, चेन्नई के पास है। उक्त परियोजना देश की रक्षा तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नए संयंत्र में टी-72 और टी-90 जैसे मुख्य युद्धक टैंकों के रखरखाव, पूर्ण मरम्मत और तकनीकी उन्नयन की क्षमता देश में ही मजबूत होगी। इससे टैंकों के ओवरहाल और अपग्रेडेशन के लिए स्वदेशी सुविधाओं का विस्तार होगा। चेन्नई के अवाडी के बाद जबलपुर ऐसा दूसरा प्रमुख केंद्र होगा, जहां टी-72 टैंकों के ओवरहाल का काम बड़े स्तर पर किया जा सकेगा। यह सुविधा जबलपुर को आयुध निर्माण के साथ बख्तरबंद सैन्य संसाधनों के रखरखाव और तकनीकी उन्नयन का महत्वपूर्ण केंद्र बनाएगी।

3 लाख रुपए का पड़ गया कार का पंचर

जबलपुर। एजेंसी। मदनमहल थाना क्षेत्र के नेपियर टाउन स्थित मॉडल रोड ए टू जेड एलाईमेंट के पास पंचर बनवाने के दौरान कार की पिछली सीट के नीचे रखा 3 लाख नगद से भरा बैग अज्ञात आरोपी चोरी कर ले गया। बैग में नगदी के अलावा दुकान की चाबी और बिक्री संबंधी बिल भी रखे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मदनमहल पुलिस के अनुसार महानद्दा मदनमहल निवासी 39 वर्षीय आशीष चैईठवानी प्लाई बोर्ड की दुकान संचालित करते हैं। गत रात करीब 8:30 बजे उनका दोस्त देवेंद्र टेकचंदानी कार क्रमांक एमपी 20 जेडएक्स 7007 से दुकान पहुंचा और आशीष को घर चलने के लिए कहा। आशीष ने दुकान के काउंटर पर रखी बिक्री की रकम काले रंग के बैग में रखी और बैग कार में रखकर दोस्त के साथ रवाना हो गए। दोनों पुराने बस स्टैंड की ओर कुछ खाने के लिए जा रहे थे। रास्ते में सेंट्रल बैंक के पास एक युवक ने उन्हें बताया कि उनकी कार का टायर पंचर है। इसके बाद दोनों मॉडल रोड स्थित ए टू जेड एलाईमेंट पहुंचे और कार का पंचर बनवाने लगे। बैग कार में ड्राइवर सीट के पीछे नीचे रखा हुआ था। आशीष और देवेंद्र पंचर बनाने वाले को पंचर ठीक करने और स्टेपनी लगाने के लिए कहकर करीब 10-15 मिनट के लिए वहां से चले गए। वापस लौटने पर कार में रखा काले रंग का बैग गायब मिला। उन्होंने पंचर बनाने वाले से बैग के संबंध में पूछताछ की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। बैग में 3 लाख नगद, दुकान की चाबी और बिल रखे हुए थे। इसके बाद ए टू जेड एलाईमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में एक युवक कार से बैग निकालकर ले जाता दिखाई दिया। संदिग्ध युवक ने काले रंग की टी-शर्ट, नीले रंग की पैंट और सिर पर कैप लगा रखी थी। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. एस. राधाकृष्णन हायर सेके. स्कूल में आयोजित हुई मेहंदी डिज़ाइन एवं राखी प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बालाघाट शहर में संचालित प्रतिष्ठत शिक्षण संस्थान डॉ. एस. राधाकृष्णन हायर सेके. स्कूल, सरस्वती नगर बालाघाट में रक्षा बंधन के पावन पर्व पर दिनाँक 27/08/2026 दिन गुरूवार को मेहंदी डिज़ाइन एवं राखी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रत्येक में तीन समूह ग्रुप A, ग्रुप B एवं ग्रुप C बनाये गए। समूह 'A' में कक्षा पहेली से कक्षा चौथी तक, समूह 'B' में कक्षा पांचवी से कक्षा आठवी तक एवं ग्रुप C में कक्षा 9th से कक्षा 12th तक के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। राखी प्रतियोगिता में हेमा जामरे कक्षा 4th ग्रुप A, रेशमी महतो 7th ग्रुप B एवं दीसी टेकाम 10th ग्रुप C प्रथम, नैना मातरे 4th ग्रुप A, निधी हेड़ाऊ 7th ग्रुप क्ष एवं कशीश बघेले 10th ग्रुप C द्वितीय तथा प्रिसा मसराम 4th ग्रुप A, जावेश बाहेश्वर 8th ग्रुप B एवं आरूषी सोनेवाल 10th ग्रुप C तृतीय स्थान पर रहें।

इसी प्रकार मेहंदी प्रतियोगिता में हेमा जामरे 4th ग्रुप A, अश्वनी रामटेके 8th ग्रुप B एवं नन्दनी चौधरी 9th ग्रुप C प्रथम, मेहरू झारिया 4th ग्रुप A.- रागिनी सराठे 8th ग्रुप B एवं अदिति चौधरी 10th ग्रुप C द्वितीय तथा प्रिसा मसराम 4th ग्रुप A एवं प्रेरणा हेडाऊ 7th ग्रुप B तथा गरिमा पाँचे 11th ग्रुप C तृतीय स्थान पर रहे।

उक्त प्रतियोगिता में में निर्णायक की भूमिका राजेश कुमार पाण्डेय (शिक्षिक) एवं श्रीमति अर्चना डोंगरे (शिक्षिका) के द्वारा निभाई गई। प्रतियोगिता का सफल संचालन कु. पूजा पटले, श्रीमति ज्योति चौधरी एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं के द्वारा कराया गया। संस्था के अध्यक्ष श्री रामकुमार गुप्ता जी के द्वारा छात्र-छात्राओं के अन्दर छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने के लिए संस्था में समय-समय पर प्रतियोगिताएँ आयोजित करने की सराहना की गई। अंत में प्राचार्य श्रीमान सनतराम पाँचे के समस्त छात्र/छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की गई एवं समस्त विद्यालय परिवार को रक्षबन्धन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई।

ग्राम पहाड़गांव के पास हाथियों ने डाला डेरा

कोरबा। एजेंसी। जानकारी के अनुसार वनमंडल कोरबा के करतला रेंज अंतर्गत ग्राम पहाड़गांव क्षेत्र में स्थित पहाड़ पर 15 हाथियों का डेरा अभी भी जमा हुआ है। हाथियों का दल लगभग एक सप्ताह से यहां पर मौजूद है, जिन्हें खाने के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा तथा पीने के लिए पानी पहाड़ पर स्थित जंगल व नाले से मिल रहा है। फल स्वरूप हाथी दिन भर यहां विश्राम करने के बाद रात में सक्रिय होते हैं और पहाड़ पर इधर-उधर विचरण करने लगते हैं। हाथियों के पहाड़ पर बने रहने के कारण क्षेत्र में फिलहाल कोई नुकसान नहीं हो रहा है। फिर भी वन अमला सतर्कता बरतते हुए निगरानी जारी रखा है। इस कार्य में ड्रोन कैमरे की मदद ली जा रही है। हाथियों की हर गतिविधियों की जानकारी अधिकारियों को दी जा रही है। हाथियों का यह दल सक्ती क्षेत्र से एक पखवाड़े पूर्व पहुंचा था और साजा पाली तथा पहाड़ के जंगल में सप्ताह भर विचरण करने के बाद पहाड़ पर चढ़ गए है। यहां उन्हें अनूकुल वातावरण मिलने के कारण नीचे नहीं उतर रहे हैं। बताया जा रहा हैं की कटघोरा वनमंडल के एतमा नगर परिक्षेत्र के रिंगनिया में उत्पात मचा रहे 10 हाथियों के झुंड से 7 हाथी अलग होकर केंदई रेंज पहुंच गए और यहां के कांपा नवापारा के जंगल में विचरण करने लगे है। हाथियों ने तत्काल कोई नुकसान नहीं पहुंचाया लेकिन इसकी संभावना वन अमला सतर्कता बरतते हुए हाथियों की निगरानी में जुट गया है। कांपा नवापारा व आसपास के गांव में मुनादी कराने के साथ ग्रामीणों को जंगल की ओर ना जाने की अपील की जा रही है।

सोनल दिनुशा के शानदार शतक से श्रीलंका ने दूसरा टेस्ट ड्रॉ कराया

मेजबानों ने फालोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में 9 विकेट पर 429 रन बनाएद्ध भारत ने 1-0 से

कोलंबो। एजेंसी।

सोनल दिनुशा के शानदार शतक से मेजबान श्रीलंकाई टीम भारत के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में सफल रही । भारतीय टीम ने पहला टेस्ट जीता था जिसके कारण उसे सीरीज में 1-0 से जीत मिली है। श्रीलंकाई टीम की ओर से अंतिम दिन दिनुशा ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। इस बल्लेबाज ने 264 गेंद खेलते हुए नाबाद 133 रन बनाये जिससे श्रीलंकाई टीम ने फालोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में श्रीलंका ने दूसरी पारी में जब 154 ओवर में नौ विकेट पर 429 रन बनाए थे । मैच का कोई परिणाम नहीं निकलता देख दोनो ही टीम मैच ड्रॉ कराने पर सहमत हो गईं। इस समय तक श्रीलंका ने 216 रन की बढ़त हासिल कर ली थी। अंतिम दिन भारतीय गेंदबाज अपने प्रयास में असफल रहे। श्रीलंका ने दो विकेट पर 229 से आगे खेलते हुए धैर्य से खेला और दिन भर में सात विकेट गंवाये।

श्रीलंका का छठा विकेट निरोशन डिकवेला के रूप में 65वें ओवर में गिरा। जिसके बाद दिनुशा ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मैदान पर टिके रहकर भारतीय टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दिनुशा और केशारा नुवांता ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की। नुवांत ने 46 रन बनाये। दिनुशाने इसके बाद लाहिरू कुमारा के साथ नौवें विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी कर मैच का ड्रॉ होना तय कर दिया। भारतीय टीम की ओर से रविंद्र जडेजा, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और सारांश जैन ने एक-एक विकेट लिए। इस मैच में भारतीय टीम ने अपनी अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 503 रन बनाकर घोषित की थी जिसके जवाब में श्रीलंका की टीम दिनुशा के पहली पारी में बनाये शतक 103 रन के बाद भी 290 रन ही बना पायी थी जिससे भारतीय टीम को 213 रनों की बढ़त मिली थी और उसकी जीत तय नजर आ रही थी पर दुनुशा ने दूसरी पारी में भी शतक लगाकर अपनी टीम की हार को टाल दिया।

पाकिस्तान को मिली 2027 दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को साल 2027 में होने वाले दक्षिण एशियाई खेलों के 14वें संस्करण की मेजबानी मिली है। अब ये खेल लाहौर और पेशावर में अगले साल 3 से 11 अप्रैल तक खेले जाएंगे। दक्षिण एशिया ओलंपिक परिषद (एसएओसी) ने हाल ही में इस्लामाबाद में हुई अपनी बैठक में इन खेलों की मेजबानी के साथ ही कार्यकम और और मेजबान शहरों के नाम को भी अपनी अंतिम मंजूरी दे दी थी। गौरतलब है कि लंबे इंतजार के बाद ये खेल होने जा रहे हैं। इन खेलों को पिछले छह साल से नहीं कराया जा सका था। अब इन्हें अप्रैल 2027 में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। एसएओसी की बैठक में बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के प्रतिनिधियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया। इस दौरान अधिकारियों ने इस्लामाबाद में प्रस्तावित खेल स्थलों का भी गहन निरीक्षण किया, जिससे मेजबानी की तैयारियों को लेकर गंभीरता स्पष्ट होती है। पाकिस्तान तीसरी बार इन खेलों की मेजबानी करेगा। पाक ने इससे पहले 2004 में इस्लामाबाद में इन खेलों की मेजबानी की थी। इस बार में कुल 28 खेल विधाओं में 346 पदक स्पर्धाएं होंगी, जिसमें 3200 से अधिक एथलीटों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दक्षिण एशियाई खेलों के इतिहास में भारत अब तक सबसे अधिक पदक जीतने वाला देश रहा है हालांकि इस बार पाक में होने से भारत शायद ही इसमें भाग ले। भारत ने अब तक कुल 2378 पदक जीते हैं। इनमें 1263 स्वर्ण पदक, 736 रजत और 379 कांस्य पदक शामिल हैं। साल 2019 में नेपाल के काठमांडू और पोखरा में आयोजित पिछले संस्करण में भी भारत शीर्ष पर रहा था, जहां उसने 175 स्वर्ण, 92 रजत और 45 कांस्य पदक के साथ कुल 312 पदक हासिल किए थे। हालांकि, 2027 के इन खेलों में भारत की भागीदारी की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है, जो इस क्षेत्रीय प्रतियोगिता के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। वहीं, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका सहित अन्य पड़ोसी देशों के इसमें उत्साहपूर्वक हिस्सा लेने की उम्मीद है।

एशियन खेलों में सीधे सीधे क्वार्टर फाइनल में उतरेगी भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें

टोक्यो। अगले माह 19 सितंबर से जापान में खेले जाने वाले एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष और महिला टीम को आईसीसी रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में उतरना होगा। गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट टीम, अपनी उच्च अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के चलते, पुरुषों और महिलाओं दोनों वर्गों में पदक की प्रबल दावेदार मानी जा रही है, और टूर्नामेंट में उसका सफर कुछ खास अंदाज में शुरू होगा। पुरुष वर्ग का क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से शुरू होगा। भारतीय पुरुष और महिला टीम को बेहतर आईसीसी रैंकिंग के आधार पर उन चार शीर्ष टीमों में शामिल है, जिन्हें सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। वहीं इस सूची में भारत के अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी मजबूत टीमें भी शामिल हैं। यह निर्णय उनकी वर्तमान आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष चार में होने के कारण लिया गया है। इस कारण उन्हें शुरुआती ग्रुप स्तर के मुकाबले नहीं खेलने हैं। और सीधे नॉकआउट चरण में प्रवेश करने का अवसर देगा। टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें से अफगानिस्तान, जापान, नेपाल, हांगकांग, मलेशिया और ओमान जैसी टीमें ग्रुप स्टेज में भिड़ेंगी। यह टीमें शुरुआती चरणों में आमने-सामने होंगी और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष करेंगी, जहां उनका मुकाबला रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज टीमों से होगा। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम अपने अभियान की शुरुआत 28 सितंबर को करेगी। इस दिन उनका सामना ग्रुप ए के उपविजेता से होगा, जो ग्रुप स्टेज के कड़े मुकाबलों के बाद अपनी जगह बनाएगा। यह मुकाबला टीम के लिए टूर्नामेंट में अपनी पकड़ बनाने और सेमीफाइनल में पहुंचने का पहला कदम होगा। यदि भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल का मुकाबला जीतने में सफल रहती है, तो वह 1 अक्टूबर को दूसरे सेमीफाइनल मैच में मैदान पर उतरेगी। इसके बाद, अगर टीम सेमीफाइनल की बाधा को पार कर लेती है, तो वह 3 अक्टूबर को बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबले में स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी।

अब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में खेलती नजर आयेंगी अनाया बांगर

मुंबई। पूर्व भारतीय क्रिकेट क्रिकेट और कोच संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर अब ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट में खेलती नजर आयेंगी। अनाया को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने एक ट्रांस क्रिकेटर के रूप में शामिल किया है। अनाया ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट यात्रा और ट्रांस क्रिकेटर के रूप में अपनी पहचान को लेकर सोशल मीडिया के जरिये अपनी बात रखी है। वह शीघ्र ही ऑस्ट्रेलिया भी जाने वाली हैं। अपनी पूरी क्रिकेटिंग यात्रा और मैदान पर वापसी को लेकर अनाया ने कहा, मैं मार्च 2027 से ही ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रही हूं, हालांकि ये आसान नहीं रहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पास महिला खेलों के लिए एक बेहतरीन ढ़ाचा है और वह भी इससे गुजरी हैं। अनाया ने कहा किया कि अगर मार्च 2027 में हुई जांच में ये पाया जाता है कि मैं सभी जरूरी टेस्टोस्टेरोन क्राइटेरिया को पूरा करती हूं, तो मैं एलीट महिला क्रिकेट टीम में चयन प्रक्रिया में शामिल होने के योग्य हो जाऊंगी, इससे मेरे लिए महिला बिग बैश लीग का रास्ता भी खुल जाएगाहै।अनाया को ऑस्ट्रेलिया में खेलने की अनुमति मिलने के बाद से ही ये सवाल उठ रहा है कि कि क्या वह अब ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम से भी खेल पाएंगी। इस बारे में अनाया ने कहा है सीए ने उन्हें केवल एक रास्ता दिखाया है, जिसका यह मतलब कतई नहीं है कि उन्हें टीम में जगह मिल गई है। उन्होंने कहा, मुझे अभी भी ट्रेनिंग करनी है, प्रतिस्पधा में भाग लेना है, अच्छा प्रदर्शन करना है और वह मौका हासिल करना है। मुझे उम्मीद नहीं है कि मेरे इतिहास या मेरी पहचान की वजह से मुझे क्रिकेट टीम में जगह मिलेगी।

शाह ने 2030 राष्ट्रमण्डल और 2036 ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद दौर में 2030 राष्ट्रमण्डल खेलों गेम्स और 2036 में प्रस्तावित ओलंपिक खेलों की तैयारियों की समीक्षा की। शाह ने शहर को इन मेगा स्पोर्ट्स इवेंट्स की मेजबानी के लिए तैयार करने को कहा। साथ ही व्यवस्थाओं की प्रगति का आंकलन किया। गौरतलब है कि अहमदाबाद 2030 कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी के लिए अपनी खेल संरचना और अन्य सुविधाओं को तेजी से बढ़ा रहा है। इससे साथ ही भारत ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए अपनीबोली लगाई है, जिसमें अहमदाबाद को ही मुख्य मेजबान शहर के बनाया है। शाह ने इससे पहले मई में भी इन दो बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की तैयारियों की समीक्षा की थी। तब उन्होंने केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अहमदाबाद में खेल संरचनाओं और उनसे जुड़े प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा बैठक की थी। समीक्षा बैठक इसलिए भी की जा रही है क्योंकि राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले अहमदाबाद की खेल संरचना को वैश्विक मानकों के अनुरूप बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में मोटेरा में स्थित अत्याधुनिक नरेंद्र मोदी स्टेडियम को और विकसित किया जा रहा है, जबकि सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव का निर्माण कार्य भी तेजी से जारी है, जो शहर को विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं से लैस करेगा। केंद्र सरकार ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि 70 से अधिक देशों में खेल संरचना, खेल सहभागिता और अन्य सुविधाओं के गहन निरीक्षण और मूल्यांकन के बाद भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का अधिकार प्रदान किया गया था। वहीं, 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी अभी तक आधिकारिक तौर पर अहमदाबाद को नहीं दी गई है, हालांकि भारत ने खेलों के लिए अपनी मजबूत दावेदारी की है। ओलंपिक समिति जल्द ही अगले ओलंपिक मेजबान शहर की घोषणा करेगी।

7 अक्टूर से अहमदाबाद में होगी राष्ट्रमंडल क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप

अहमदाबाद। यहां 7 से 10 अक्टूबर तक अहमदाबाद के सावरकर खेल परिसर में राष्ट्रमंडल क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। इसमें 46 देश भाग लेंगे।चार दिवसीय इस प्रतियोगिता से क्यू स्पोर्ट्स के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने को बेहतरीन अवसर मिलेगा। इसमें लगभग 46 देशों के खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है। इस आयोजन से भारत को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर अपनी उपस्थिति और मजबूत करने का अवसर देगा। भारतीय बिलियर्ड्स और स्नूकर महासंघ (बीएसएफआई) के अनुसार, चैंपियनशिप में पुरुष और महिला वर्ग में बिलियर्ड्स, स्नूकर, हेयबॉल, 10-बॉल पूल और ब्लैकबॉल जैसी विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। चार मुख्य स्पर्धाओं में पुरुष और महिला वर्ग में 16-16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे। इस साल के कार्यक्रम में विशेष रूप से बिलियर्ड्स को शामिल किया गया है, जिसमें दोनों वर्गों में आठ-आठ खिलाड़ियों का ड्रॉ होगा, जिससे प्रतियोगिता और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। इस चैंपियनशिप का आयोजन विश्व बिलियर्ड्स खेल महासंघ (डब्ल्यूसीबीएस) और बीएसएफआई के तत्वावधान में एपेक्स स्पोर्ट्स द्वारा किया जाएगा। इस प्रतियोगिता को क्यू स्पोर्ट्स के लिए एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच माना जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए बीएसएफआई ने 13 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें छह पुरुष और सात महिला खिलाड़ी शामिल हैं।

कार्तिक को कोच बनाये सीएसके- हेडन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर और सीएसके के पूर्व सलामी बल्लेबाज रहे मैथ्यू हेडन ने कहा है कि दिनेश कार्तिक को टीम का नया मुख्य कोच बनाया जाना चाहिये। आईपीएल की पांच बार की खिताब विजेता चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने कोच स्टीफन फ्लेमिंग के इस्तीफे के बाद से ही नये कोच की तलाश में है। इसके बाद से ही कोच पद के लिए पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, इयोन मोर्गन और माइकल हसी के नाम की चर्चाएं चल रही हैं। हेडन ने कहा कि कार्तिक को स्थानीय होने का लाभ मिलेगा। हेडन के अनुसार, उनका स्थानीय होना सीएसके के लिए कोच के तौर पर उन्हें एक आदर्श उम्मीदवार बनाता है। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे पता है कि कई फ्रेंचाइजी अंतरराष्ट्रीय कोच चुनती हैं पर मुझे लगता है कि सीएसके जैसी बड़ी फ्रेंचाइजी के लिए मुख्य कोच की भूमिका में स्थानीय कोच होना बेहतर होगा। इसलिए मुझे लगा कि दिनेश इसके लिए एकदम सही रहेंगे। स्थानीय पहचान के अलावा, कार्तिक की कोचिंग क्षमताएं भी काफी अच्छी हैं। पिछले तीन सालों में, कार्तिक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा रहे हैं, एक ऐसी टीम जिसने हाल के सीज़न में मजबूत प्रदर्शन किया है और उनकी कोचिंग काबिलियत को दिखाता है। हेडन ने इस बात पर जोर दिया कि फ्रेंचाइजी के लिए सही व्यक्ति का चुनाव करना बेहद आवश्यक है। हेडन ने फ्लेमिंग और धोनी की शानदार साझेदारी की भी सराहना की, जिन्होंने मिलकर सीएसके को रिकॉर्ड पांच आईपीएल खिताब दिलाए और मुंबई इंडियंस के बराबर सफलता हासिल की।

भारत-अफगानिस्तान सीरीज के मीडिया अधिकार पाकिस्तानी कंपनी को दिये जाने पर सवाल उठे

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच अगले माह 13 सितंबर से यहां होने वाली टी20 सिरीज पहले ही विवादों में घिर गयी है। इसका कारण ये है कि सीरीज की मेजबानी करने वाले अफगानिस्तान बोर्ड (एसीबी) ने इसमें मीडिया राइट्स एक पाकिस्तानी कंपनी को दे दिये हैं। जिसपर विवाद होना तय है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस टी-20 सीरीज के कमर्शियल और टीवी प्रोडक्शन राइट्स पाकिस्तान की कंपनी ट्रांसग्रुप को दिए गए हैं। यह वही कंपनी है जो पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ भी जुड़ी हुई है, और ऐसे में भारत-अफगानिस्तान सीरीज के मीडिया राइट्स एक पाकिस्तानी कंपनी को मिनने से कई सवाल उठ रहे हैं। एसीबी ने 12 अगस्त को जब सीरीज के कार्यक्रम की घोषणा की थी। तब उसने कमर्शियल और ब्रॉडकास्ट पार्टनर के बारे में भी बताया था। एसीबी के बयान के अनुसार, वानी एसीबी के पुराने क्लोदिंग पार्टनर के तौर पर बनी रहेगी, जबकि टीजी(ट्रांसग्रुप) एसीबी के ग्लोबल मीडिया राइट्स सिंडिकेशन पार्टनर के तौर पर काम करेगी। वहीं टीपीटी 360 को मीडिया प्रोडक्शन पार्टनर चुना गया है और फेनकोड भारतीय क्षेत्र में सीरीज के लिए आधिकारिक स्ट्रीमिंग पार्टनर होगी। गौरतब है कि भारत-अफगानिस्तान के बीच यह टी-20 सीरीज कई मायनों में अलग है। अफगानिस्तान पिछले कई सालों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए विदेशी धरती को अपने घरेलू मैदान की तरह प्रयोग करता आया है। भारत में लखनऊ, देहरादून और ग्रेटर नोएडा उसके घरेलू मैदान रहे हैं। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी उनका एक प्रमुख आयोजन स्थल है।

सहवाग, द्रविड के बेटे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धूम मचाने तैयार

अंडर-19 एकदिवसीय और लाल गेंद सीरीज के लिए टीम घोषित

मुम्बई। भारतीय टीम के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर-19 क्रिकेट में धूम मचाने के लिए तैयार हैं। इन दोनो के ही बेटों का चयन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की अंडर-19 एकदिवसीय सीरीज के लिए किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर पुरुष चयन समिति ने इस घरेलू दौरे के लिए टीमें घोषित कर दी है। इस बार टीम पर सबकी नजरें रहेंगी क्योंकि दो महान खिलाड़ियों के बेटे भी इस बार राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए उतरेंगे। यह महत्वपूर्ण घरेलू सीरीज राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाने वाले तीन 50 ओवर के मैचों के साथ शुरू होगी। इसके बाद, राजकोट में ही 27 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय लाल गेंद वाला पहला मैच खेला जाएगा। वहीं दूसरा लाल गेंद वाला मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 5 से 8 अक्टूबर तक खेला जाएगा। यह कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों को विभिन्न प्रारूपों में अपनी क्षमता साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। 50 ओवर के मैचों के लिए उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि मध्य प्रदेश के यशबर्धन चौहान उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। वहीं लाल गेंद वाले मैचों में कप्तानी यशबर्धन चौहान संभालेंगे और लक्ष्य रायचंदानी उनके उप-कप्तान होंगे। यह रणनीति खिलाड़ियों को विभिन्न प्रारूपों में नेतृत्व का अनुभव प्रदान करने और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को परखने के उद्देश्य से अपनाई गई है, जिससे भविष्य के लिए एक बेहतर टीम तैयार की जा सके। इसमें सहवाग के बेटे लेग स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर सहवाग को 15 सदस्यीय एकदिवीसय टीम में जगह मिली है हालांकि वह बहुदिवसीय मैचों के लिए चुनी गई टीम का हिस्सा नहीं हैं। आर्यवीर अभी साल 2026 दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेल रहे हैं। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ भी एकदिवसीय टीम में शामिल हैं पर तीन दिवसीय मुकाबलों की लाल गेंद वाली टीम में उनका नाम नहीं है। अन्वय ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम के लिए दो 50 ओवर के मैचों में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 101 रन बनाए थे। आर्यवीर और अन्वय के अलावा, 50 ओवर के मैचों के लिए मनल चौहान और चिगुरुपति वेंकट को टीम में शामिल किया गया है, जबकि सागर विर्क, अनमोलजीत सिंह और ईशान सूद को बाहर रखा गया है। बहु-दिवसीय खेलों की टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज अभिप्रय बिस्वास, ईशान ओम, अयान अकरम, मोहित उलवा और आर्यन यादव को शामिल किया गया है, उनकी जगह कुछ खिलाड़ियों को बाहर किया गया है, जो टीम में निरंतर बदलाव और नई प्रतिभाओं को मौका देने की नीति को दर्शाता है। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता साबित करने और राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दिशा में एक अहम मंच होगी। एकदिवसीय मैचों के लिए भारत की अंडर-19 टीम = लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशबर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल है।

नरेन टी20 क्रिकेट में 650 विकेट लेने वाले विश्व के दूसरे गेंदबाज बने

जमैका। वेस्टइंडीज के रहस्यमयी स्पिनर सुनील नरेन ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में अपनी शानदार गेंदबाजी से एक नया रिकार्ड बनाया है। नरेन अब टी-20 क्रिकेट में 650 विकेट लेने वाले विश्व के दूसरे गेंदबाज बन गये हैं। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में नरेन ने एक विकट हासिल करते ही ये बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। उन्होंने 12वें ओवर की अंतिम गेंद पर वेस्टइंडीज के जॉन कैंपबेल को एलबीडब्ल्यू आउट कर यह रिकॉर्ड बनाया। इस मैच में उन्होंने चार ओवर में 27 रन देकर एक विकेट लिया। गौरतलब है कि नरेन टी-20 क्रिकेट में यहां तक पहुंचने वाले दूसरे गेंदबाज है। इससे पहले ये आंकड़ा अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने हासिल किया था। राशिद ने 547 मैचों में 736 विकेट लिए हैं, इस प्रकार उनके नरेन के 650 विकेट से 86 विकेट ज्यादा हैं। इस विशिष्ट क्लब में नरेन का नाम शामिल होना उनकी निरंतरता और इस प्रारुप में उनकी असाधारण क्षमता का प्रमाण है। वहीं वेस्टइंडीज के ही ड्वेन ब्रावो 631 विकेट के साथ तीसरे और दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर 582 विकेट के साथ चौथे स्थान पर हैं। नरेन ने गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी कमाल किया है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए वह जाने जाते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने 611 टी-20 मैचों की 390 पारियों में 4,881 रन भी बनाए हैं। नरेन का दबदबा केवल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वह विभिन्न फ्रेंचाइजी लीगों में भी एक प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं। वह कैरेबियन प्रीमियर लीग (ष्टक्क) के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जहां उन्होंने अब तक 137 विकेट चटकाए हैं और दूसरे नंबर पर मौजूद इमरान ताहिर से दो विकेट आगे हैं। आईपीएल में भी नरेन ने अद्भुत रिकॉर्ड बनाए हैं; उन्होंने 2012 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए डेब्यू किया और अब तक 202 मैचों में 207 विकेट ले चुके हैं। वह आईपीएल में किसी एक टीम के लिए 200 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले एकमात्र विदेशी गेंदबाज हैं।

श्रीजेश सहित दिग्गजों ने हॉकी के भविष्य पर चिन्ता जतायी

पेरिस। भारतीय टीम के एफआईएच विश्वकप से बाहर होने के बाद से ही पूर्व गोलकीपर पी आर श्रीजेश सहित कई दिग्गजों ने हॉकी के भविष्य को लेकर गंभीर चिन्ता जतायी है। इन्होंने जूनियर खिलाड़ियों को समय पर अवसर न दिए जाने पर भी चिंता जतायी और कहा है कि सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा ये भी बड़ा सवाल है। श्रीजेश ने पूछा, क्या हमने दूसरी टीम तैयार की है? लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अब केवल दो साल बचे हैं और उससे पहले मुश्किल से तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे, जिनसे ओलंपिक के लिए खिलाड़ी तैयार नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि वर्तमान विश्व कप टीम में वही कोर खिलाड़ी हैं, जबकि मनमीत सिंह, आमिर अली, रोशन कुजूर जैसे कई प्रतिभाशाली जूनियर खिलाड़ी अब भी इंतजार ही कर रहे हैं। वहीं पूर्व ओलंपियन जगबीर सिंह ने भी चयन के कुछ फैसलों पर सवाल उठाए और कहा कि जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर अवसर मिलने चाहिए। उनका मानना है कि विश्वकप मे कोचिंग स्टाफ ने अनुभव को ही तरजीह दी जो काम नहीं आया, और प्रदर्शन में निरंतरता न होने से भारत ने सर्वश्रेष्ठ अवसर गंवा दिया, क्योंकि हर 10 मिनट में रक्षापंक्ति डगमगा गयी। वहीं पूर्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भारतीय फॉरवर्ड लाइन की गुणवत्ता पर निराशा व्यक्त की, यह कहते हुए कि पिछले चार सालों में किसी भारतीय फॉरवर्ड को अच्छा खेलते नहीं देखा। उन्होंने टीम की रणनीति पर भी सवाल उठाए। भास्करन ने भी कहा है कि हमने नए खिलाड़ियों को अवसर ही नहीं दिए।

बकरी का शिकार करने घर में घुसा तेंदुआ, ग्रामीण ने किया कैद

मडकाटोला में अलसुबह मचा हड़कंप, वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा, जंगलों से घिरे क्षेत्र में वन्यप्राणियों की आमद लगातार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वन विकास निगम लामता परियोजना के अंतर्गत ग्राम मोहगांव पंचायत के बकवाड़ा गांव के मडकाटोला में गुरुवार 27 अगस्त की अलसुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक तेंदुआ बकरी का शिकार करने के लिए किसान के घर में घुस गया। घर में तेंदुए को देखकर किसान तेजलाल मरकाम ने घबराने के बजाय सूझबूझ का परिचय दिया और तत्काल घर का दरवाजा बंद कर उसे अंदर ही कैद कर दिया। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन अमला सक्रिय हुआ और कई घंटे की मशक्कत के बाद तेंदुए का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया गया।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 4 बजे तेजलाल मरकाम के घर में बंधी बकरियों की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर जब वे जागे और घर में देखा तो उनके होश उड़ गए। एक तेंदुआ बकरियों का शिकार करने के उद्देश्य से घर के भीतर घुसा हुआ था। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तेजलाल ने सावधानीपूर्वक घर का दरवाजा बंद कर दिया। इससे तेंदुआ घर के अंदर ही कैद हो गया और बड़ी घटना होने से टल गई।किसान ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सुबह करीब 5:30 बजे वन विकास निगम लामता के परियोजना अधिकारी राजेंद्र जरगे को घटना की जानकारी मिली। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हुई।

ग्रामीणों की जुटी भीड़ पुलिस भी पहुंची

तेंदुए के घर में कैद होने की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों में भी उत्सुकता और दहशत का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। भीड़ को नियंत्रित करने और रेस्क्यू अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तर सामान्य वन मंडल का अमला तथा चंगोटोला और लामता पुलिस भी मौके पर पहुंची। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को मौके से दूर रखा और तेंदुए को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने की तैयारी शुरू की। रेस्क्यू अभियान को सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से पूरा करने के लिए कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से डॉक्टर को भी बुलाया गया।

दोपहर 12 बजे सुरक्षित निकाला तेंदुआ

वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने कई घंटे की कार्रवाई के बाद करीब दोपहर 12 बजे तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच में तेंदुआ स्वस्थ पाया गया। वन विभाग के अनुसार तेंदुए की उम्र करीब डेढ़ से दो वर्ष है। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद तेंदुए को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया।

जंगलों से घिरा है पूरा क्षेत्र

मडकाटोला और आसपास का क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ है। यही वजह है कि इस क्षेत्र में वन्यप्राणियों की आमद कोई नई बात नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार आसपास के जंगलों में तेंदुए सहित अन्य वन्यप्राणी अक्सर विचरण करते दिखाई देते हैं। जंगल और आबादी के बीच दूरी कम होने के कारण कई बार वन्यप्राणी भोजन और पानी की तलाश में गांवों की सीमा तक पहुंच जाते हैं। विशेषकर रात और अलसुबह के समय ग्रामीण क्षेत्रों में वन्यप्राणियों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं। खेतों और घरों के आसपास पालतू मवेशियों की मौजूदगी भी तेंदुए जैसे शिकारी वन्यप्राणियों को आकर्षित करती है। इस घटना में भी तेंदुआ बकरी का शिकार करने के प्रयास में घर के भीतर तक पहुंच गया।

ग्रामीणों में दहशत, सतर्कता की जरूरत

तेंदुए के घर में घुसने की घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हालांकि वन विभाग द्वारा तेंदुए को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग ने भी ग्रामीणों से जंगल अथवा वन्यप्राणियों की गतिविधि वाले क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।वन्यप्राणी दिखाई देने पर उसके करीब जाने, उसे घेरने या भीड़ लगाने के बजाय तत्काल वन विभाग को सूचना देने की सलाह दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार वन्यप्राणियों की आमद को देखते हुए वन विभाग को संवेदनशील गांवों में निगरानी और जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है।

इन्होंने दिखाई तत्परता

रेस्क्यू कार्रवाई के दौरान परियोजना अधिकारी राजेंद्र जरगे, सहायक परियोजना अधिकारी सतीश कुमारे, जितेंद्र बांगरे, वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र रंगारे सहित वन विभाग का अमला मौजूद रहा। किसान तेजलाल मरकाम की सूझबूझ और वन विभाग की तत्परता से तेंदुए को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित रेस्क्यू कर उसके प्राकृतिक आवास में वापस पहुंचाया जा सका।

रुपझर पुलिस की दोहरी पहल- बैगा बस्तियों पहुंचकर बैगा समाज को किया जागरूक

पौंडी और दलदला के बैगा टोलों में चलाया जागरूकता अभियान मलेरिया खसरा से बचाव और बच्चों के टीकाकरण की दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना रुपझर पुलिस ने वनांचल क्षेत्र में निवासरत बैगा समाज के लोगों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया। पुलिस टीम ने चौकी उकवा क्षेत्र के ग्राम पौंडी स्थित बैगा टोला एवं ग्राम दलदला के धानीटोला पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान उन्हें मलेरिया, खसरा सहित अन्य बीमारियों से बचाव के उपाय बताए गए तथा नियमित स्वास्थ्य जांच और बच्चों के टीकाकरण के लिए प्रेरित किया गया।यह जागरूकता अभियान पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैहर के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी रुपझर निरीक्षक कामेश धूमकेती के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

बीमारी से बचाव के बताए उपाय

पुलिस टीम ने दोनों बैगा बस्तियों में पहुंचकर ग्रामीणों को मलेरिया और खसरा सहित अन्य बीमारियों के प्रति सावधानी बरतने की जानकारी दी। ग्रामीणों को अपने घर एवं आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखने, स्वच्छ वातावरण बनाए रखने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल उपचार कराने की सलाह दी गई।पुलिस ने ग्रामीणों से कहा कि स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर उसे नजरअंदाज न करें और अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकीय जांच करवाएं। साथ ही बच्चों के नियमित टीकाकरण को लेकर भी विशेष रूप से जागरूक किया गया। ग्रामीणों को अपने स्वास्थ्य की भी समय-समय पर जांच कराने की समझाइश दी गई।

वनांचल के ग्रामीणों से सीधा संवाद

रुपझर थाना क्षेत्र के वनांचल में बड़ी संख्या में बैगा समाज के परिवार निवास करते हैं। दूरस्थ बस्तियों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को लेकर पुलिस द्वारा ग्रामीणों के बीच पहुंचकर संवाद किया गया। पुलिस टीम ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और उन्हें स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए प्रेरित किया।पुलिस की इस पहल से ग्रामीणों में बीमारियों से बचाव, स्वच्छता तथा बच्चों के टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

पुलिस टीम का रहा सराहनीय योगदान

अभियान के दौरान थाना रुपझर से थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धूमकेती, सहायक उपनिरीक्षक जयदयाल पटले, प्रधान आरक्षक द्वारिका नारायण दुबे, आरक्षक उमेश मालवीय, आरक्षक अभिषेक कोष्टी, आरक्षक राजेश तेकाम, आरक्षक ओमप्रकाश बोपचे, आरक्षक अघनसिंह उइके, आरक्षक शिवराज उइके तथा विशेष सहयोगी दस्ता के अर्जुन मेरावी, आशीष बिसेन एवं त्रिवेणी राहंगडाले का सराहनीय योगदान रहा।पुलिस द्वारा ग्रामीणों के बीच पहुंचकर सीधे संवाद करने और स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधी जानकारी देने की इस पहल को ग्रामीणों के लिए उपयोगी बताया गया। इससे वनांचल में रहने वाले लोगों को बीमारी से बचाव, स्वच्छता, बच्चों के टीकाकरण के प्रति जागरूक करने में मदद मिली।

जांच टीम के पहुंचते ही बदली जिला अस्पताल की तस्वीर, जाते ही फिर वही अव्यवस्था

भोपाल से टीम आने की भनक लगते ही कैजुअल्टी में रखी गई दो नई व्हीलचेयर, बेडशीट भी बदली -जांच खत्म होते ही हटाई गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहीद भगत सिंह शासकीय जिला अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर मरीजों और उनके परिजनों को आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अस्पताल की आकस्मिक चिकित्सा इकाई

(कैजुअल्टी) में मरीजों के लिए पर्याप्त व्हीलचेयर तक उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। लेकिन गुरुवार 27 अगस्त को अस्पताल का नजारा उस समय अचानक बदल गया जब भोपाल से एक टीम के कैजुअल्टी विभाग का निरीक्षण करने पहुंचने की जानकारी अस्पताल प्रबंधन को मिली।जांच टीम के आने की भनक लगते ही कैजुअल्टी परिसर में दो नई व्हीलचेयर लाकर खड़ी कर दी गईं। इतना ही नहीं मरीजों के बिस्तरों की बेडशीट भी बदल दी गईं। इस दौरान अस्पताल परिसर में अचानक व्यवस्थाएं दुरुस्त दिखाई देने लगीं।

जांच अधिकारियों के रहते नई व्हीलचेयर जाते ही गायब

बताया जाता है कि जब तक जांच अधिकारी कैजुअल्टी परिसर में मौजूद रहे दोनों नई व्हीलचेयर वहीं दिखाई देती रहीं। जांच अधिकारी के कैजुअल्टी से रवाना होते ही कुछ ही देर में दोनों नई व्हीलचेयर वहां से हटा दी गईं। उनके स्थान पर एक पुरानी व्हीलचेयर रख दी गई जो गंदगी से भरी हुई थी। इस पूरे घटनाक्रम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं और निरीक्षण प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि यदि मरीजों के लिए नई व्हीलचेयर उपलब्ध हैं तो उन्हें सामान्य दिनों में कैजुअल्टी में क्यों नहीं रखा जाता वहीं यदि ये व्हीलचेयर केवल निरीक्षण के दौरान दिखाई देने के लिए लाई गई थीं तो यह अस्पताल की वास्तविक व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सूचना मिलते ही कुछ मिनटों में बदल जाती है व्यवस्था

अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि सामान्य दिनों में आवश्यक सुविधाओं के लिए उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है। ऐसे में यदि निरीक्षण की सूचना पहले से मिल जाए तो अस्पताल प्रबंधन कुछ ही समय में व्यवस्थाओं को बेहतर दिखाने का प्रयास करता नजर आता है। गुरुवार को सामने आया घटनाक्रम भी इसी ओर इशारा करता है। जांच टीम के आने से पहले नई व्हीलचेयर और बदली हुई बेडशीट नजर आईं लेकिन अधिकारियों के जाते ही स्थिति फिर पहले जैसी दिखाई देने लगी।

औचक निरीक्षण से ही सामने आएगी वास्तविक तस्वीर

जिला अस्पताल की वास्तविक व्यवस्थाओं का पता लगाने के लिए अब सवाल यह उठ रहा है कि अधिकारियों द्वारा पूर्व सूचना देकर निरीक्षण करने के बजाय अचानक और औचक निरीक्षण क्यों नहीं किया जाता यदि बिना सूचना के निरीक्षण किया जाए तो अस्पताल में मरीजों को वास्तव में किस तरह की सुविधाएं मिल रही हैं इसकी वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। पूर्व सूचना मिलने पर अस्पताल प्रबंधन को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का पर्याप्त समय मिल जाता है। ऐसे में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को अस्पताल की बेहतर तस्वीर दिखाई देती है जबकि निरीक्षण समाप्त होने के बाद व्यवस्थाएं फिर पुराने ढर्रे पर लौटने के आरोप लगते हैं।

मरीजों को चाहिए स्थायी सुविधा- दिखावटी व्यवस्था नहीं

जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को हर दिन उपचार और आवश्यक सुविधाओं की जरूरत होती है। मरीजों के लिए व्हीलचेयर, साफ बेडशीट, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाएं केवल निरीक्षण अथवा जांच के दौरान उपलब्ध कराने के बजाय नियमित रूप से सुनिश्चित की जानी चाहिए।गुरुवार को कैजुअल्टी में सामने आया व्हीलचेयर का मामला अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि संबंधित अधिकारी अस्पताल का बिना पूर्व सूचना के औचक निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति देखें, ताकि मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की हकीकत सामने आ सके और व्यवस्थाओं में स्थायी सुधार हो सके।

बैगा बच्चों की मौत पर राष्ट्रीय जनजाति आयोग सख्त, प्रभावित गांवों में पहुंची तीन सदस्यीय टीम

मृतक बच्चों के परिवारों से मिलकर जानी बीमारी, इलाज और मौत की पूरी कहानी, कहा- सम्बंधित सभी विभाग की भूमिका की होगी जांच, कलेक्टर से मांगी जानकारी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा क्षेत्र के बैगा आदिवासी अंचल में 24 बच्चों की असमय मौत के मामले को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग की तीन सदस्यीय टीम ने प्रभावित ग्रामों और मंझरेटोलों का दौरा कर मृतक बच्चों के परिजनों से मुलाकात की वही बच्चों की बीमारी, इलाज और मौत से जुड़े तथ्यों की जानकारी ली। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में स्वास्थ्य, पीएचई, मलेरिया, महिला एवं बाल विकास सहित संबंधित विभागों की भूमिका की जांच की जाएगी और यह पता लगाया जाएगा कि आखिर ऐसी कौन सी चूक हुई, जिसके कारण बच्चों की जान गई। उन्होंने समस्त विभागों की जानकारी के लिए कलेक्टर के पत्र लिखते हुए 15 दिनों के भीतर समस्त विभागों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। वहीं जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की जिम्मेदारी तय करके कार्यवाही की बात कही है।

तीन सदस्यीय टीम ने किया निरीक्षण, ली जानकारी

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के विधि सलाहकार एंव पूर्व जिला न्यायाधीश प्रकाश कुमार उइके, डायरेक्टर पुणेन्द्रकांत और इंवेस्टीगेटर शिवप्रकाश की तीन सदस्यीय टीम ने प्रभावित ग्राम सोनगुड्डा, बोंदारी, कुंडेकसा, कोरका, गठिया और मछुरदा का दौरा किया। टीम ने गांवों में पहुंचकर पीएससी, आंगनबाड़ी केंद्रों और जनजातीय छात्रावासों का निरीक्षण किया। इसके अलावा मृतक बच्चों के परिवारों से मुलाकात कर बच्चों की बीमारी, उन्हें मिले उपचार और मौत की परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की।आयोग की टीम ने प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों के टीकाकरण, पोषण, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की भी जानकारी जुटाई। इस दौरान महाकौशल वनवासी विकास परिषद के रक्षा प्रमुख लखन मेरावी भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि लखन मेरावी ने ही बैगा आदिवासी ग्रामों में बीमारी से बच्चों की लगातार हो रही मौत को लेकर राष्ट्रीय जनजाति आयोग को पत्र लिखकर जांच की मांग की थी।

हर पहलू से होगी बच्चों की मौत की जांच

गुरुवार को नगर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के विधि सलाहकार प्रकाश कुमार उइके ने बताया कि आयोग अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य के निर्देश पर तीन सदस्यीय टीम ने दो दिनों तक प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है। आयोग बच्चों की असमय मौत के प्रत्येक पहलू की जांच कर रहा है।उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत से संबंधित दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। अलग-अलग विभागों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक जानकारी और रिकॉर्ड भी मांगे गए हैं, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बच्चों की मौत किन परिस्थितियों और कारणों से हुई। आयोग पूरे मामले की जांच कर जल्द ही अपनी रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा।

विभागों की चूक भी होगी जांच

प्रकाश कुमार उइके ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े मामलों में पीएचई, स्वास्थ्य, मलेरिया तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।इसलिए इन विभागों की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारी की भी जांच की जाएगी।उन्होंने कहा कि आयोग यह पता लगाएगा कि आखिर विभागीय स्तर पर कहां और किस प्रकार की चूक हुई, जिसके कारण बच्चों की मौत जैसी गंभीर स्थिति बनी। जनजातीय विभाग की भूमिका की भी जांच की जाएगी, क्योंकि विभाग विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर शासन की योजनाओं को जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचाने का कार्य करता है।उन्होंने यह भी माना कि क्षेत्र में अशिक्षा और जागरूकता की कमी भी एक बड़ा कारण हो सकती है, लेकिन आयोग सभी तथ्यों और दस्तावेजों की जांच के बाद ही अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचेगा।

परिवहन व्यवस्था नहीं होने पर आयोग ने मांगा जवाब

प्रभावित बैगा आदिवासी अंचल में परिवहन सुविधा के अभाव का मामला भी आयोग के संज्ञान में आया। बताया गया कि परिवहन विभाग द्वारा शहरों और अन्य क्षेत्रों में लगातार वाहनों को परमिट जारी किए जा रहे हैं, लेकिन प्रभावित आदिवासी क्षेत्र के कई गांवों में आज भी नियमित परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं है।इस पर आयोग ने परिवहन अधिकारी से जवाब तलब किया है। आयोग ने क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। माना जा रहा है कि समय पर परिवहन सुविधा उपलब्ध होने से बीमार बच्चों और ग्रामीणों को इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाने में आसानी हो सकेगी।

प्रमुख बिंदु

- बिरसा क्षेत्र में 24 बैगा बच्चों की असमय मौत का मामला।
- राष्ट्रीय जनजाति आयोग की तीन सदस्यीय टीम ने प्रभावित गांवों का किया दौरा।
- मृतक बच्चों के परिवारों से मिलकर जानी बीमारी और इलाज की पूरी स्थिति।
- स्वास्थ्य, पीएचई, मलेरिया, महिला एवं बाल विकास विभागों की भूमिका की होगी जांच।
- परिवहन सुविधा नहीं होने पर परिवहन अधिकारी से भी मांगा गया जवाब।
- आयोग जल्द जांच रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा।

जब तक संपूर्ण जानकारी नहीं आ जाती तब तक जिम्मेदारी तय नहीं होंगी- उइके

आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के विधि सलाहकार प्रकाश कुमार उइके ने स्पष्ट किया कि15 दिनों का समय समस्त विभागों से जानकारी लेकर हमारे पास पहुंचने के लिए दिया गया है,जब तक सभी विभागों से मांगी गई जानकारी हमारे पास नहीं आ जाती, तब तक यह तय नहीं हो पाएगा कि इस पूरे प्रकरण के लिए जिम्मेदार कौन है, जो भी जिम्मेदार होगा उस पर वैधानिक कार्यवाही के प्रयास किए जाएंगे।

जिले में पहली बार परंपरागत लाठी प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न, 40 प्रतिभागियों ने सीखे दांव-पेंच

राष्ट्रीय स्तर के कोच और रेफरी-जज परीक्षा में भी जिले की उपलब्धि, राधा लक्की मड़ावी व आराध्य मोहारे हुए सफल, बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साह से लिया प्रशिक्षण

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पहली बार परंपरागत लाठी कला को संगठित रूप से बढ़ावा देने के उद्देश्य से भव्य परंपरागत लाठी प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित किया गया। मुलना स्टेडियम स्थित कराटे हॉल में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में बच्चों, युवाओं के साथ महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। करीब 40 प्रतिभागियों ने परंपरागत लाठी कला के विभिन्न दांव-पेंच, तकनीक और बारीकियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।परंपरागत लाठी खेल संघ, जिला बालाघाट के तत्वावधान में आयोजित इस सेमिनार की खास बात यह रही कि प्रशिक्षण के साथ ही नेशनल लेवल कोच एवं नेशनल लेवल रेफरी/जज (लाठी) परीक्षा का भी आयोजन किया गया। इसमें बालाघाट के प्रतिभागियों ने सफलता हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया।

राधा लक्की मड़ावी और आराध्य मोहारे ने हासिल की सफलता

सेमिनार के दौरान आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में श्रीमती राधा लक्की मड़ावी ने नेशनल लेवल कोच एवं नेशनल लेवल रेफरी/जज (लाठी) परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की। वहीं आराध्य मोहारे ने नेशनल लेवल रेफरी/जज (लाठी) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। आयोजकों ने दोनों की सफलता को बालाघाट जिले के लिए गौरवपूर्ण बताया।

राष्ट्रीय महासचिव ने दिया तकनीकी प्रशिक्षण

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य प्रशिक्षक परंपरागत लाठी महासंघ भारत के महासचिव प्रमोद विश्वकर्मा उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को लाठी कला की तकनीकों, दांव-पेंच और खेल से जुड़ी महत्वपूर्ण बारीकियों का प्रशिक्षण दिया गया। इसी दौरान राष्ट्रीय स्तर के कोच और रेफरी-जज की परीक्षा भी आयोजित की गई।कार्यक्रम में परंपरागत लाठी महासंघ भारत के कोषाध्यक्ष अनामी शरण कुशवाहा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अजाक्स थाना बालाघाट के थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार कश्यप ने भी कार्यक्रम में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण

अपने संबोधन में ब्रजेश कुमार कश्यप ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है। उन्होंने बच्चों और युवाओं को कराटे, मार्शल आर्ट और परंपरागत लाठी जैसी शारीरिक एवं आत्मरक्षा से जुड़ी कलाओं का प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने विशेष रूप से बालिकाओं और महिलाओं से ऐसी प्रशिक्षण गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मरक्षा की क्षमता भी मजबूत होती है।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शिवानी यादव ने साझा किए अनुभव

कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि के रूप में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं लाठी प्रशिक्षिका शिवानी यादव भी सेमिनार में उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रतिभागियों को लाठी कला से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण दिया तथा अपने खेल जीवन और प्रशिक्षण से जुड़े अनुभव बच्चों एवं अन्य प्रतिभागियों के साथ साझा किए।

जिले में लाठी कला को नई पहचान देने की पहल

कार्यक्रम में डॉ. अक्षय चतुर्मोहता, रोहित ओड़ीचार, मयंक मिश्रा, राज ऋषि चोपड़ा तथा लाठी कला के वरिष्ठ एवं अनुभवी जानकार अनिल मड़ावी सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।इस अवसर पर धनीराम पंचेश्वर, डॉ. अभिषेक पाठक, आकाश श्रीवास्तव, फूलमती मड़ावी, परंपरागत लाठी खेल संघ जिला बालाघाट के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार दमाहे तथा जिला सचिव, बालाघाट जिला लाठी प्रमुख एवं मुख्य कोच लक्की मड़ावी सहित अन्य पदाधिकारी एवं प्रशिक्षक मौजूद रहे।आयोजकों ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को अपनी पारंपरिक कला से जोड़ने के साथ ही इसे खेल, अनुशासन, शारीरिक फिटनेस और आत्मरक्षा के रूप में आगे बढ़ाना है। राष्ट्रीय स्तर की कोच एवं रेफरी-जज परीक्षाओं के आयोजन से बालाघाट के खिलाडियों और प्रशिक्षकों के लिए आगे राष्ट्रीय स्तर पर अवसरों के नए द्वार खुलने की उम्मीद है।कार्यक्रम के अंत में मुख्य प्रशिक्षक, अतिथियों, प्रतिभागियों, अभिभावकों और आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

परिषद बैठक में स्वच्छता से सड़क तक-बालाघाट के विकास का रोडमैप तैयार

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कॉम्प्लेक्स दुकानों की नीलामी सहित नगर विकास के प्रस्ताव पारित, नक्सल मुक्त बालाघाट को फोरलेन की सौगात, विकास के खुलेंगे नए द्वार पर धन्यवाद प्रस्ताव हुआ पारित, बालाघाट में रिंग रोड का सीएम के सामने रखेंगे प्रस्ताव

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका परिषद बालाघाट की सामान्य सभा की बैठक 27 अगस्त को नपा सभागार में आयोजित हुई। बैठक में कुल 14 प्रस्तावों एवं पूरक प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर की स्वच्छता, जलभराव, जल प्रदाय, सुगम आवागमन, बाजारों के व्यवस्थित विकास तथा केंद्र एवं राज्य शासन की विकास योजनाओं को लेकर परिषद सदस्यों ने अपने सुझाव रखे। विमर्श के बाद प्रस्तावों पर निर्णय लेते हुए परिषद द्वारा सहमति प्रदान की गई।

बैठक में भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2026 के तहत नगर के ठोस कचरे का संग्रहण, परिवहन तथा मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर पर सॉलिड वेस्ट की प्रोसेसिंग का कार्य निविदा के आधार पर कराए जाने का प्रस्ताव रखा गया। इसकी निविदा लागत 3 करोड़ 92 लाख 25 हजार 432 रुपये जीएसटी सहित है। द्वितीय निविदा में तीन निविदाकारों ने भाग लिया, जिनमें दो निविदाकार पात्र पाए गए तथा नियमानुसार पात्र एकल निविदा को खोला गया। एकल निविदा को लेकर कुछ परिषद सदस्यों द्वारा आपत्ति एवं अपने सुझाव भी रखे गए परिषद द्वारा उसे स्वीकृति प्रदान की गई। परिषद सदस्यों ने कहा कि शहर की स्वच्छता एवं सुंदरता से जुड़ा यह महत्वपूर्ण कार्य है और ठेका पद्धति से सफाई व्यवस्था को और अधिक गति एवं प्रभावशीलता मिलने की संभावना है।

नगरपालिका द्वारा निर्मित एवं निर्माणाधीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों के आवंटन को लेकर भी चर्चा हुई। म्युनिसिपल स्कूल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों के लिए आमंत्रित निविदा में एकल निविदा पर भी चर्चा हुई,वहीं गुजरी बाजार स्थित तरंग सब्जी मार्केट कॉम्प्लेक्स एवं अन्य दुकानों की छत की नीलामी के संबंध में प्रस्ताव रखा गया। गुजरी बाजार को व्यवस्थित करने तथा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर भी सदस्यों ने अपने सुझाव रखे।

नगरपालिका द्वारा गीता भवन निर्माण के लिए तैयार की जा रही डीपीआर तथा प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भी परिषद के समक्ष रखा गया। इस पर आवश्यक चर्चा एवं सुझाव दिए गए।नगरपालिका प्रबंधन की भूमि पर विद्यालय परिसरों के उपयोग के संबंध में भी चर्चा हुई। परिषद सदस्यों ने सुझाव दिया कि जो भूमि शासन की है, उसे नगरपालिका के अधीन किए जाने की प्रक्रिया की जाए। वही सभी खाली हुऐ स्कूलों का अन्च शैक्षणिक कार्य, सांस्कृतिक प्रयोजन व व्यवसायिक उपयोग किये जाने हेतु चर्चा की गई ।

काली पुतली चौक चौपाटी के विस्थापित दुकानदारों को 15 दिन की मोहलत

काली पुतली चौक चौपाटी की दुकानों की पूर्ण राशि जमा नहीं किए जाने के कारण आवंटन निरस्त किए जाने का विषय भी बैठक में रखा गया। अधिकांश परिषद सदस्य आवंटन निरस्त कर नए सिरे से निविदा बुलाने के पक्ष में थे। इस दौरान मनोनीत पार्षद यासीन खान ने कहा कि चौपाटी की अधिकांश दुकानें विस्थापित दुकानदारों को आवंटित की गई हैं, जिनमें कई अत्यंत गरीब वर्ग से हैं। उन्होंने मेहनत एवं राशि खर्च कर अपनी दुकानों को व्यवस्थित किया है, इसलिए उन्हें तत्काल हटाना उचित नहीं होगा। उन्होंने विस्थापित दुकानदारों को राशि जमा करने के लिए अतिरिक्त समय देने का सुझाव दिया।चर्चा के बाद परिषद ने विस्थापित दुकानदारों को 15 दिन की मोहलत देने तथा निविदा के आधार पर आवंटित दुकानों से शत-प्रतिशत राशि वसूल किए जाने पर सहमति व्यक्त की। वहीं हनुमान मंदिर के पीछे नवनिर्मित कॉम्प्लेक्स की बेसमेंट स्थित दुकानों की पूर्ण राशि जमा किए जाने के मामले में स्वीकृति प्रदान की गई।

मर्वी टोल प्लाजा पर स्थानीय नागरिकों को राहत का प्रस्ताव

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष एवं परिषद सदस्यों द्वारा मर्वी टोल प्लाजा का विषय पूरक प्रस्ताव के रूप में रखा गया। प्रस्ताव में कहा गया कि बालाघाट नगर से आवागमन करने वाले स्थानीय रहवासियों एवं वाहन चालकों को फोरलेन पर बहुत कम दूरी तय करनी पड़ती है। ऐसे में स्थानीय नागरिकों एवं वाहन चालकों से टोल की वसूली नहीं की जानी चाहिए। नागरिकों की सुविधा एवं हितों को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में शासन एवं संबंधित विभाग के समक्ष प्रभावी रूप से मांग रखे जाने पर परिषद ने सहमति व्यक्त की।

फोरलेन की सौगात, नक्सल मुक्त बालाघाट एवं रिंग रोड पर प्रस्ताव

बालाघाट-सिवनी मार्ग को फोरलेन किए जाने की घोषणा एवं वित्तीय स्वीकृति तथा लगभग 35 वर्षों से नक्सल प्रभावित रहे बालाघाट जिले को नक्सल प्रभाव से मुक्त किए जाने पर नगर पालिका परिषद ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। परिषद ने कहा कि इन दोनों महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किए गए विशेष एवं प्रभावी प्रयास सराहनीय हैं। फोरलेन मार्ग की स्वीकृति के लिए जिले की सांसद श्रीमती भारती पारधी के प्रयासों के लिए भी परिषद की ओर से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।परिषद ने कहा कि नक्सल प्रभाव से मुक्ति के बाद जिले में सुरक्षा एवं शांति का वातावरण और मजबूत होगा, वहीं फोरलेन मार्ग से आवागमन सुगम होने के साथ उद्योग-धंधों, निवेश, व्यापार एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 29 अगस्त को बालाघाट आगमन पर नगर पालिका परिषद की ओर से इन दोनों महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए उनका धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया जाएगा।

इसी विषय के साथ नगर पालिका अध्यक्ष एवं परिषद सदस्यों द्वारा बालाघाट नगर के लिए रिंग रोड निर्माण की मांग का पूरक प्रस्ताव भी रखा गया। रिंग रोड के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष रखी जाएगी मांग- ?3458 करोड़ की स्वीकृत फोरलेन सड़क परियोजना में सिवनी शहर को 15 किलोमीटर रिंग रोड की सौगात मिली है। इसी तर्ज पर बालाघाट शहर भी रिंग रोड से अछूता न रहे, इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष मांग रखी जाएगी कि सिवनी रोड से नैनपुर रोड से बैहर रोड से गोंदिया रोड को आपस में इंटरकनेक्ट कर बालाघाट शहर के लिए एक पूर्ण रिंग रोड विकसित किया जाए। परिषद सदस्यों ने कहा कि रिंग रोड बनने से नगर के भीतर भारी वाहनों का दबाव कम होगा, यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा नगर के सुनियोजित विकास को गति मिलेगी।

अर्बन चैलेंज फंड एवं द्वारका नगरी योजना से विकास कार्यों को मिलेगी दिशा

नगर विकास से जुड़े पूरक प्रस्तावों में अर्बन चैलेंज फंड एवं द्वारका नगरी योजना को भी शामिल किया गया। केंद्र एवं राज्य सरकार के सहयोग से मिलने वाले अर्बन चैलेंज फंड के माध्यम से नगर में बड़े एवं गुणवत्तापूर्ण विकास कार्यों को गति देने के लिए परिषद सदस्यों से सुझाव लिए गए। सभी पार्षदों के सुझावों के आधार पर समग्र कार्ययोजना तैयार कर राज्य शासन को प्रेषित किए जाने पर सहमति बनी।

कार्ययोजना में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान, जल प्रदाय व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता व्यवस्था, सुगम आवागमन के लिए आवश्यक सड़कों का निर्माण, यातायात व्यवस्था में सुधार तथा नगर की मूलभूत सुविधाओं के विकास जैसे प्रमुख विषयों को प्राथमिकता से शामिल किया जाएगा। द्वारका नगरी योजना के अंतर्गत भी नगर की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के अनुसार विकास कार्यों को शामिल कर कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

हनुमान चौक के जलभराव निदान पर परिषद सदस्यों ने जताई खुशी

बैठक में शहर के हृदयस्थल हनुमान चौक में वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या के समाधान की दिशा में किए गए प्रयासों पर परिषद सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की। सदस्यों ने नपा अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट कर खुशी जताई। नपाध्यक्ष ने इस कार्य में सहयोग के लिए सभी परिषद सदस्यों का आभार व्यक्त किया।परिषद ने कहा कि नगर के विकास से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विषयों पर पार्षदों के सुझावों एवं सामूहिक विमर्श को प्राथमिकता देते हुए कार्ययोजना तैयार की जाएगी। स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित और सुविधायुक्त बालाघाट के निर्माण के लिए परिषद द्वारा सभी सदस्यों के सहयोग से निरंतर कार्य किया जा रहा है।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को मारी टक्कर-दो छात्राएं घायल

पीजी कॉलेज के सामने हुआ हादसा

दोनों छात्राओं का जिला अस्पताल में उपचार

पदमेश न्यूज। बालाघाट। नगर के काली पुतली चौक से अंबेडकर चौक के बीच पीजी कॉलेज के सामने कार की ठोकर से स्कूटी सवार दो छात्रा घायल हो गई। 27 अगस्त की शाम करीब 4 बजे सड़क हादसे में उस समय हुआ जब दोनों छात्रा स्कूटी में अपने स्कूल से भटेरा चौकी जा रही थी। हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायल छात्राओं को मौके पर मौजूद लोगों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया

गया।दोनो घायल छात्राएं वीना पिता श्याम लांझेवार 24 वर्ष ग्राम सालेटेका, थाना हट्टा निवासी और जिज्ञासा पिता कुंजीलाल मेरावी 21 वर्ष भटेरा चौकी, बालाघाट निवासी हैं। जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल छात्रा वीना लांझेवार और जिज्ञासा मेरावी नगर के विवेक ज्योति स्कूल में बीएड की पढ़ाई कर रही हैं। बताया गया कि 27 अगस्त को दोपहर करीब 4 बजे दोनों छात्राएं अपनी स्कूटी से स्कूल से भटेरा चौकी की ओर जा रही थीं। वे पीजी कॉलेज के सामने पहुंची ही थीं कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक कार स्कूटी को ठोस मारकर फरार हो गई। कार की ठोकर से दोनों छात्राएं स्कूटी समेत सड़क पर गिर गईं।हादसे में दोनों छात्राओं को चोटें आईं।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल। दो छात्रा की मदद की और उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया, जहां दोनों का उपचार किया गया।घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने घायल छात्राओं के बयान दर्ज किए। प्रारंभिक जानकारी एवं बयान के आधार पर मामले को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेजा गया है। नगर के व्यस्त मार्ग पर हुई इस दुर्घटना के बाद एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एथेनॉल मामले के आरोपियों की जमानत निरस्त कराए सरकार, डबल मनी मामले में लंबित आरोप-पत्र शीघ्र पेश हों-पूर्व विधायक किशोर समरिते

पदमेश न्यूज। बालाघाट। संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक किशोर समरिते ने एथेनॉल मामले में कथित 1168 करोड़ रुपये के चावल घोटाले से जुड़े आरोपियों को मिली जमानत पर सवाल उठाते हुए सरकार से उनकी जमानत निरस्त कराने की मांग की है। उन्होंने मामले में लोक अभियोजक डेहरिया तथा विवेचना अधिकारी की भूमिका की विस्तृत जांच कराने और यह भी जांचने की मांग की है कि न्यायालय के समक्ष सरकार का पक्ष प्रभावी ढंग से रखा गया था या नहीं। श्री समरिते ने कहा कि यदि आरोपियों को सरकार की ओर से किसी प्रकार का संरक्षण दिया जाता है अथवा जमानत के मामले में शासन की ओर से उचित विरोध नहीं किया गया है, तो सरकार को तत्काल कार्रवाई करते हुए जमानत निरस्त कराने के लिए आवश्यक कानूनी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वे इस मामले में आरोपियों को मिली जमानत को माननीय उच्च न्यायालय में चुनौती देने की मांग को आगे बढ़ाएंगे।

डबल मनी मामले में लंबित आरोप-पत्र शीघ्र पेश करने की मांग

डबल मनी मामले का उल्लेख करते हुए श्री समरिते ने कहा कि लगभग 15 हजार करोड़ रुपये के कथित घोटाले से जुड़े इस प्रकरण में पीएमएलए तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 420 सहित विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में 200 से अधिक आरोपियों के विरुद्ध आरोप-पत्र अब तक लंबित हैं और पुलिस द्वारा शीघ्र आरोप-पत्र न्यायालय में पेश किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में बड़ी मात्रा में धन का कथित दुरुपयोग हुआ है। साथ ही, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जाने तथा कुछ अचल संपत्तियों की जब्ती की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आयकर विभाग तथा राजस्व अन्वेषण से संबंधित एजेंसियों के समन्वय की भी आवश्यकता है। श्री समरिते ने मांग की कि मामले में बाहर घूम रहे आरोपियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की जाए तथा कानून के अनुसार दोष पाए जाने पर उनके विरुद्ध गिरफ्तारी एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाए।

जनता को पैसा वापस मिलने के दावे पर उठाए सवाल

श्री समरिते ने सरकार द्वारा कथित रूप से जनता को पैसा वापस मिलने संबंधी दावों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि जिन कंपनियों के माध्यम से लोगों से कथित रूप से धन लिया गया, उनका नियामकीय दर्जा क्या था और निवेशकों को धन वापसी की वास्तविक प्रक्रिया क्या है। उन्होंने कहा कि यदि संबंधित कंपनियां भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के नियमों के अनुरूप पंजीकृत नहीं थीं और उनके पास आवश्यक अनुमतियां नहीं थीं, तो सरकार को जनता के सामने पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। सहारा इंडिया से संबंधित न्यायिक एवं नियामकीय मामलों का उल्लेख करते हुए श्री समरिते ने सरकार से मांग की कि जनता से जुड़े धन की वापसी के संबंध में तथ्यों और कानूनी स्थिति को स्पष्ट रूप से सार्वजनिक किया जाए, ताकि लोगों में भ्रम की स्थिति न रहे। श्री समरिते ने कहा कि एथेनॉल प्रकरण और डबल मनी मामले में सरकार को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए तथा दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट